

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 78 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 17 नवम्बर 2026 (मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

राजीव गांधी के निधन के बाद टूट गई थीं सोनिया गांधी, बोलीं- राहुल-प्रियंका ने माता-पिता की तरह संभाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की पुस्तक 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' का सोमवार को दिल्ली में विमोचन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उनके जीवन पर आधारित लघु फिल्म से हुई, जिसे देखकर सोनिया गांधी भावुक हो गईं। इस दौरान उन्होंने अपने पति राजीव गांधी के निधन के बाद के कठिन दौर को याद करते हुए कहा कि उनके जाने के बाद वह पूरी तरह टूट गई थीं। उस समय राहुल और प्रियंका ने उन्हें संभाला और दोनों उनके लिए माता-पिता की तरह बन गए। कार्यक्रम में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के साथ तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, केरल और कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहे। पुस्तक 10 नवंबर को ही बाजार में आ चुकी थी। सोनिया गांधी ने राजीव गांधी के साथ अपने प्रेम को जादुई बताते हुए कैम्ब्रिज में पहली मुलाकात, दोनों के बीच दूरी के दौरान लिखे गए पत्रों और पुरानी यादों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में वह इंदिरा गांधी को मां कहने में सहज नहीं थीं, क्योंकि उनके लिए मां का स्थान केवल उनकी अपनी इतालवी मां का था। इंदिरा के प्रभावशाली व्यक्तित्व से वह डरती भी थीं, लेकिन समय के साथ दोनों के बीच आत्मीयता बढ़ी।



राजस्थान में पंचायत चुनाव के अंतिम चरण में हिंसा, मारपीट में पूर्व सरपंच की मौत, कई जगह पथराव और आगजनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में पंचायत चुनाव के अंतिम चरण के दौरान सोमवार को कई स्थानों पर हिंसा, मारपीट और हंगामे की घटनाएं सामने आईं। प्रदेश के 25 जिलों की 3747 ग्राम पंचायतों में मतदान हुआ। देर रात तक मतगणना के परिणाम आने की संभावना है। झुंझुनूं जिले की विजयनगर ग्राम पंचायत में मतदान के दौरान दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट में पूर्व सरपंच लक्ष्मीनारायण सैनी (55) की मौत हो गई, जबकि करणी सेना के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह फौजी घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। धौलपुर जिले की महू गुलावली ग्राम पंचायत में मतदान के दौरान दो प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान दो मोटरसाइकिलों को आग के हवाले कर दिया गया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर उपद्रव कर रहे लोगों को मौके से खदेड़ा। इससे पहले रविवार रात जिले के बरौली गांव में दो पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में एक युवक की मौत हो गई थी। इस घटना के विरोध में सोमवार सुबह सात बजे से शाम 4.18 बजे तक गांव के मतदान केंद्र पर एक भी मत नहीं पड़ा। बाद में शाम 4.19 बजे पहला मत डाला गया।

स्वच्छता सर्वेक्षण के पुरस्कारों पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, अहमदाबाद-सूरत की जमीनी हकीकत सामने रखने की मांग



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देशभर में स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के परिणाम घोषित होने के बाद केंद्र और राज्य सरकारें अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा सहित विभिन्न शहरों की उपलब्धियों का प्रचार कर रही हैं। सत्तारूढ़ दल के नेता इन परिणामों को अपनी बड़ी उपलब्धि बता रहे हैं। हालांकि, इन पुरस्कारों और स्थानों के पीछे शहरों की वास्तविक स्थिति कैसी है, इसे लेकर गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति के मीडिया विभाग ने सवाल उठाए हैं। राजीव गांधी भवन में आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि स्वच्छता सर्वेक्षण केवल कागजों पर चलने वाली प्रक्रिया बनकर रह गया है और इसके नाम पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि उन्हें सफाई कर्मचारियों की मेहनत पर कोई संदेह नहीं है। तेज धूप हो या बारिश, सफाई कर्मचारी सुबह से देर शाम तक लगातार काम करते हैं। उनका समर्पण और परिश्रम वास्तव में सराहनीय है। लेकिन कांग्रेस का आरोप है कि सरकार कर्मचारियों की इसी मेहनत की आड़ में अपना राजनीतिक प्रचार कर रही है। कर्मचारियों के परिश्रम को अपनी उपलब्धि बताने से पहले सरकार को उनके कार्यस्थल की परिस्थितियों, आवश्यक उपकरणों, सुरक्षा व्यवस्था और उचित कार्यप्रणाली का हिसाब देना चाहिए। डॉ. मनीष दोशी ने कहा कि पुरस्कारों का जश्न मनाने से पहले अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा की वास्तविक स्थिति का हिसाब देना चाहिए। यदि शहर वास्तव में स्वच्छ हैं तो इसका असर केवल सिंधुभवन मार्ग और एसजी राजमार्ग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में ही नहीं, बल्कि प्रत्येक वार्ड और झुग्गी-बस्तियों में भी दिखाई देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अहमदाबाद में पिराना कचरा निस्तारण स्थल के आसपास रहने वाले लोगों की परेशानियां अब भी कम नहीं हुई हैं। प्रहलादनगर, वेजलपुर, सैटेलाइट और नारोल जैसे क्षेत्रों में कचरे और दुर्गंध की समस्या इतनी गंभीर है कि लोगों के लिए अपने घरों में रहना तक मुश्किल हो रहा है। कई स्थानों पर दुर्गंध के कारण वातानुकूलित कमरों में भी राहत नहीं मिलती। ऐसे हालात में स्वच्छता पुरस्कारों के दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हेमांग रावल ने आरोप लगाया कि स्वच्छता सर्वेक्षण की प्रक्रिया में नागरिकों की राय और क्यूआर संकेतांक के माध्यम से जुटाए गए आंकड़ों की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल हैं। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा में वास्तव में कितने नागरिकों ने अपनी राय दर्ज कराई। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि कुछ चुनिंदा सड़कों और विशिष्ट व्यक्तियों के आवागमन वाले क्षेत्रों का निरीक्षण करके पूरे शहर को स्वच्छ घोषित करना उचित नहीं है। प्रत्येक वार्ड की वास्तविक स्थिति को सर्वेक्षण में शामिल किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पालड़ी बस अड्डे और जीवराज पार्क जैसे क्षेत्रों में सार्वजनिक शौचालयों की हालत बेहद खराब है। वहां महिलाओं के लिए शौचालयों का उपयोग करना भी मुश्किल हो जाता है। दूसरी ओर, शौचालयों के स्थल सर्वेक्षण के लिए 15 हजार रुपये, प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करने के लिए 15,500 रुपये, लघु प्रतिरूप बनाने के लिए 40 हजार रुपये और नक्शा तैयार करने के लिए 1 लाख 65 हजार रुपये खर्च दिखाए जाने पर भी सवाल उठाए गए।

डेढ़ करोड़ के आलीशान बंगले में चल रही थी मादक पदार्थ बनाने की फैक्ट्री

तीन दिन की पुलिस हिरासत मंजूर, 130 किलो संदिग्ध रसायन और नशीले पदार्थ बनाने की सामग्री बरामद; पश्चिम बंगाल सहित दूसरे राज्यों और विदेशों तक फैले संपर्कों की जांच में जुटी पुलिस

मुख्य सरगना मुदसरखान गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात को नशे की गिरफ्त में धकेलने की बड़ी साजिश का अहमदाबाद पुलिस ने पर्दाफाश किया है। शहर के एक संपन्न इलाके में करीब डेढ़ करोड़ रुपये के आलीशान बंगले में चोरी-छिपे एमडी नशीला पदार्थ बनाने की फैक्ट्री चलाने वाले मुख्य आरोपी मुदसरखान को पुलिस ने आज कड़ी सुरक्षा के बीच न्यायालय में पेश किया। पुलिस ने आरोपी से आगे की पूछताछ के लिए तीन दिन की हिरासत मांगी थी, जिसे न्यायालय ने मंजूरी दे दी है। इस मामले में 130 किलो से अधिक संदिग्ध रसायन और नशीले पदार्थ बनाने में इस्तेमाल होने वाली कच्ची सामग्री बरामद होने से पूरे राज्य में हड़कंप मच गया है।

डेढ़ करोड़ के बंगले में चल रहा था मौत का कारोबार

मिली जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने पुलिस की नजरों से बचने के लिए किसी सामान्य मकान के बजाय एक आवासीय सोसायटी में स्थित करीब डेढ़ करोड़ रुपये के आलीशान बंगले को अपनी आपराधिक गतिविधियों का मुख्य केंद्र बना रखा था। बाहर से शांत और सामान्य दिखाई देने वाले इस बंगले के भीतर चोरी-छिपे एमडी नशीला पदार्थ (मेफेड्रोन) तैयार किया जा रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर जांच एजेंसियों ने जब अचानक बंगले पर छापा मारा तो अंदर का नजारा देखकर पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए। बंगले के भीतर आधुनिक उपकरण, भट्टियां और बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ तैयार करने का सामान मिला।

करोड़ों रुपये की कीमत का 130 किलो रसायन और सामग्री जब्त

पुलिस की जांच में सामने आया है कि इस कारखाने से एमडी नशीला पदार्थ बनाने में इस्तेमाल होने वाले करीब 130 किलो खतरनाक रसायन और अन्य सामग्री जब्त की गई है। इतनी बड़ी मात्रा में रसायन मिलने से आशंका है कि यहां केवल स्थानीय स्तर पर खपत के लिए ही नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर दूसरे राज्यों और शहरों में आपूर्ति करने के उद्देश्य से भी नशीले पदार्थ तैयार किए जा रहे थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में रसायन कहां से लाया गया था और इस काले कारोबार में अन्य कौन-कौन से बड़े लोग शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल सहित दूसरे राज्यों और विदेशों तक संपर्क होने का संदेह

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अब मुदसरखान के पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों से जुड़े संपर्कों की भी पड़ताल कर रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि नशीले पदार्थ बनाने के लिए कच्ची सामग्री किस रास्ते से मंगवाई जाती थी और तैयार नशीले पदार्थ किन लोगों तक पहुंचाए जाते थे। तीन दिन की पुलिस हिरासत के दौरान आरोपी से गहन पूछताछ की जाएगी, ताकि इस पूरे गिरोह के नेटवर्क, आर्थिक लेन-देन और अन्य सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। गुजरात के युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने की साजिश रच रहे इन तस्करों के खिलाफ पुलिस की इस कार्रवाई से नशे के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा हुआ है।

मामले की प्रमुख बातें

मुख्य आरोपी मुदसरखान को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे तीन दिन की पुलिस हिरासत मिली है। अहमदाबाद की एक आवासीय सोसायटी में स्थित करीब डेढ़ करोड़ रुपये के आलीशान बंगले में नशीले पदार्थ बनाने का कारखाना संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने मौके से एमडी नशीला पदार्थ बनाने में इस्तेमाल होने वाले करीब 130 किलो संदिग्ध रसायन और कच्ची सामग्री बरामद की है। जांच एजेंसियां अब इस पूरे मामले के दूसरे राज्यों, विशेषकर पश्चिम बंगाल और संभावित अंतरराष्ट्रीय संपर्कों की गहराई से पड़ताल कर रही हैं।

कुलगाम हमले का मुख्य साजिशकर्ता लतीफ भट सुरक्षा बलों के हाथों मारा गया, दो कुख्यात आतंकवादियों का अंत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्रीनगर/अहमदाबाद। भारतीय सुरक्षा बल उन आतंकवादियों के खिलाफ लगातार निर्णायक कार्रवाई कर रहे हैं, जो अपनी नापाक और खूनी साजिशों से जम्मू-कश्मीर की धरती को कलंकित करने का प्रयास कर रहे हैं। कुछ दिन पहले कुलगाम क्षेत्र में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों पर कायरतापूर्ण हमला करने वाले मुख्य साजिशकर्ता लतीफ भट सहित दो खतरनाक आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में मार गिराया है। इन कुख्यात आतंकवादियों के मारे जाने से सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है, वहीं आतंकवादी संगठनों के मंसूबों को करारा झटका लगा है।

पांच दिन पहले जवानों पर 30 गोलियां बरसाकर हुए थे फरार

पांच दिन पहले लतीफ भट और उसके साथियों ने कुलगाम क्षेत्र में गश्त कर रहे केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों को निशाना बनाकर करीब 30 गोलियां चलाई थीं। इस कायरतापूर्ण हमले के बाद आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार होने में कामयाब हो गए थे। हालांकि भारतीय सुरक्षा बलों ने इस हमले को गंभीर चुनौती के रूप में लिया और हमलावरों को पकड़ने के लिए व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया था। खुफिया सूचनाओं और लगातार चलाए जा रहे तलाशी अभियानों के आधार पर सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के ठिकानों और उनकी गतिविधियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई।

मुठभेड़ में मारे गए दोनों आतंकवादी, लतीफ भट भी शामिल

मिली जानकारी के अनुसार, सुरक्षा बलों को सूचना मिली थी कि दोनों आतंकवादी कुलगाम के एक इलाके में छिपे हुए हैं। इसके बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने संयुक्त रूप से तलाशी एवं कार्रवाई अभियान शुरू किया। सुरक्षा बलों ने संदिग्ध इलाके की घेराबंदी कर आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन आत्मसमर्पण करने के बजाय उन्होंने सुरक्षा बलों पर फिर से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से हुई भीषण गोलीबारी के बाद दोनों आतंकवादी मारे गए। मुठभेड़ समाप्त होने पर उनकी पहचान हुई, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों पर हुए हमले का मुख्य साजिशकर्ता लतीफ भट भी शामिल था। इस कार्रवाई को सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।



आतंकवादियों और उनके आकाओं को सुरक्षा बलों का कड़ा संदेश

सीमा पार पाकिस्तान में बैठे आतंकवादी संचालक कश्मीर के युवाओं को गुमराह कर उन्हें आतंकवाद के रास्ते पर धकेलने की साजिश रचते रहते हैं। उन्हें लगता है कि छिपकर हमले करने और अंधेरे का सहारा लेकर भागने से वे सुरक्षा बलों की पकड़ से बच जाएंगे, लेकिन भारतीय सेना और अर्धसैनिक बलों की सतर्कता उनके मंसूबों पर लगातार पानी फेर रही है। कुलगाम में हुई इस सफल कार्रवाई ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि देश की सुरक्षा और जवानों पर हमले करने वालों के खिलाफ सुरक्षा बल पूरी मुस्तैदी से कार्रवाई कर रहे हैं। इस मुठभेड़ के बाद स्थानीय नागरिकों में भी सुरक्षा को लेकर भरोसा मजबूत होने की उम्मीद है। वहीं, पूरे देश में सुरक्षा बलों के साहस और समर्पण की सराहना की जा रही है।

विश्व क्रिकेट के सर्वोच्च पद पर भारत का दबदबाः जय शाह लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध आईसीसी अध्यक्ष चुने गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/दुबई। भारतीय खेल प्रशासन का प्रभाव एक बार फिर विश्व क्रिकेट के मंच पर देखने को मिला है। भारत के युवा और कुशल खेल प्रशासक जय शाह लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष चुने गए हैं। इंडोनेशिया के बाली में आयोजित आईसीसी की महत्वपूर्ण मंडलीय बैठक में सभी निदेशकों ने एकमत से उनके नाम का प्रस्ताव रखा और उस पर अपनी सहमति जताई। इसके बाद उनका दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध चयन हुआ। इस उपलब्धि से न केवल गुजरात, बल्कि पूरे देश के खेल जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है।



विश्व क्रिकेट में भारत की बढ़ती ताकत और प्रभाव

जय शाह का लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध चुना जाना इस बात का प्रमाण माना जा रहा है कि विश्व क्रिकेट के संचालन में भारत की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण और प्रभावशाली हो गई है। उनके पिछले कार्यकाल में आईसीसी द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों, आर्थिक स्थिरता बनाए रखने और क्रिकेट को दुनिया भर में अधिक लोकप्रिय बनाने के प्रयासों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई थी। वर्ष 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी के पीछे बनी रणनीति में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

बाली की बैठक में सर्वसम्मति से मिली मंजूरी

इंडोनेशिया के बाली में आयोजित आईसीसी की बैठक में दुनिया भर के क्रिकेट मंडलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण मंडल और विश्व स्तर पर खेलों के विकास में जय शाह के योगदान को देखते हुए सभी सदस्य देशों ने एकमत से उन्हें एक बार फिर इस सर्वोच्च पद की जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया। बिना किसी विरोध के उनका चयन उनकी मजबूत नेतृत्व क्षमता, कार्यशैली और विभिन्न देशों के क्रिकेट मंडलों के साथ बेहतर तालमेल का प्रमाण माना जा रहा है।

भारतीय क्रिकेट प्रशासन के लिए गर्व का अवसर

एक गुजराती युवा नेतृत्वकर्ता और कुशल खेल प्रशासक के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करना देश और गुजरात के लिए गर्व का विषय है। जय शाह के दूसरे कार्यकाल में क्रिकेट के नियमों को आधुनिक बनाने, तकनीक के संतुलित उपयोग और टेस्ट क्रिकेट के संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिए जाने की उम्मीद है। विश्व क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था का नेतृत्व एक बार फिर भारतीय हाथों में होना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव मानी जा रही है।

AMC के एडमिनिस्ट्रेटिव पाप ने अहमदाबाद को कलंकित कियाः करोड़ों की लागत से बने इस्कॉन-सरखेज ब्रिज पर सिर्फ़ 7 दिनों में बड़े-बड़े गड्ढे दिखने से गाड़ी चलाने वाले नाराज़ और परेशान हैं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देश और दुनिया में 'स्मार्ट सिटी' का बड़ा ढिंढोरा पीटने वाली अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के करप्ट और लापरवाह एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम का एक और शर्मनाक मामला सामने आया है। शहर के सबसे बिज़ी और ज़रूरी ब्रिज माने जाने वाले इस्कॉन-सरखेज ब्रिज की मरम्मत या रेनोवेशन को मुश्किल से 7 दिन ही बीते थे कि इस ब्रिज पर बड़े-बड़े और खतरनाक गड्ढे दिखाई देने लगे! जिस पुल से हर दिन लाखों गाड़ी वाले गुज़रते हैं, उसकी यह हालत सिस्टम के अधिकारियों और ठेकेदारों के बीच काले राज का साफ़ सबूत दिखाती है। जनता के टैक्स का करोड़ों का पैसा पानी में बह रहा है और लोग सड़क पर मौत का डरावना सफ़र करने को मजबूर हैं।

सिर्फ़ सात दिनों में पुल गिर गया? यह डेवलपमेंट है या करप्शन की एजेंसी?

आमतौर पर सड़क या पुल बनाते समय उसकी क्वालिटी ऐसी रखी जाती है कि वह सालों तक चले। लेकिन इस घटना ने एक बार फिर AMC राज में हो रहे डेवलपमेंट के कामों की असलियत सामने ला दी है। सिर्फ़ सात दिन पहले खोले या रिपेयर किए गए इस पुल पर गड्ढे होना साफ़ दिखाता है कि काम में भारी करप्शन हुआ है, घटिया क्वालिटी का मटीरियल इस्तेमाल किया गया है और इंजीनियरिंग स्टैंडर्ड को पूरी तरह नज़रअंदाज़ किया गया है। सवाल यह है कि क्या AMC के अधिकारी और इंजीनियर किसी बड़े हादसे का इंतज़ार कर रहे हैं?

इस्कॉन-सरखेज ब्रिज गाड़ी वालों के लिए 'मौत का साया' बन गया है

इस पुल पर इन खतरनाक गड्ढों की वजह से हादसों की संख्या में खतरनाक बढ़ोतरी हुई है। खासकर रात में या पीक आवर्स में जब गाड़ियां पूरी स्पीड से चल रही होती हैं, तो टू-व्हीलर ड्राइवर अचानक गड्ढों की वजह से सो रहे हैं और गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं। घने ट्रैफिक के बीच जान जोखिम में डालकर गाड़ी चलाने वाले मजबूर हो गए हैं। गाड़ियों के सस्पेंशन टूट रहे हैं और लोगों की जेबें खाली हो रही हैं, फिर भी AMC अधिकारियों की चमड़ी मोटी हो गई है और वे AC केबिन से बाहर निकलने को तैयार नहीं हैं।



टैक्सपेयर्स के पैसे की लूटः जिम्मेदार अधिकारियों पर एक्शन कब होगा?

AMC की इस बड़ी लापरवाही के खिलाफ अहमदाबाद के जागरूक नागरिकों में अब गुस्से का ज्वालामुखी फूट पड़ा है। लोगों की मेहनत की कमाई से दिए गए टैक्स के पैसे इस तरह बर्बाद होने के बावजूद कोई ठोस एक्शन नहीं लिया जा रहा है। अगर इस ब्रिज की जल्द से जल्द रीकार्पेटिंग नहीं की गई और सड़क को समतल नहीं बनाया गया और काम में भ्रष्ट एजेंसियों और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त क्रिमिनल एक्शन नहीं लिया गया, तो जनता ने आने वाले दिनों में एक बड़ा आंदोलन करने की धमकी दी है। प्रशासन को अब आंखें मूंदना बंद करना चाहिए और तुरंत एक्शन लेना चाहिए!

भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर उमल्ला में भव्य प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच/उमल्ला। आदिवासी समुदाय के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में आदिवासी नायकों के अमूल्य योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रतिवर्ष 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती आदिवासी गौरव दिवस के रूप में मनाई जाती है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर भरूच जिले के उमल्ला में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री प्रफुलभाई पंशेरिया की अध्यक्षता में भव्य प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास और विकास के संकल्प के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री प्रफुलभाई पंशेरिया ने कहा कि मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में भगवान बिरसा मुंडा ने अपना संपूर्ण जीवन जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया था। अंग्रेजी शासन के विरुद्ध उन्होंने अदम्य साहस और संघर्ष का परिचय देते हुए जनजागरण तथा समाजसेवा की जो मिसाल पेश की, वह संपूर्ण मानव समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।



जनापुर-नादिया मार्ग पर झाड़ियों में फंदे से लटका मिला युवक का शव, पहचान नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पिंडवाड़ा। थाना क्षेत्र के जनापुर-नादिया मार्ग पर सोमवार को झाड़ियों में एक युवक का शव फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सड़क से कुछ दूरी पर शव देखकर एक व्यक्ति ने आसपास के लोगों को इसकी सूचना दी। जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। सूचना मिलने पर पिंडवाड़ा थाने के सहायक उप निरीक्षक अमर सिंह पुलिस दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक की पहचान करने का प्रयास किया। इस दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने युवक के जनापुर का निवासी होने की आशंका जताई, लेकिन देर शाम तक उसकी पहचान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका भी फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को नीचे उतरवाया और निजी वाहन से पिंडवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस मृतक के परिजनों की पहचान करने और उन्हें सूचना देकर मौके पर बुलाने का प्रयास कर रही है। परिजनों की रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।



वडोदरा के मकरपुरा में पुरानी रंजिश को लेकर युवक पर धारदार हथियार से हमला, तीन आरोपी गिरफ्तार



वडोदरा । शहर के मकरपुरा इलाके में पुरानी कहासुनी की रंजिश को लेकर एक युवक पर धारदार हथियार से हमला करने का मामला सामने आया है। घटना में शिकायतकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गया। मामले की शिकायत मिलने के बाद मकरपुरा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, शिकायतकर्ता और आरोपियों के बीच पहले भी कहासुनी और विवाद हुआ था। इसी पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता को रास्ते में रोक लिया। इसके बाद उनके बीच बहस हुई और आरोप है कि तीनों ने धारदार हथियारों से उस पर हमला कर दिया। घटना के बाद इलाके में हलचल मच गई और घायल युवक को उपचार के लिए ले जाया गया। मामले की सूचना मिलते ही मकरपुरा पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने उपलब्ध जानकारी और अन्य सुरागों के आधार पर कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल होने के संदेह में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की ओर से आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साहिल जुमनअली सैयद, शाहिद एहसानअली सैयद और नीरज सरबजीत यादव के रूप में हुई है। पुलिस हमले में इस्तेमाल किए गए हथियारों की बरामदगी सहित मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। आरोपियों के खिलाफ कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मजदूरी मांगने पर मालिक से विवाद, गुस्साए मजदूर ने नए ट्रक में लगाई आग; सोशल मीडिया पर वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। कर्ज की किस्तें बकाया होने पर वाहन की वसूली के नाम पर जबरदस्ती, धमकी और बल प्रयोग करने वाले रिकवरी एजेंटों के खिलाफ न्यायपालिका ने सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि बैंक और वित्तीय संस्थाएं बकाया वसूली के लिए गुंडों या बाहुबल का इस्तेमाल नहीं कर सकतीं। वाहन वापस लेने की कार्रवाई ऋण अनुबंध और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुरूप वैध प्रक्रिया के तहत ही होनी चाहिए। वाहन ऋण की किस्तें बकाया होने पर कुछ मामलों में रिकवरी एजेंटों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर वाहन चालकों को रोकने, चाबियां छीनने, धमकाने और जबरन वाहन अपने कब्जे में लेने की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसी कार्रवाई से वाहन मालिकों को परेशानी होती है और कई बार विवाद की स्थिति भी पैदा हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसलों में इस तरह के बल प्रयोग और अनुचित वसूली तरीकों की निंदा की है। 16 सितंबर 2026 को दिए गए 'हरि दत्ता शर्मा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य' मामले में सुप्रीम कोर्ट ने वाहन जब्ती और ऋण वसूली से जुड़े नियमों पर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि वित्तीय संस्थाओं को वाहन वापस लेने का अधिकार तभी प्राप्त हो सकता है, जब ऋण अनुबंध में इसका प्रावधान हो और निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाए। केवल अनुबंध में वाहन वापस लेने की शर्त होने से वित्तीय कंपनी को मनमानी या बल प्रयोग का अधिकार नहीं मिल जाता। अदालत ने ऋण वसूली के दौरान अनुचित दबाव और बाहुबल के इस्तेमाल पर रोक लगाने वाले भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

गोधरा में लाखों की लागत से बने पार्क बदहाल, खेल और कसरत के उपकरणों की स्थिति पर उठे सवाल...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोधरा । पंचमहल जिले के मुख्यालय गोधरा में नगरपालिका के पार्कों की खराब स्थिति को लेकर स्थानीय निवासियों ने नाराजगी जताई है। नागरिकों का कहना है कि लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए पार्कों में बच्चों के खेलने और बुजुर्गों के व्यायाम के लिए लगाए गए उपकरण अब दिखाई नहीं दे रहे हैं। पार्कों में टूटी बेंचें, जंगली घास और साफ-सफाई की कमी के कारण लोगों को अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। शहर के अलग-अलग इलाकों में नगरपालिका द्वारा संचालित पार्कों की स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, जिन पार्कों में पहले बच्चे झूले, फिसलपट्टी और अन्य खेल उपकरणों का उपयोग करते थे, वहां अब कई सुविधाएं गायब हैं। इसी तरह बुजुर्गों और अन्य नागरिकों के लिए लगाए गए खुले व्यायाम उपकरणों की उपलब्धता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। नागरिकों ने नगरपालिका से पूछा है कि ये उपकरण खराब होकर हटाए गए हैं या किसी अन्य कारण से वहां मौजूद नहीं हैं। पार्कों की देखरेख को लेकर भी स्थानीय निवासियों ने शिकायत की है। उनका कहना है कि कई जगह नियमित सफाई नहीं होती और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था भी नहीं है। सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होने के कारण शाम और रात के समय परिवारों तथा महिलाओं को पार्कों में जाने में असुविधा महसूस होती है। कुछ नागरिकों ने इन स्थानों पर असामाजिक गतिविधियों की आशंका भी जताई है। थानीय लोगों का कहना है कि सार्वजनिक पार्कों के निर्माण पर खर्च करने के साथ-साथ उनके रखरखाव, सफाई और सुरक्षा की व्यवस्था करना भी नगरपालिका की जिम्मेदारी है। ऐसे में पार्कों में लगाए गए उपकरणों की मौजूदा स्थिति और उनके रखरखाव पर हुए खर्च का विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

शिक्षा से वंचित बच्चों की पहचान के लिए गांधीनगर में विशेष अभियान, संरक्षण गृहों से लेकर झुग्गी-बस्तियों तक होगा सर्वे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर: शिक्षा से वंचित बच्चों की पहचान के लिए विशेष अभियान; महिला संरक्षण गृहों, ऑब्जर्वेशन होम और रिमांड होम में निरीक्षण के निर्देश 6 से 18 वर्ष की आयु के उन बच्चों की पहचान करने के लिए एक विशेष अभियान तेज कर दिया गया है, जो या तो पूरी तरह से शिक्षा से वंचित हैं या जिन्होंने बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी है। इस पहल के तहत, न केवल शैक्षणिक संस्थानों में, बल्कि महिला संरक्षण गृहों, ऑब्जर्वेशन होम और रिमांड होम जैसी जगहों पर भी गहन निरीक्षण करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम' के जरिए स्कूल न जाने वाले बच्चों का डेटा जुटाया जाएगा 'समग्र शिक्षा अभियान' के तहत चलाए जा रहे इस अभियान का मुख्य उद्देश्य इन बच्चों को फिर से शिक्षा से जोड़ना है। स्कूलों और निरीक्षण टीमों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि इस प्रक्रिया के दौरान पहचाने गए ऐसे बच्चों को, जिनका कभी नामांकन नहीं हुआ, तुरंत 'चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम' में दर्ज किया जाए। इसके अलावा, जिन बच्चों ने पढ़ाई छोड़ दी है या जिनका कोई अता-पता नहीं है, उनका डेटा भी 'चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम' के जरिए इकट्ठा किया जाएगा।

जैन मुनि सागरचंद्रसागर विवाद

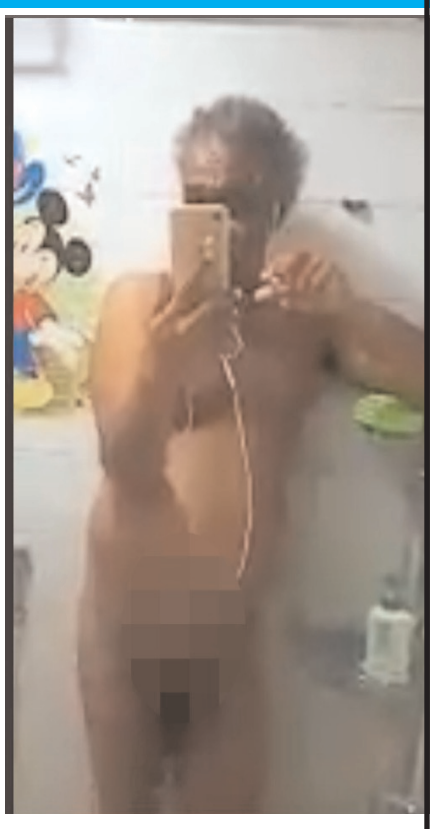
पवित्र धार्मिक वेश को कलंकित करने वाली अनैतिक गतिविधियों का पर्दाफाश; एक वायरल ऑडियो क्लिप सामने आने के बाद मचा हड़कंप!

संयम, त्याग और अहिंसा के मार्ग को कलंकित करने वाली शर्मनाक घटनाएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद/सूरत। जब कोई मुनि या 'आचार्य' के पद पर आसीन व्यक्ति–जिससे यह अपेक्षा की जाती है कि वह दुनिया को सत्य, अहिंसा और परम आत्म-संयम की ओर ले जाएगा–विवादों के भंवर में फंस जाता है, तो यह अनगिनत भक्तों की आस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर देता है। गुजरात में, जैन आचार्य/मुनि सागरचंद्रसागर महाराज से जुड़े हालिया विवादों ने बड़ी हलचल मचा दी है। धार्मिक पद पर रहते हुए किए गए कदाचार और नैतिक पतन ने जैन समुदाय और इसके प्रमुख नेताओं के बीच खुले तौर पर नाराजगी पैदा कर दी है।





विवाद की शुरुआत कुछ आपत्तिजनक तस्वीरों के सामने आने से हुई।

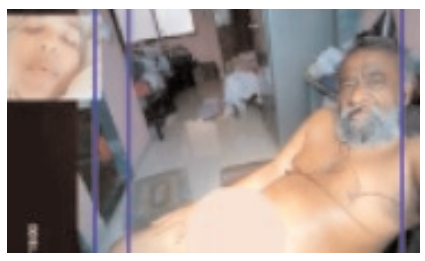
यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब सोशल मीडिया पर मुनि सागरचंद्रसागर महाराज की कुछ बेहद संदिग्ध और विवादित तस्वीरें वायरल हो गईं। इन तस्वीरों के सामने आने से–जो संयम के मार्ग और साधु जीवन के पवित्र नियमों का खुला उल्लंघन करती प्रतीत होती हैं–पूरे देश के जैन समुदाय और भक्तों को गहरा झटका लगा है। यह घटना दर्शाती है कि जब धर्म का झंडा थामने वाले लोग–जिनसे समाज को सही दिशा दिखाने की उम्मीद की जाती है–खुद ऐसी संदिग्ध परिस्थितियों में फंस जाते हैं, तो यह आम जनता की आस्था के लिए कितना बड़ा आघात होता है।

वायरल ऑडियो क्लिप ने खोली सच्चाई: धमकी देने और सौदेबाजी करने के गंभीर खुलासे

अभी यह विवाद शांत होने ही वाला था कि एक कथित वायरल ऑडियो क्लिप ने आग में घी डालने का काम किया। इस ऑडियो में मुनि सागरचंद्रसागर और एक युवती के बीच तस्वीरों के प्रसार और उन्हें लेकर दबाव बनाने के संबंध में गंभीर बातचीत सुनाई देती है। ऑडियो के अनुसार, इसमें साफ तौर पर चेतावनी और धमकियां दी गई हैं, जैसेः 'इन तस्वीरों को डिलीट कर दो और संभलकर चलो; अब यह मेरे हाथ में नहीं है कि यह मामला कहां जाकर खत्म होगा।' इसके अलावा, उस युवती ने वित्तीय लेन-देन, लाखों रुपयों के चढ़ावे और अपनी मानसिक स्थिति के बिगड़ने को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। इस ऑडियो क्लिप में गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिनसे संकेत मिलता है कि आपराधिक तत्वों या अन्य तरीकों से दबाव डाला गया था। (नोटः हालांकि मीडिया संस्थानों या एजेंसियों द्वारा इस वायरल ऑडियो की प्रमाणिकता की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन इसने धार्मिक हलकों में भारी खलबली मचा दी है।)

वित्तीय हेराफेरी और 'संघ' (समुदाय/संप्रदाय) से निष्कासन के गंभीर मामले

नैतिक पतन या धार्मिक मर्यादाओं के उल्लंघन के आरोपों के अलावा, सागरचंद्रसागर महाराज पर ट्रस्ट और जैन 'संघ' की भारी-भरकम धनराशि–जो लाखों या करोड़ों में हो सकती है–की हेराफेरी करने के गंभीर आरोप हैं। खबरों के अनुसार, जैन समुदाय की शीर्ष संस्थाओं और समितियों ने घोर अनुशासनहीनता और धार्मिक नियमों के गंभीर उल्लंघन के कारण उन्हें 'संघ' से आधिकारिक तौर पर निष्कासित कर दिया है। इसके बावजूद, विभिन्न स्थानों पर उनकी लगातार सक्रिय उपस्थिति ने जैन समुदाय के भीतर भारी आक्रोश पैदा कर दिया है।



धर्म की आड़ में पाखंड करने वालों के खिलाफ जागने का समय

जैन धर्म जैसे आस्था-प्रधान पंथ में–जो गहन सूक्ष्मता, अहिंसा और कठोर अनुशासन पर जोर देता है–ऐसे व्यक्तियों द्वारा संयम और पवित्रता का मजाक उड़ाया जाना पूरे समुदाय और उसके भविष्य के लिए अत्यंत चिंता का विषय है। आज समय की मांग है कि जो लोग भक्तों की आस्था का फायदा उठाते हैं और धर्म के नाम पर गलत काम करते हैं, उनकी निष्पक्ष कानूनी जांच हो, ताकि सच्चाई सामने आ सके और जनहित सुरक्षित रहे।

इस मामले के मुख्य और विवादास्पद बिंदु

- विवाद की जड़ः सागरचंद्रसागर महाराज की कुछ संदिग्ध और विवादास्पद तस्वीरें वायरल हुई हैं।
- वायरल ऑडियो का धमाकाः एक कथित ऑडियो क्लिप सामने आई है, जिसमें तस्वीरें हटाने के लिए धमकियां दी गई हैं और दबाव डाला गया है।
- गंभीर आरोपः वित्तीय हेराफेरी, पैसों के लेन-देन में अनियमितताएं, और ऐसी शर्मनाक हरकतें जो एक साधु के आचरण के बिल्कुल विपरीत हैं।
- जन आक्रोशः जैन समुदाय और उसके प्रमुख लोगों के बीच भारी गुस्सा; 'संघ' से निष्कासित होने के बावजूद उनके लगातार सक्रिय रहने पर कई सवाल उठाए जा रहे हैं।

वाहन वसूली में जबरदस्ती पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती, रिकवरी एजेंटों को कानून के दायरे में रहकर करनी होगी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद । कर्ज की किस्तें बकाया होने पर वाहन की वसूली के नाम पर जबरदस्ती, धमकी और बल प्रयोग करने वाले रिकवरी एजेंटों के खिलाफ न्यायपालिका ने सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि बैंक और वित्तीय संस्थाएं बकाया वसूली के लिए गुंडों या बाहुबल का इस्तेमाल नहीं कर सकतीं। वाहन वापस लेने की कार्रवाई ऋण अनुबंध और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुरूप वैध प्रक्रिया के तहत



ही होनी चाहिए। वाहन ऋण की किस्तें बकाया होने पर कुछ मामलों में रिकवरी एजेंटों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर वाहन चालकों को रोकने, चाबियां छीनने, धमकाने और जबरन वाहन अपने कब्जे में लेने की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसी कार्रवाई से वाहन मालिकों को परेशानी होती है और कई बार विवाद की स्थिति भी पैदा हो जाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसलों में इस तरह के बल प्रयोग और अनुचित वसूली तरीकों की निंदा की है।16 सितंबर 2026 को दिए गए 'हरि दत्ता शर्मा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य' मामले में सुप्रीम कोर्ट ने वाहन जब्ती और ऋण वसूली से जुड़े नियमों पर महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

सुरेंद्रनगर के ग्रामीण इलाकों में पानी और चारे का संकट पशुओं की प्यास बुझाने के लिए परेशान मालधारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुरेंद्रनगर। सुरेंद्रनगर जिले के ग्रामीण इलाकों, जिन्हें झालावाड़ क्षेत्र के नाम से भी जाना जाता है, में पानी और चारे की कमी से पशुपालक समुदाय गंभीर परेशानियों का सामना कर रहा है। मालधारियों का कहना है कि कई गांवों में पशुओं के लिए बनाए गए पानी के कुंड सूख चुके हैं और तालाबों में भी पानी नहीं बचा है। ऐसे में गाय, भैंस, भेड़ और बकरियों सहित अन्य पशुओं के लिए पानी और भोजन की व्यवस्था करना मुश्किल हो गया है। स्थानीय पशुपालकों के अनुसार, कई स्थानों पर हालात ऐसे हैं कि उनके पशुओं को सुबह से



पानी नहीं मिल पा रहा है। पानी की तलाश में उन्हें दूर-दराज के इलाकों तक जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब इंसानों के लिए ही पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, तो पशुओं की प्यास बुझाने की चुनौती और बढ़ जाती है। गांवों के तालाब और पशुओं के पानी पीने के लिए बनाए गए कुंड सूखने से उनकी परेशानी बढ़ गई है। पानी की कमी के साथ चारे का संकट भी पशुपालकों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। चरागाहों में हरियाली नहीं होने के कारण पशुओं के लिए पर्याप्त चारा उपलब्ध नहीं है। वहीं बाजार में सूखे चारे और पशु आहार की कीमतें बढ़ने से मालधारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है। उनका कहना है कि पशुओं के लिए महंगा चारा खरीदना मुश्किल हो रहा है। पशुपालकों के मुताबिक, पर्याप्त पानी और भोजन नहीं मिलने से पशुओं की सेहत और दूध उत्पादन पर भी असर पड़ रहा है। पशुपालन पर निर्भर परिवारों की आमदनी प्रभावित हो रही है। एक ओर पशुओं के लिए पानी और चारे का इंतजाम करना जरूरी है।

दिल्ली में कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्रराज का अभिनंदन, एससी-एसटी फंड में बढ़ोतरी का किया दावा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जाटव सुधार समिति, कटवारिया सराय की ओर से संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास चौपाल पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्रराज का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महरौली के विधायक गजेंद्र सिंह यादव, दिल्ली नगर निगम के दक्षिणी क्षेत्र के चेयरमैन धर्मवीर सिंह, संत शिरोमणि गुरु रविदास विश्व महापीठ की दिल्ली प्रदेश मंत्री एवं कार्यक्रम संयोजिका सुमन चौधरी तथा जाटव सुधार समिति के प्रधान कर्मवीर सिंह उपस्थित रहे। इस दौरान विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम का संचालन संत शिरोमणि गुरु रविदास विश्व महापीठ, दिल्ली प्रदेश के संगठन महामंत्री प्रो. मनोज कुमार कैन ने किया। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री रविंद्र इंद्रराज ने कहा कि सभी लोगों को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर और संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए समरसता और समानता के साथ मिल-जुलकर रहना चाहिए। अच्छे समाज का निर्माण करना सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बाबा साहब से जुड़े संस्मरणों और उदाहरणों के माध्यम से लोगों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने राष्ट्र को सर्वोपरि मानते हुए राष्ट्र प्रथम का संदेश दिया था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी बाबा साहब के समानता के सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने उपस्थित लोगों से 6 दिसंबर को बाबा साहब के महापरिनिर्वाण दिवस पर निर्जला व्रत रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील भी की। मंत्री रविंद्र इंद्रराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार वंचित समाज के कल्याण और जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकारों की तुलना में वर्तमान भाजपा सरकार ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए निर्धारित निधि में काफी बढ़ोतरी की है। उन्होंने गांव की समस्याओं के शीघ्र समाधान का भरोसा भी दिलाया। महरौली के विधायक गजेंद्र सिंह यादव ने मंत्री का अभिनंदन करते हुए कहा कि रविंद्र इंद्रराज अपने कार्यों के माध्यम से समाज में सामाजिक चेतना को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने मंत्री के सामाजिक कार्यों, व्यवहार और रचनात्मक सोच की सराहना की। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मंत्री और जनप्रतिनिधि मिलकर सभी समाजों के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम की संयोजिका सुमन चौधरी ने कहा कि सामाजिक समरसता आवश्यक है, लेकिन इसके साथ दलित समाज के हितों को प्राथमिकता देना भी जरूरी है। उन्होंने दलित समाज के विकास और उत्थान के लिए नए प्रयास करने, आवश्यकतानुसार नए नियम बनाने तथा पुराने नियमों में बदलाव करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्मशान घाट तक पक्की सड़क नहीं होने से वासना गांव में दूसरे गांव करना पड़ा बुजुर्ग का अंतिम संस्कार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महुधा/खेड़ा । महुधा तालुका के वासना गांव में श्मशान घाट तक पक्की सड़क नहीं होने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों के अनुसार, हाल ही में एक बुजुर्ग का निधन होने के बाद गांव के श्मशान घाट तक शवयात्रा ले जाने में रास्ते की खराब स्थिति के कारण परेशानी हुई। इसके चलते बुजुर्ग का अंतिम संस्कार दूसरे गांव के श्मशान घाट में करना पड़ा। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने गांव में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि श्मशान घाट तक जाने वाला रास्ता कच्चा और जर्जर है। पक्की सड़क नहीं होने के कारण शवयात्रा को वहां तक ले जाना संभव नहीं हो सका। परिवार पहले से ही बुजुर्ग के निधन के दुख में था, ऐसे में दूसरे गांव में अंतिम संस्कार करना पड़ा। ग्रामीणों ने इसे गांव की एक गंभीर बुनियादी समस्या बताते हुए सड़क निर्माण की मांग उठाई है। इस मुद्दे को लेकर ग्रामीणों और सामाजिक रूप से जागरूक युवाओं ने महुधा विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजयसिंह महिदा और वासना गांव के सरपंच सुभाषभाई से अपील की है। उनका कहना है कि चुनाव के दौरान जनता ने जनप्रतिनिधियों पर भरोसा जताकर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है। ऐसे में गांव की आवश्यक सुविधाओं और लंबे समय से लंबित कार्यों को पूरा करना भी उनकी जिम्मेदारी है। ग्रामीणों की प्रमुख मांग है कि श्मशान घाट तक जाने वाली सड़क का निर्माण प्राथमिकता से कराया जाए।



सूरत के रांदेर में नया गैस सिलेंडर धमाके के साथ फटा, घर में लगी भीषण आग; दमकल की तत्परता से टला बड़ा हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत । शहर के रांदेर इलाके में नया गैस सिलेंडर लगाने के महज 15 से 20 मिनट बाद ही उसमें आग लगने और जोरदार धमाके के साथ फटने की घटना सामने आई। अचानक हुए धमाके से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते की गई कार्रवाई से आग को आसपास के घरों तक फैलने से रोक लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, रांदेर इलाके में एक परिवार ने खाना पकाने के लिए घर में नया गैस सिलेंडर लगवाया था। सिलेंडर लगाने के करीब 15 से 20 मिनट बाद गैस का रिसाव शुरू हो गया और घर में आग लग गई। आग तेजी से फैलने के बाद सिलेंडर जोरदार धमाके के साथ फट गया। धमाके की आवाज दूर तक सुनाई दी, जिससे आसपास रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। घटना के बाद घर से आग की ऊंची लपटें और काला धुआं उठने लगा। आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया और तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और लगातार पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया। दमकल विभाग की कार्रवाई से आग को आसपास के मकानों तक फैलने से रोक दिया गया। हालांकि, घटना में घर का काफी सामान जलकर नष्ट होने की जानकारी सामने आई है। इस घटना ने गैस सिलेंडर की आपूर्ति और सुरक्षा जांच की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए पूछा कि नया सिलेंडर घर तक पहुंचाने से पहले उसके वाल्व और संभावित गैस रिसाव की जांच की गई थी या नहीं। हालांकि, सिलेंडर में रिसाव और धमाके के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

चांदखेड़ा में बगीचे की आड़ में चल रहा था जुआ अड्डा, पुलिस की छापेमारी से मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के चांदखेड़ा इलाके में सार्वजनिक बगीचे की आड़ में कथित रूप से संचालित हो रहे जुआ अड्डे पर पुलिस ने छापेमारी कर अवैध गतिविधियों का पर्दाफाश किया। पुलिस की इस अचानक हुई कार्रवाई से मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पॉश और शांत माने जाने वाले इस इलाके में जुए का अड्डा संचालित होने की जानकारी सामने आने के बाद स्थानीय लोगों के बीच भी चर्चा शुरू हो गई है।पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चांदखेड़ा में एक सार्वजनिक बगीचे की आड़ में बड़े पैमाने पर जुआ खेला जा रहा है और वहां लाखों रुपये का दांव लगाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर छापा मारा। अचानक हुई इस कार्रवाई से वहां मौजूद जुआरियों में हड़कंप मच गया।छापेमारी के दौरान पुलिस ने नकदी, मोबाइल फोन और जुए से संबंधित सामान जब्त किया। पुलिस ने अड्डे का संचालन करने वाले मुख्य लोगों सहित वहां जुआ खेलने के लिए एकत्र हुए व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अहमदाबाद में मंदिर के सामने चल रहे जुए के अड्डे पर पुलिस की छापेमारी, 4 जुआरी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद । विश्व धरोहर शहर अहमदाबाद के पुराने चारदीवारी वाले इलाके में बढ़ती यातायात और पार्किंग की समस्या से निपटने के लिए अहमदाबाद नगर निगम ने एक नई योजना तैयार की है। जानकारी के अनुसार, नगर आयुक्त ने नगर निगम स्कूल बोर्ड के अंतर्गत आने वाले लगभग 34 जर्जर स्कूल भवनों का सर्वे कर उन्हें हटाने और खाली होने वाली जमीन का इस्तेमाल सार्वजनिक पार्किंग के लिए करने का पायलट प्रोजेक्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। पुराने शहर में तंग गलियों, वाहनों की बढ़ती संख्या और अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। खाडिया, रायपुर, कालूपुर, दरियापुर, शाहपुर, जमालपुर और रिलीफ रोड जैसे घनी आबादी वाले इलाकों में पार्किंग की जगह मिलना मुश्किल हो गया है। नई जमीन उपलब्ध नहीं होने के कारण नगर निगम अब अपनी उन संपत्तियों का उपयोग करने की योजना बना रहा हैं।

कतारगाम में बंद मकान से 2.13 लाख रुपये की चोरी का खुलासा, आदतन आरोपी रुस्तम उर्फ 'बंदर' गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सूरत। शहर के कतारगाम इलाके की श्री निकेतन सोसाइटी में बंद मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये के सामान की चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कतारगाम पुलिस की सर्विलांस टीम ने तकनीकी जांच और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर रुस्तम उर्फ 'बंदर' फिरोज मियाना को पकड़ा है। पुलिस ने उसके पास से चोरी का सामान भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 10 नवंबर 2026 की रात करीब 12:30 बजे से 2:55 बजे के बीच श्री निकेतन सोसाइटी स्थित मकान नंबर 41 में चोरी हुई थी। चोरों ने बंद मकान में प्रवेश कर एक कमरे में रखी लकड़ी की अलमारी का छोटा खाना तोड़ दिया और वहां से कीमती सामान लेकर फरार हो गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत 2,13,876 रुपये बताई गई है। चोरी हुए सामान में करीब 32.66 ग्राम सोने के आभूषण शामिल हैं, जिनकी कीमत लगभग 1,66,876 रुपये बताई गई है।

एसआईआर को लेकर युवाओं के बीच जागरूकता फैलाएगा गुजरात भाजपा युवा मोर्चा, राज्यभर में होंगे टाउन हॉल और कॉलेज संवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। वर्ष 2002 के बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दो दोषियों को बड़ी कानूनी राहत दी है। शीर्ष अदालत ने बिपिनचंद्र कानैयालाल जोशी और प्रदीप रमणलाल मोढिया की उम्रकैद की सजा निलंबित करते हुए उन्हें जमानत देने का आदेश दिया है। दोनों दोषियों को जमानत की शर्तें संबंधित ट्रायल कोर्ट द्वारा तय किए जाने के बाद रिहा किया जाएगा। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने दोनों दोषियों की ओर से दायर अपीलों पर सुनवाई करते हुए 28 अक्टूबर को यह आदेश दिया। आदेश 16 नवंबर को सार्वजनिक हुआ। दोनों दोषियों की ओर से दलील दी गई थी कि वे 17 साल से अधिक समय जेल में बिता चुके हैं और उनकी अपीलों पर अंतिम निर्णय आने में समय लग सकता है। सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों दोषियों के 17 साल से अधिक समय तक जेल में रहने और उनमें से एक की गंभीर शारीरिक दिव्यांगता को ध्यान में रखा। पीठ ने कहा कि अपीलों में तथ्य और कानून से जुड़े कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर विचार किया जाना बाकी है। इसी आधार पर अदालत ने उनकी सजा निलंबित करने और ट्रायल कोर्ट द्वारा तय की जाने वाली शर्तों के अधीन जमानत देने का आदेश दिया। अभियोजन पक्ष की ओर से इस राहत का विरोध किया गया था।गौरतलब है कि अगस्त 2022 में गुजरात सरकार ने अपनी छूट नीति के तहत इस मामले के सभी 11 दोषियों को रिहा कर दिया था। इस फैसले को बिलकिस बानो ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। 8 जनवरी 2024 को शीर्ष अदालत ने गुजरात सरकार के रिहाई संबंधी आदेश को रद्द कर दिया था और



'मुख्यमंत्री कोली समुदाय से होना चाहिए ': पाबुभा मानेक के बयान से गुजरात की राजनीति में हलचल, धार्मिक मंच पर लहराई तलवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



द्वारका। गुजरात की राजनीति में भाजपा विधायक पाबुभा मानेक के एक बयान ने नई चर्चा छेड़ दी है। द्वारका में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम 'माताजी नो मांडवो' के दौरान मानेक ने कहा कि गुजरात का अगला मुख्यमंत्री कोली समुदाय से होना चाहिए। कार्यक्रम के मंच से दिए गए इस बयान के दौरान उन्होंने पारंपरिक हथियार 'कुखरी' भी लहराई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में इसकी चर्चा हो रही है।जानकारी के अनुसार, धार्मिक आयोजन में विधायक हीरा सोलंकी भी मौजूद थे। उनकी और कार्यक्रम में उपस्थित बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी के बीच पाबुभा मानेक ने मंच से अपनी बात रखी। उन्होंने कोली समुदाय के प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठाते हुए कहा कि अब गुजरात का मुख्यमंत्री इसी समुदाय से होना चाहिए। इसी दौरान उन्होंने कुखरी लहराकर अपनी बात रखी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। एक धार्मिक और सामाजिक आयोजन के मंच से मुख्यमंत्री पद को लेकर इस तरह की सार्वजनिक मांग सामने आने के बाद राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। खास बात यह है कि बयान देने वाले पाबुभा मानेक सत्ताधारी भाजपा के विधायक हैं। ऐसे में उनके बयान को राज्य की राजनीति में समुदाय आधारित प्रतिनिधित्व की मांग से जोड़कर देखा जा रहा है।

आदिवासी आरक्षित सीटों पर फर्जी प्रमाणपत्रों से कब्जे का आरोप, विधायक जेठाभाई अहीर के बयान से गुजरात की राजनीति में हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो



पंचमहल। आदिवासी समुदाय के महान जननायक भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर पंचमहल के विधायक जेठाभाई अहीर ने आदिवासी आरक्षित सीटों पर कथित रूप से फर्जी प्रमाणपत्रों के जरिए कब्जा करने का मुद्दा उठाया। सार्वजनिक मंच से दिए गए उनके बयान के बाद गुजरात की राजनीति में यह मामला चर्चा का विषय बन गया है। विधायक ने कहा कि असली आदिवासी समुदाय के लोगों को उनके अधिकारों और अवसरों से वंचित करना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।15 नवंबर को बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए जेठाभाई अहीर ने उन लोगों पर निशाना साधा, जो कथित तौर पर फर्जी आदिवासी प्रमाणपत्रों का इस्तेमाल कर आरक्षित सीटों से चुनाव लड़ते हैं या अन्य सरकारी लाभ हासिल करते हैं। उन्होंने इस तरह की गतिविधियों को आदिवासी समाज के साथ अन्याय बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की। विधायक के बयान के पीछे मुख्य चिंता यह है कि आदिवासी समुदाय के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक उत्थान के लिए बनाई गई आरक्षण व्यवस्था का लाभ वास्तविक पात्र लोगों तक पहुंचना चाहिए। यदि कोई गैर-आदिवासी व्यक्ति फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर आरक्षित सीट से चुनाव लड़ता है या सरकारी योजनाओं और नौकरियों का लाभ उठाता है, तो इससे उन लोगों के अधिकार प्रभावित होते हैं, जिनके लिए ये सुविधाएं निर्धारित की गई हैं।इस मुद्दे ने आरक्षण व्यवस्था में प्रमाणपत्रों की जांच और उनकी वैधता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी सवाल खड़े किए हैं। विधायक के बयान के बाद मांग उठ रही है कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किसी व्यक्ति ने फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर चुनाव लड़ा है

स्वच्छता पुरस्कार पाने वाले वडोदरा की जमीनी हकीकत पर सवाल, क्या सर्वेक्षण में दिखाया गया शहर वास्तविक वडोदरा से अलग था?

महानगर मेट्रो ब्यूरो



गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर एक बार फिर विरोध-प्रदर्शन का केंद्र बन गई है। अपनी लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर राज्यभर से बड़ी संख्या में शिक्षक राजधानी पहुंचे और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। शिक्षकों के इस विरोध के चलते गांधीनगर में राजनीतिक और प्रशासनिक माहौल गरमा गया है।

जानकारी के अनुसार, शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) और सरकार के विभिन्न नीतिगत फैसलों को लेकर शिक्षकों में लंबे समय से असंतोष है। सुप्रीम कोर्ट और सरकार के कुछ फैसलों के विरोध में भी शिक्षक एकजुट होकर गांधीनगर पहुंचे। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली, स्थायी भर्ती व्यवस्था लागू करना, अतिरिक्त प्रभार से जुड़े मुद्दों का समाधान और अन्य प्रशासनिक विसंगतियों को दूर करना शामिल है। शिक्षकों का कहना है कि वे अपनी मांगों को लेकर पहले भी कई बार सरकार और संबंधित विभागों के सामने अपनी बात रख चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। लगातार अनदेखी से नाराज शिक्षकों ने सड़कों पर उतरकर विरोध जताया और अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने चेतावनी दी है कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक और लिखित निर्णय नहीं लेती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा और जरूरत पड़ने पर इसे और तेज किया जाएगा।

प्रदर्शन को देखते हुए गांधीनगर में पुलिस और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई है तथा मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है। शिक्षक आंदोलन के चलते अब सरकार पर उनकी मांगों को लेकर निर्णय लेने का दबाव बढ़ गया है। आने वाले दिनों में आंदोलन की दिशा क्या होगी और सरकार शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए क्या कदम उठाएगी, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

अडानी ग्रीन की महाराष्ट्र परियोजना की जांच के आदेश, पर्यावरण मंजूरी में गलत जानकारी देने के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो



वडोदरा। स्वच्छता के क्षेत्र में सम्मान मिलने के बाद वडोदरा नगर निगम के दावों और शहर की वास्तविक स्थिति को लेकर सवाल उठने लगे हैं। नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा वडोदरा को सम्मानित किया गया। शहर को राज्य का सबसे स्वच्छ शहर बताया गया, लेकिन पुरस्कार मिलने के कुछ ही दिनों बाद शहर के अलग-अलग हिस्सों में गंदगी, कचरे के ढेर और उफनते नालों की शिकायतों ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय की ओर से 11 नवंबर 2026 को घोषित परिणामों के अनुसार, 12,500 अंकों के कुल मानदंडों के आधार पर वडोदरा ने राज्य में पहला स्थान हासिल किया। दिल्ली में आयोजित समारोह में राज्य के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई, वडोदरा की महापौर और नगर आयुक्त अरुण महेश बाबू ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। नगर निगम प्रशासन ने इस उपलब्धि का श्रेय कचरे के पृथक्करण, आधुनिक निस्तारण व्यवस्था और व्यापक स्वच्छता अभियानों को दिया।हालांकि, पुरस्कार की घोषणा के बाद शहर के विभिन्न इलाकों से सामने आ रही गंदगी की शिकायतों ने इन दावों पर बहस छेड़ दी है। स्थानीय नागरिकों और जागरूक लोगों का कहना है कि शहर की मुख्य सड़कों और प्रमुख क्षेत्रों में सफाई दिखाई देती है, लेकिन अंदरूनी इलाकों, अलग-अलग वार्डों और गरीब तथा मध्यमवर्गीय बस्तियों में अब भी कचरे के ढेर और गंदगी की समस्या बनी हुई है। नागरिकों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या सर्वेक्षण के दौरान केवल चुनिंदा इलाकों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया था।इस मुद्दे ने राजनीतिक विवाद का रूप भी ले लिया है। विपक्षी नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने वडोदरा नगर निगम के नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि पुरस्कार कागजी आंकड़ों और दिखावटी व्यवस्थाओं के आधार पर हासिल किया गया। उनका कहना है कि एक ओर नगर निगम सफाई के नाम पर जुर्माना लगाने और दुकानों को सील करने जैसी सख्त कार्रवाई कर रहा है, वहीं दूसरी ओर घर-घर कचरा संग्रहण और नियमित सफाई व्यवस्था को लेकर नागरिकों की शिकायतें सामने आ रही हैं।

शहर के नागरिकों का सवाल है कि यदि वडोदरा वास्तव में राज्य का सबसे स्वच्छ शहर बन चुका है, तो रिहायशी इलाकों में कचरे के ढेर और नालियों की गंदगी क्यों दिखाई दे रही है?

गुजराती नववर्ष पर पवन मक्कन और सरबजीत मक्कन ने परिवार सहित सांवरिया सेठ और खाटू श्यामजी के दरबार में किए दर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद/राजस्थान। गुजराती नववर्ष और विक्रम संवत 2083 के शुभारंभ के अवसर पर ग्रुप एडिटर पवन मक्कन और एडिटर सरबजीत मक्कन ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ राजस्थान स्थित श्री सांवरिया सेठ (मंडफिया) और बाबा खाटू श्यामजी के धाम पहुंचकर दर्शन किए तथा ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस धार्मिक यात्रा के दौरान मक्कन परिवार ने सबसे पहले बाबा खाटू श्यामजी के दरबार में पहुंचकर श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में 'हारे का सहारा, बाबा खाटू श्याम हमारा' के जयघोष के बीच उन्होंने बाबा के दर्शन किए और परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की। बाबा के दिव्य स्वरूप और भव्य श्रृंगार के दर्शन कर परिवार ने आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। इसके बाद ग्रुप एडिटर पवन मक्कन और एडिटर सरबजीत मक्कन अपने परिवार के साथ मंडफिया स्थित श्री सांवरिया सेठ के दरबार पहुंचे। यहां उन्होंने परंपरानुसार पूजा-अर्चना कर नए वर्ष की शुरुआत प्रभु के चरणों में की।

बिलकिस बानो मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश, दो दोषियों की उम्रकैद की सजा निलंबित; सशर्त जमानत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। वर्ष 2002 के बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दो दोषियों को बड़ी कानूनी राहत दी है। शीर्ष अदालत ने बिपिनचंद्र कानैयालाल जोशी और प्रदीप रमणलाल मोढिया की उम्रकैद की सजा निलंबित करते हुए उन्हें जमानत देने का आदेश दिया है। दोनों दोषियों को जमानत की शर्तें संबंधित ट्रायल कोर्ट द्वारा तय किए जाने के बाद रिहा किया जाएगा।न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने दोनों दोषियों की ओर से दायर अपीलों पर सुनवाई करते हुए 28 अक्टूबर को यह आदेश दिया। आदेश 16 नवंबर को सार्वजनिक हुआ। दोनों दोषियों की ओर से दलील दी गई थी कि वे 17 साल से अधिक समय जेल में बिता चुके हैं और उनकी अपीलों पर अंतिम निर्णय आने में समय लग सकता है।सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों दोषियों के 17 साल से अधिक समय तक जेल में रहने और उनमें से एक की गंभीर शारीरिक दिव्यांगता को ध्यान में रखा। पीठ ने कहा कि अपीलों में तथ्य और कानून से जुड़े कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर विचार किया जाना बाकी है। इसी आधार पर अदालत ने उनकी सजा निलंबित करने और ट्रायल कोर्ट द्वारा तय की जाने वाली शर्तों के अधीन जमानत देने का आदेश दिया। अभियोजन पक्ष की ओर से इस राहत का विरोध किया गया था।गौरतलब है कि अगस्त 2022 में गुजरात सरकार ने अपनी छूट नीति के तहत इस मामले के सभी 11 दोषियों को रिहा कर दिया था। इस फैसले को बिलकिस बानो ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। 8 जनवरी 2024 को शीर्ष अदालत ने गुजरात सरकार के रिहाई संबंधी आदेश को रद्द कर दिया था और सभी 11 दोषियों को जेल में वापस आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था। इसके बाद दोषियों को दोबारा जेल भेजा गया था।अब सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश से उन 11 दोषियों में से दो को उनकी लंबित अपीलों के दौरान राहत मिली है। यह आदेश उनकी दोषसिद्धि को रद्द नहीं करता है, बल्कि अपीलों पर अंतिम निर्णय होने तक उनकी उम्रकैद की सजा को निलंबित करता है। मामले में दोनों की अपीलों पर आगे सुनवाई होनी बाकी है।इस घटनाक्रम के बाद बिलकिस बानो मामले ने एक बार फिर कानूनी और सामाजिक स्तर पर चर्चा शुरू कर दी है। अब सभी की नजरें सुप्रीम कोर्ट में लंबित अपीलों की सुनवाई और इस मामले में आगे होने वाली न्यायिक कार्यवाही पर टिकी हैं।

कन्हा गांव में 27 लाख रुपये की सड़क परियोजना पर विवाद, शिलान्यास स्थल छोड़ दूसरी जगह शुरू हुआ निर्माण कार्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आणंद/बोरसद । बोरसद तालुका के कन्हा गांव में 27 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत सड़क निर्माण परियोजना को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि जिस स्थान पर आधिकारिक रूप से शिलान्यास किया गया था, वहां निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ, जबकि दूसरी जगह जेसीबी मशीनों से खुदाई शुरू कर दी गई। इस मामले ने सरकारी विभागों के बीच समन्वय और परियोजना के क्रियान्वयन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले में उस समय विवाद और बढ़ गया, जब एक किसान ने सिंचाई विभाग से निर्माण स्थल के संबंध में लिखित जानकारी मांगी। किसान को दिए गए जवाब में सिंचाई विभाग ने स्पष्ट किया कि जिस स्थान पर फिलहाल सड़क निर्माण का काम चल रहा है, वहां निर्माण के लिए विभाग की ओर से कोई अनुमति नहीं दी गई है। इस जवाब के बाद सड़क एवं भवन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

ग्रामीणों और किसानों का सवाल है कि जब परियोजना का शिलान्यास एक स्थान पर किया गया था, तो निर्माण कार्य दूसरी जगह किसके आदेश पर शुरू किया गया? यदि स्वीकृत परियोजना के स्थान में बदलाव किया गया है, तो इसके लिए आवश्यक प्रशासनिक और तकनीकी मंजूरी कब और किस स्तर पर ली गई?

वैश्विक बाजार, आपूर्ति व्यवस्था और ईंधन की लागत में बदलाव को कीमतों में वृद्धि की प्रमुख वजहों में गिना जा रहा है।

दूध, रसोई गैस और रोजमर्रा की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से बिगड़ा घरेलू बजट, आम परिवारों पर महंगाई का दबाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। रोजमर्रा की जरूरतों की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी के घरेलू बजट पर दबाव बढ़ा दिया है। सुबह की चाय के लिए दूध से लेकर रसोई में इस्तेमाल होने वाली गैस, खाद्य सामग्री और आने-जाने के खर्च तक, परिवारों को कई मोर्चों पर अधिक खर्च करना पड़ रहा है। इसका असर विशेष रूप से मध्यमवर्गीय और कम आय वाले परिवारों की आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा है। दूध और डेयरी उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी से घरेलू खर्च प्रभावित हो रहा है। अमूल सहित विभिन्न ब्रांडों के दूध के दाम बढ़ने से चाय, नाश्ते और बच्चों की पोषण संबंधी जरूरतों पर होने वाला खर्च भी बढ़ जाता है। दूध रोजाना इस्तेमाल होने वाली आवश्यक वस्तु है, इसलिए इसकी कीमतों में बदलाव का असर सीधे परिवारों के मासिक बजट पर पड़ता है। रसोई गैस और ईंधन की कीमतें भी घरेलू खर्च को प्रभावित करती हैं। एलपीजी सिलेंडर के साथ पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों में बदलाव का असर खाना पकाने और परिवहन के खर्च पर पड़ता है। इसके अलावा दाल, खाद्य तेल, आटा, मसाले और सब्जियों जैसी जरूरी वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से रसोई का खर्च संभालना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। वस्तुओं की कीमतों पर कर, जीएसटी और राजमार्गों पर लगने वाला टोल शुल्क भी लागत को प्रभावित कर सकता है। सामान की ढुलाई और वितरण पर होने वाला खर्च बढ़ने से उसका असर अंतिम कीमत पर पड़ता है। इस तरह उत्पादन से लेकर उपभोक्ता तक सामान पहुंचने की पूरी प्रक्रिया में आने वाली लागत का प्रभाव बाजार भाव पर दिखाई दे सकता है। महंगाई बढ़ने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल और ऊर्जा संसाधनों की कीमतों में उतार-चढ़ाव, परिवहन और भंडारण की लागत, उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि तथा कृषि उत्पादन और आपूर्ति व्यवस्था में आने वाली बाधाएं वस्तुओं के दाम प्रभावित कर सकती हैं। मौसम में बदलाव और आपूर्ति में कमी का असर भी खाद्य पदार्थों की उपलब्धता और कीमतों पर पड़ता है। बढ़ते खर्च के बीच परिवारों के सामने सीमित आमदनी में घर चलाने की चुनौती बनी हुई है। आवश्यक वस्तुओं पर अधिक खर्च होने से बचत के लिए उपलब्ध राशि कम हो जाती है। आमदनी और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखना मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए मुश्किल होता जा रहा है। दूध, रसोई गैस, खाद्य सामग्री और ईंधन जैसी जरूरी वस्तुओं की कीमतों में बदलाव का सीधा असर हर महीने के घरेलू बजट पर पड़ता है।

गैस चालू करते ही भभकी आग, युवक जिंदा जलाःलीकेज के कारण लपटों से घिर गया था,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोटा। कोटा में शनिवार (14 नवंबर) को दूध डेयरी में आग लगने से युवक जिंदा जल गया था। हादसे का वीडियो सामने आया है। जिसमें आग लगने का कारण सिलेंडर से गैस लीकेज सामने आया है।वीडियो में दिखाई दे रहा है कि युवक के गैस चूल्हा (स्टोव) जलाते ही अचानक आग भभकी और वह लपटों में घिर गया। युवक खुद को बचाने के लिए पीछे हटा, लेकिन बाहर नहीं निकल पाया। गैस ऑन करने के बाद उसका हाथ पाइप से छू गया था। पाइप पहले से लूज था, जो खुल गया। गैस निकलने से आग और ज्यादा फैलती चली गई। हादसा भीमगंज मंडी थाना क्षेत्र स्थित राम मंदिर गली में मधुर दूध डेयरी में हुआ था। आग में डेयरी में काम करने वाले लेखराज, पुत्र रामविलास भदाना की मौत हो गई थी।

सिरोही में बुखार के बाद दो बच्चों की मौत से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सिरोही। जिले के पिण्डवाड़ा ब्लॉक में बुखार के बाद दो बच्चों की मौत से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भूला के अंतर्गत उपकेंद्र काला महादेव खेड़ा की छीतरिया फली में एक 12 वर्षीय बालक और साढ़े चार वर्षीय बालिका की मौत हुई है। दोनों बच्चों को मौत से पहले बुखार की शिकायत थी। एक बच्चे को बुखार के साथ खांसी और पेट दर्द भी था, जबकि दूसरे को हल्का बुखार आया था। फिलहाल दोनों की मौत के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची और घर-घर सर्वे कर मरीजों की जांच तथा उपचार की व्यवस्था शुरू की। परिजनों ने चिकित्सा टीम को बताया कि छीतरिया फली निवासी 12 वर्षीय मनीष को 8 नवंबर को हल्का बुखार, खांसी और पेट दर्द की शिकायत हुई थी। परिजन उसे उपचार के लिए स्वरूपगंज, देलदर और आबूरोड के निजी अस्पतालों में लेकर गए। इसके बावजूद उसकी तबीयत में सुधार नहीं हुआ। 14 नवंबर को घर लौटते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।इसी तरह साढ़े चार वर्षीय जमना कुमारी को 10 नवंबर को हल्का बुखार आया था। परिजनों ने रोहिड़ा के एक निजी क्लिनिक में उसका उपचार करवाया। इसके बाद दो दिन तक झाड़-फूंक में भी समय बीत गया। 14 नवंबर की रात करीब 12 बजे बच्ची ने दम तोड़ दिया।

पति-पत्नी की छोटी-मोटी नोक-झोंक क्रूरता नहीं, एफआईआर को प्रताड़ना का जरिया नहीं बनने दे सकतेः हाईकोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवादों में पति-पत्नी के बीच होने वाली छोटी-मोटी नोक-झोंक और आपसी कहासुनी को कानूनी रूप से क्रूरता मानने से इनकार किया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि दाम्पत्य जीवन में होने वाले सामान्य झगड़े, चिड़चिड़ापन और ऐसा व्यवहार, जिससे पति या पत्नी नाराज हो जाएं, हर स्थिति में कानूनी क्रूरता की श्रेणी में नहीं आते। साथ ही अदालत ने कहा कि प्राथमिकी (एफआईआर) को किसी व्यक्ति को प्रताड़ित करने का माध्यम नहीं बनने दिया जा सकता।न्यायमूर्ति अशोक कुमार जैन की अदालत ने पति के खिलाफ दर्ज 11 साल पुराने दहेज प्रताड़ना के मामले को रद्द करते हुए यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की। अदालत ने वैवाहिक विवादों में दर्ज होने वाले मामलों की गंभीरता से जांच करने की आवश्यकता जताई, ताकि कानून का इस्तेमाल किसी को दबाव में लेने या परेशान करने के लिए नहीं हो।हाईकोर्ट ने कहा कि वैवाहिक विवादों में कई बार पति और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ सामान्य और व्यापक आरोप लगाकर दबाव बनाने की कोशिश की जाती है। ऐसे मामलों में अदालतों को आरोपों की प्रकृति और गंभीरता की सावधानीपूर्वक जांच करनी चाहिए। केवल सामान्य आरोपों के आधार पर किसी व्यक्ति को आपराधिक मुकदमे में उलझाना उचित नहीं है।अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि वैवाहिक जीवन में आपसी मतभेद और छोटी-मोटी कहासुनी होना असामान्य नहीं है। प्रत्येक विवाद या नाराजगी को क्रूरता मानकर आपराधिक कानून के तहत कार्रवाई नहीं की जा सकती। इसके लिए आरोपों में गंभीरता और कानूनी आधार होना आवश्यक है।अदालत ने टिप्पणी की कि यदि ऐसे मामलों को शुरुआती स्तर पर नहीं रोका गया तो आरोपी को लंबे समय तक आपराधिक मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है। भले ही मुकदमे के अंत में आरोपी बरी हो जाए,

पति-पत्नी के मोबाइल हैक कर बैंक खातों से उड़ाए 2.95 लाख रुपए

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जयपुर। राजधानी जयपुर में साइबर ठगी का मामला सामने आया है, जहां बदमाशों ने एक व्यक्ति का मोबाइल फोन हैक कर उसके और उसकी पत्नी के बैंक खातों से लाखों रुपए निकाल लिए। इतना ही नहीं, आरोपियों ने तीन अलग-अलग बैंकों के क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर भी ऑनलाइन लेनदेन किया। बैंक खातों और क्रेडिट कार्ड के जरिए कुल 2 लाख 95 हजार रुपए की ठगी की गई। पीड़ित की शिकायत पर जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार प्रताप चंद बिस्वास (45), निवासी सैनी कॉलोनी, सब्जी मंडी, जयसिंहपुरा खोर ने शिकायत में बताया कि 14 नवंबर को उनका मोबाइल फोन हैक कर लिया गया। इसके बाद फोन-पे से जुड़े उनके और उनकी पत्नी के बैंक खातों से रकम निकाल ली गई। पीड़ित के आईसीआईसीआई बैंक खाते से 15 हजार रुपए और बैंक ऑफ बड़ौदा के खाते से 95 हजार रुपए निकाल लिए गए। इस तरह दोनों बैंक खातों से कुल 1 लाख 10 हजार रुपए की निकासी की गई। बदमाशों ने बैंक खातों के साथ-साथ तीन अलग-अलग बैंकों के क्रेडिट कार्ड को भी निशाना बनाया। आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 65 हजार रुपए, एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड से 10 हजार रुपए और बैंक ऑफ बड़ौदा के क्रेडिट कार्ड से 10 हजार रुपए का ऑनलाइन लेनदेन किया गया। आईसीआईसीआई क्रेडिट कार्ड से 10-10 हजार रुपए के 16 अलग-अलग लेनदेन किए गए, जबकि एक बार 5 हजार रुपए निकाले गए। इस तरह तीनों क्रेडिट कार्ड से कुल 1 लाख 85 हजार रुपए की ठगी हुई। बैंक खातों से निकाली गई रकम को मिलाकर साइबर ठगी का कुल आंकड़ा 2 लाख 95 हजार रुपए पहुंच गया। जयसिंहपुरा खोर थानाधिकारी रघुवीर सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ऑनलाइन लेनदेन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। आरोपियों की पहचान करने के प्रयास किए

पुष्कर मेले में 21 करोड़ का घोड़ा 'गोल्डन किंग' बना आकर्षण, 800 किलो का भैंसा 'छोटा सुल्तान' भी छाया

100 बाउंसरों के सुरक्षा घेरे में 'बादल' की शाही एंट्री

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुष्कर। पुष्कर के रेतीले धोरों में इन दिनों पशुओं की अनोखी दुनिया सजी हुई है। यहां ऊंटों और घोड़ों की टाप के बीच देशभर से पहुंचे बेशकीमती और दुर्लभ नस्ल के पशु मेले की रौनक बढ़ा रहे हैं। किसी की कीमत करोड़ों में है तो कोई अपने भारी-भरकम शरीर और शाही ठाठ के कारण चर्चा में है। 21 करोड़ रुपए कीमत का मारवाड़ी घोड़ा 'गोल्डन किंग' मेले का बड़ा आकर्षण बना हुआ है। वहीं 800 किलो वजन का मुर्रा भैंसा 'छोटा सुल्तान' भी लोगों को अपनी ओर खींच रहा है। दूसरी ओर 100 बाउंसरों के सुरक्षा घेरे में 'बादल' की शाही एंट्री और उसके स्वागत में नोटों की गड्डियां लुटाने का नजारा भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।इस बार मेले में दुनिया की सबसे छोटी नस्ल की गायों से लेकर यूरोप की शेटलैंड पोनी तक देखने को मिल रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पसंदीदा मानी जाने वाली पुंगनूर गाय भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। पशुपालकों के लिए यह मेला अपनी पशु संपदा और नस्लों की विशेषताएं प्रदर्शित करने का बड़ा मंच बन गया है। गुजरात के सूरत से लाया गया पांच वर्षीय मारवाड़ी





नस्ल का घोड़ा 'गोल्डन किंग' अपनी खास पहचान और कीमत के कारण सुर्खियों में है। इसके मालिक के मुताबिक घोड़े की कीमत करीब 21 करोड़ रुपए है। क्रिमिनो रंग के इस घोड़े की ऊंचाई 65 इंच बताई गई है। मालिक का दावा है कि देश में इस रंग का मारवाड़ी नस्ल का यह इकलौता घोड़ा है। अब तक गोल्डन किंग से छह बच्चे हो चुके हैं। इसकी ब्रीडिंग के लिए करीब डेढ़ लाख रुपए शुल्क लिया जाता है। खास बात यह है कि मालिक इसे बेचने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि केवल पुष्कर मेले में प्रदर्शित करने के लिए लेकर आए हैं। ग्वालियर से पहुंचा मुर्रा नस्ल का भैंसा 'छोटा सुल्तान' भी अपनी विशाल कद-काठी के कारण लोगों के बीच आकर्षण बना हुआ है। यह मशहूर भैंसे सुल्तान का बेटा है। इसका वजन करीब 800 किलो, लंबाई 9 फीट और ऊंचाई 5 फीट 7 इंच बताई गई है। इसकी कीमत करीब 25 लाख रुपए आंकी गई है।मेले में एक ओर करोड़ों की कीमत वाले घोड़े और लाखों के भैंसे अपनी नस्ल और शारीरिक बनावट से लोगों को हैरान कर रहे हैं, वहीं दुर्लभ गायों और विदेशी नस्ल के छोटे घोड़ों की मौजूदगी ने पुष्कर मेले को पशुप्रेमियों के लिए खास आकर्षण बना दिया है।

जयपुर में युवक को थप्पड़ मारकर आईफोन लूटा, बाइक सवार दो बदमाश फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। जयपुर में बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े एक युवक के साथ मारपीट कर उसका आईफोन लूट लिया। बदमाश पीछे से बाइक पर आए और युवक को थप्पड़ मारकर उसके हाथ से मोबाइल छीनकर फरार हो गए। वारदात के बाद पीड़ित ने बदमाशों का पीछा करते हुए शोर मचाया, लेकिन आरोपी तेज रफ्तार से बाइक दौड़ाते हुए गलियों में गायब हो गए। शिप्रापथ थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर रविवार को मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। सहायक उपनिरीक्षक भागीरथ मल के अनुसार मानसरोवर निवासी 30 वर्षीय युवक के साथ यह वारदात शनिवार सुबह करीब 7:56 बजे शिप्रापथ पर एमआरएफ टायर शोरूम के पास हुई। युवक वहां से गुजर रहा था, तभी बाइक पर सवार होकर आए दो बदमाशों ने उसे रोक लिया। इसके बाद दोनों



ने उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान एक बदमाश ने युवक को थप्पड़ मारा और उसके हाथ से आईफोन छीन लिया।मोबाइल लूटने के बाद दोनों आरोपी बाइक पर बैठकर तेजी से भाग निकले। पीड़ित ने शोर मचाते हुए उनका पीछा करने की कोशिश की, लेकिन बदमाश संकरी गलियों में बाइक दौड़ाकर आंखों से ओझल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर शिप्रापथ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदातस्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली जा रही है, ताकि बदमाशों की पहचान और उनके भागने के रास्ते का पता लगाया जा सके। पुलिस आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश भी दे रही है।

न्यू सांगानेर रोड से दो सप्ताह में हटाने होंगे अतिक्रमण, हाईकोर्ट की जेडीए को सख्त चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजधानी जयपुर की व्यस्ततम सड़कों में शामिल न्यू सांगानेर रोड पर अतिक्रमण के खिलाफ राजस्थान हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। सोडाला से गुर्जर की थड़ी तक सड़क किनारे फैले अतिक्रमणों को हटाने के लिए अदालत ने जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) को दो सप्ताह की समय सीमा दी है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निर्धारित अवधि में पूरे मार्ग से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और इसकी पालना रिपोर्ट शपथ पत्र के साथ अदालत में पेश की जाए।अदालत ने चेतावनी दी है कि यदि दो सप्ताह के भीतर पालना रिपोर्ट दाखिल नहीं की गई तो संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होना पड़ेगा। ऐसे में दीपावली के दौरान रुकी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई दोबारा बड़े स्तर पर शुरू होने की संभावना है। इस आदेश के बाद न्यू सांगानेर रोड पर अतिक्रमण करने वालों में भी हलचल बढ़ने के आसार हैं।न्यायमूर्ति इंद्रजीत सिंह और न्यायमूर्ति संगीता शर्मा की



खंडपीठ ने सुरेश चंद रावत व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने जेडीए और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को सोडाला से गुर्जर की थड़ी तक पूरे मार्ग पर अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी सौंपी है। खंडपीठ ने साफ किया कि केवल कार्रवाई का आश्वासन पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि निर्धारित समय में अतिक्रमण हटाकर उसकी वास्तविक स्थिति से अदालत को अवगत कराना होगा।

लोकतंत्र के उत्सव में दिखा उत्साह, व्हीलचेयर और लाठी के सहारे मतदान केंद्र पहुंचे बुजुर्ग

युवतियों ने पहली बार किया मतदान, कॉमेडियन फूफाजी भी पहुंचे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। जिले में पंचायतीराज आम चुनाव के चौथे चरण के तहत सोमवार को सरपंच पद के लिए मतदान जारी है। सुबह से ही ग्रामीण क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की कतारें लगनी शुरू हो गईं। लोकतंत्र के इस उत्सव में युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक में मतदान को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। कई बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता चलने-फिरने में असमर्थ होने के बावजूद व्हीलचेयर और लाठी के सहारे मतदान केंद्र पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिले की चार पंचायत समितियों की 129 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए चुनाव हो रहे हैं। इन पंचायतों में कुल 926 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इनके भाग्य का फैसला 3 लाख 77 हजार 755 मतदाता करेंगे। मतदान शुरू होते ही ग्रामीणों का बूथों पर पहुंचना शुरू हो गया। प्रत्याशी और उनके समर्थक भी मतदाताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में मतदान की अपील करते नजर आए। हालांकि, वे मतदान केंद्रों से निर्धारित दूरी पर ही खड़े रहे। बरोनी मतदान केंद्र पर मतदान के दौरान बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं का उत्साह देखने को मिला। चलने-फिरने में असमर्थ कुछ मतदाता व्हीलचेयर के सहारे तो कुछ हाथों में लाठी लेकर मतदान केंद्र पहुंचे। मतदान केंद्र पर मौजूद कर्मचारियों ने भी उन्हें मतदान करने में सहयोग किया। उम्र और शारीरिक असमर्थता के बावजूद मतदान के प्रति उनका उत्साह अन्य मतदाताओं के लिए भी प्रेरणादायक नजर आया।मेंहदवास में छात्रा खुशबू यादव और पायल यादव पहली बार मतदान करने मतदान केंद्र पहुंचीं। पहली बार





अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने को लेकर दोनों में उत्साह दिखाई दिया। वहीं मतदान केंद्र पर पहुंचने वाले लोगों ने इस अवसर को यादगार बनाने के लिए तस्वीरें भी खिंचवाईं। मतदान के दौरान बारां जिले के चर्चित कॉमेडियन गोपाल सिंह सोलंकी उर्फ फूफाजी भी मेंहदवास पहुंचे। उनके पहुंचने पर स्थानीय लोगों में उत्सुकता दिखाई दी। लोगों ने उनके साथ तस्वीरें खिंचवाई और सेल्फी लेकर इस पल को यादगार बनाया।लांबा पंचायत में मतदान केंद्र से निर्धारित 200 मीटर की परिधि में एक अज्ञात व्यक्ति बाइक खड़ी कर चला गया। पुलिसकर्मी ने आवाज देकर बाइक हटाने के लिए कहा, लेकिन कोई सामने नहीं आया। इसके बाद पुलिसकर्मी ने बाइक के अगले टायर की हवा निकाल दी। घटना को लेकर मौके पर मौजूद लोगों के बीच चर्चा रही। टोडारायसिंह पंचायत समिति की काकलवाड़ ग्राम पंचायत में रामचंद्र गुर्जर निर्विरोध सरपंच चुने गए हैं। वहीं जिले की अन्य ग्राम पंचायतों में मतदान के जरिए सरपंच पद के प्रत्याशियों का फैसला किया जा रहा है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्रशासन और पुलिस की ओर से मतदान केंद्रों पर व्यवस्थाएं संभाली जा रही हैं।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर आबूरोड में छठ महापर्व का समापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो



आबूरोड। शहर में सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का विधिवत समापन हो गया। सुबह होते ही श्रद्धालु पूजा सामग्री और प्रसाद लेकर छठ घाटों पर पहुंचने लगे। सूर्योदय से पहले ही घाटों पर व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं की भीड़ जुट गई। जैसे ही सूर्य की पहली किरण दिखाई दी, व्रतियों ने पानी में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और छठी मैया की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत पूरा हुआ। अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने पारणा कर व्रत का समापन किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और संतान की दीर्घायु की कामना की। घाटों पर छठी मैया के प्रति श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। पूजा के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया गया। छठ महापर्व की शुरुआत 13 नवंबर को नहाय-खाय की परंपरा के साथ हुई थी। इस दिन व्रतियों ने स्नान कर शुद्धता और सात्विकता के साथ भोजन ग्रहण किया तथा छठ व्रत का संकल्प लिया। 14 नवंबर को खरना की परंपरा निभाई गई। इस दिन व्रतियों ने पूरे दिन निर्जला उपवास रखा और शाम को भगवान सूर्य तथा छठी मैया की पूजा के बाद गुड़ की खीर, रोटी सहित अन्य प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद 36 घंटे के निर्जला व्रत की शुरुआत हुई। सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय महापर्व संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर परिवार और समाज की खुशहाली की कामना की।

बीसलपुर बांध में 122 करोड़ से बनेगा तीसरा इंटेक पम्प हाउस, रोजाना 1000 एमएलडी पानी होगा पम्प

जयपुर, अजमेर और टोंक सहित आसपास के क्षेत्रों की वर्ष 2051 तक की पेयजल जरूरतों को ध्यान में रखकर हो रहा निर्माण, समुद्र तटीय क्षेत्रों की तकनीक पर जलभराव के भीतर खंभे बनाकर तैयार किया जा रहा ढांचा

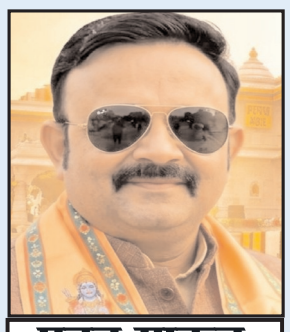
महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजमहल (टोंक)। जयपुर, अजमेर और टोंक सहित आसपास के क्षेत्रों में भविष्य में बढ़ने वाली पेयजल मांग को पूरा करने के लिए बीसलपुर बांध में तीसरे इंटेक पम्प हाउस का निर्माण करवाया जा रहा है। करीब 122 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे इस पम्प हाउस से आने वाले वर्षों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। इसकी खासियत यह है कि इसका निर्माण समुद्र के तटीय क्षेत्रों में बनने वाले इंटेक पम्प हाउस की तकनीक पर बांध के जलभराव क्षेत्र में पानी के भीतर खंभे तैयार कर किया जा रहा है।यह परियोजना वर्ष 2051 तक बढ़ने वाली पेयजल जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। इसके पूरा होने पर बीसलपुर बांध से जुड़े शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों को अतिरिक्त जलापूर्ति उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। साथ ही पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के तहत कोटा के नवनेरा से बीसलपुर बांध तक पानी लाने की योजना को भी गति मिलने की उम्मीद है।बीसलपुर बांध परियोजना के अधीक्षण अभियंता मनीष बंसल के अनुसार नए इंटेक पम्प हाउस की क्षमता प्रतिदिन 1000 एमएलडी पानी पम्प करने की होगी। यह बांध पर वर्तमान में संचालित दोनों पम्प हाउस की तुलना में अधिक क्षमता वाला होगा। फिलहाल जयपुर और अजमेर को पेयजल आपूर्ति करने वाले पम्प हाउस की क्षमता 990 एमएलडी प्रतिदिन है। ऐसे में नया पम्प हाउस भविष्य की बढ़ती मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वर्तमान में बीसलपुर बांध से जयपुर, अजमेर और टोंक जिलों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इसमें प्रतिदिन जयपुर



को 575 एमएलडी, अजमेर को 330 एमएलडी और टोंक जिले को 68 एमएलडी पानी की आपूर्ति की जा रही है। लगातार बढ़ती आबादी और शहरी विस्तार के कारण आने वाले समय में पेयजल की मांग में और वृद्धि होने की संभावना है।तीसरे इंटेक पम्प हाउस के निर्माण से जल निकासी और आपूर्ति की क्षमता बढ़ेगी। इससे भविष्य में संभावित पेयजल संकट से निपटने में मदद मिलेगी और बीसलपुर बांध पर निर्भर शहरों की जलापूर्ति व्यवस्था को दीर्घकालीन आधार मिल सकेगा।

गुजरात में नशे के कारोबार पर सवालः बड़ी खेपों की जब्ती के बावजूद तस्करी और अवैध निर्माण पर प्रभावी रोक क्यों?



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

गुजरात को नशामुक्त बनाने के लिए सरकार और पुलिस प्रशासन की ओर से लगातार अभियान चलाए जाने के दावे किए जा रहे हैं। समय-समय पर मादक पदार्थों की बड़ी खेप पकड़े जाने और तस्करी से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी की खबरें भी सामने आती हैं। इसके बावजूद राज्य में नशे के कारोबार को लेकर उठ रहे सवाल पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। सवाल यह है कि यदि लगातार कार्रवाई हो रही है, तो फिर नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध निर्माण और युवाओं तक इनकी पहुंच पर प्रभावी रोक लगाने में चुनौतियां क्यों बनी हुई हैं?

गुजरात की लगभग 1,600 किलोमीटर लंबी समुद्री तटरेखा राज्य की सुरक्षा और निगरानी के लिहाज से महत्वपूर्ण है। समुद्री सीमा से जुड़े क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखना प्रशासन की बड़ी जिम्मेदारी है। नशीले पदार्थों की तस्करी को लेकर समय-समय पर समुद्री रास्तों और अन्य संभावित माध्यमों पर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे मामलों में केवल खेप जब्त कर लेना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। यह पता लगाना भी जरूरी है कि प्रतिबंधित पदार्थ कहां से आए, उनकी आपूर्ति किस नेटवर्क के माध्यम से हुई और इस कारोबार से जुड़े लोगों तक पहुंचने के लिए जांच कितनी आगे बढ़ी।

राज्य के अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट और गांधीनगर जैसे शहरों में नशीले पदार्थों की अवैध गतिविधियों को लेकर भी चिंता जताई जाती रही है। कुछ मामलों में कथित तौर पर अवैध रूप से नशीले पदार्थ तैयार करने वाली इकाइयों के सामने आने की बातें कही गई हैं। हालांकि, हर मामले की अलग-अलग जांच और आधिकारिक पुष्टि जरूरी है। किसी एक स्थान पर कार्रवाई के आधार पर पूरे शहर या किसी विशेष क्षेत्र में संगठित नेटवर्क सक्रिय होने का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। इसके बावजूद ऐसे मामलों में यह सवाल महत्वपूर्ण है कि अवैध निर्माण से जुड़े पूरे नेटवर्क, आर्थिक लेन-देन और आपूर्ति श्रृंखला की जांच किस स्तर तक पहुंचती है।

नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई का मूल्यांकन केवल गिरफ्तारियों या जब्त की गई सामग्री की मात्रा से नहीं होना चाहिए। यह भी देखना आवश्यक है कि कार्रवाई के बाद संबंधित नेटवर्क की गतिविधियों पर कितना असर पड़ा और क्या उसके पीछे काम कर रहे मुख्य लोगों तक जांच एजेंसियां पहुंच पाई। यदि किसी मामले में केवल कुछ लोगों को गिरफ्तार किया जाता है, लेकिन उससे जुड़े अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं की जांच अधूरी रह जाती है, तो समस्या के स्थायी समाधान पर सवाल उठना स्वाभाविक है। इसलिए जांच का दायरा तस्करी से लेकर वित्तीय लेन-देन, आपूर्ति और कथित संरक्षण देने वाले लोगों की भूमिका तक पहुंचना चाहिए। किसी भी व्यक्ति या संस्था पर आरोप लगाने से पहले ठोस साक्ष्य और निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

इस मुद्दे का एक गंभीर पहलू युवाओं पर पड़ने वाला प्रभाव भी है। नशीले पदार्थों की उपलब्धता केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक चिंता का विषय भी है। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता अभियान, विद्यालयों और महाविद्यालयों में संवाद, परिवारों की भागीदारी तथा समय पर परामर्श की व्यवस्था महत्वपूर्ण है। केवल पुलिस कार्रवाई के सहारे नशे की समस्या का पूरी तरह समाधान संभव नहीं है। इसके लिए शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक संस्थाओं और स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय की भी जरूरत है।

नशे की लत से प्रभावित लोगों को अपराधी मानकर छोड़ देने के बजाय उनके उपचार, परामर्श और पुनर्वास पर भी ध्यान देना आवश्यक है। दूसरी ओर, नशे का अवैध कारोबार चलाने और इससे आर्थिक लाभ कमाने वाले लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। इन दोनों पहलुओं के बीच अंतर करना जरूरी है, ताकि नशे से प्रभावित लोगों को सहायता मिल सके और संगठित अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो।

गुजरात में शराबबंदी और नशामुक्ति को लेकर राजनीतिक स्तर पर भी लगातार दावे और बयान सामने आते रहे हैं। सरकार की जिम्मेदारी केवल अभियान की घोषणा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे कार्रवाई के परिणाम भी सार्वजनिक करने चाहिए। कितने मामलों में मुख्य आरोपियों तक पहुंच बनाई गई, कितने नेटवर्क की जांच पूरी हुई, कितने मामलों में वित्तीय स्रोतों की पड़ताल की गई और नशे की रोकथाम के लिए युवाओं के बीच कौन-से कार्यक्रम प्रभावी साबित हुए—इन सवालों पर पारदर्शी जानकारी जनता का भरोसा मजबूत कर सकती है।

साथ ही, विपक्ष और अन्य राजनीतिक दलों की ओर से लगाए जाने वाले आरोपों की भी प्रमाणों के आधार पर जांच होनी चाहिए। राजनीतिक आरोप अपने आप में किसी व्यक्ति की संलिप्तता साबित नहीं करते। यदि किसी नेता, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पर नशे के कारोबार को संरक्षण देने का आरोप लगाया जाता है, तो उसकी निष्पक्ष जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई जरूरी है। बिना प्रमाण किसी को दोषी ठहराना उचित नहीं है, लेकिन गंभीर आरोपों की अनदेखी करना भी जनहित में नहीं होगा।

सोनिया गांधी की पुस्तक को पाठकों का अच्छा प्रतिसाद, प्रचार आधारित फिल्मों की लोकप्रियता पर उठे सवाल



कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की पुस्तक 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' इन दिनों प्रकाशन जगत में चर्चा का विषय बनी हुई है। 10 नवंबर को बाजार में आई इस पुस्तक को शुरुआती दिनों में पाठकों का अच्छा प्रतिसाद मिला है। पुस्तक की कीमत लगभग 1,299 रुपये निर्धारित की गई है। इसके बावजूद कई प्रमुख पुस्तक विक्रेताओं के यहां इसकी मांग देखने को मिली। प्रकाशकों की ओर से 16 नवंबर तक लगभग 2 लाख प्रतियां बिकने की जानकारी दी गई है। इस प्रतिक्रिया ने राजनीतिक पुस्तकों के पाठक वर्ग और देश में पढ़ने की रुचि को लेकर नई चर्चा शुरू कर दी है।

यह पुस्तक सोनिया गांधी के जीवन, उनके व्यक्तिगत अनुभवों, संघर्षों और भारत से उनके जुड़ाव की कहानी प्रस्तुत करती है। इटली में बचपन बिताने से लेकर भारत आने और देश की प्रमुख राजनीतिक पार्टी का नेतृत्व करने तक के उनके सफर को इसमें शामिल किया गया है। पुस्तक के प्रकाशन से पहले ही इसे लेकर राजनीतिक और साहित्यिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई थी। पुस्तक की बिक्री के शुरुआती आंकड़ों और दुकानों पर पाठकों की मौजूदगी ने इस चर्चा को और बढ़ा दिया है।पुस्तक को मिले प्रतिसाद के बीच वरिष्ठ पत्रकार सुधीर चौधरी ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने कार्यक्रम और सामाजिक माध्यमों पर पुस्तक से जुड़े मुद्दों तथा गांधी परिवार के संदर्भों पर चर्चा की। उनके विचारों को लेकर भी सोशल मीडिया पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कुछ लोग पुस्तक को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संस्मरण मानकर पढ़ना चाहते हैं, जबकि कुछ पाठक इसमें प्रस्तुत घटनाओं और विचारों को अन्य उपलब्ध तथ्यों के साथ परखने की बात कर रहे हैं। पुस्तक की बिक्री को लेकर एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि शुरुआती दिनों में दुकानदारों ने इसकी मांग को अच्छा बताया था, लेकिन बिक्री के सटीक आंकड़ों को लेकर अलग-अलग समय पर अलग-अलग जानकारियां सामने आईं। अब प्रकाशक की ओर से लगभग 2 लाख प्रतियां बिकने की जानकारी दी गई है। पुस्तक का अधिकतम खुदरा मूल्य 1,299 रुपये है, हालांकि कुछ ऑनलाइन मंचों पर यह छूट के साथ भी उपलब्ध रही है। इसलिए इसकी कीमत और वास्तविक बिक्री को समझते समय प्रकाशित मूल्य, छूट और बिक्री के आंकड़ों के बीच अंतर को ध्यान में रखना जरूरी है।

इस घटनाक्रम के साथ राजनीतिक विषयों पर आधारित फिल्मों की दर्शक संख्या को लेकर भी बहस शुरू हुई है। कुछ आलोचकों का कहना है कि प्रचार और राजनीतिक संदेश पर अधिक निर्भर रहने वाली फिल्मों को दर्शकों की स्वाभाविक पसंद हासिल करने में कठिनाई हो सकती है। वहीं, किसी फिल्म की सफलता या असफलता का आकलन केवल उसके राजनीतिक विषय के आधार पर नहीं किया जा सकता। कहानी, अभिनय, निर्देशन, प्रचार, दर्शकों की पसंद और प्रदर्शन के समय जैसे कई पहलू बॉक्स ऑफिस के परिणाम को प्रभावित करते हैं। किसी फिल्म के कमजोर प्रदर्शन का दावा करने से पहले उसके प्रमाणित कमाई के आंकड़ों और उपलब्ध जानकारी को देखना आवश्यक है। पुस्तक और फिल्मों के बीच तुलना करते हुए कुछ लोगों ने 'बिलॉन्गिंग' यानी अपनापन और स्वीकार्यता तथा 'बेगिंग' यानी आग्रह या बार-बार अपील करने के रूपक का इस्तेमाल किया है। इस तुलना के जरिए यह सवाल उठाया जा रहा है कि पाठक किसी पुस्तक को उसकी कीमत चुकाकर खरीदने के लिए क्यों तैयार होते हैं, जबकि कुछ फिल्मों के प्रचार के लिए दर्शकों से बार-बार अपील करनी पड़ती है। हालांकि, पुस्तक और फिल्म दो अलग-अलग माध्यम हैं। दोनों की लोकप्रियता और व्यावसायिक सफलता को एक ही पैमाने पर मापना उचित नहीं होगा। इस पूरे घटनाक्रम से एक बात स्पष्ट होती है कि राजनीतिक व्यक्तित्वों के जीवन और उनके अनुभवों को जानने में पाठकों की रुचि बनी हुई है। किसी भी संस्मरण को पढ़ते समय उसमें लेखक द्वारा प्रस्तुत अनुभवों और विचारों को समझने के साथ-साथ ऐतिहासिक घटनाओं की स्वतंत्र पुष्टि करना भी जरूरी है। पुस्तक का पाठकों तक पहुंचना और उस पर सार्वजनिक बहस होना लोकतांत्रिक समाज में विचारों के आदान-प्रदान का हिस्सा है। 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' को मिली शुरुआती प्रतिक्रिया ने पुस्तक बाजार में राजनीतिक संस्मरणों की मांग को चर्चा में ला दिया है। इसके साथ ही फिल्मों के प्रचार, दर्शकों की पसंद और व्यावसायिक सफलता को लेकर भी सवाल उठे हैं।

पेट की चर्बी बन सकती है गंभीर बीमारियों का कारण, भारत में करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य पर बढ़ता खतरा

शरीर का बढ़ता वजन और पेट के आसपास जमा होने वाली अतिरिक्त चर्बी अक्सर सामान्य समस्या मानकर नजरअंदाज कर दी जाती है, लेकिन चिकित्सकीय दृष्टि से यह कई गंभीर बीमारियों के जोखिम से जुड़ी हो सकती है। विशेष रूप से पेट के अंदरूनी हिस्से में अंगों के आसपास जमा होने वाली चर्बी, जिसे आंतरिक चर्बी कहा जाता है, स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसका संबंध टाइप-2 मधुमेह, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और कुछ प्रकार के कैंसर के बढ़ते जोखिम से हो सकता है।

भारत में पेट के आसपास अतिरिक्त चर्बी और मोटापे की समस्या को लेकर चिंता जताई जा रही है। मूल रिपोर्ट में लगभग 50 करोड़ भारतीयों के जोखिम में होने का दावा किया गया है, हालांकि इस आंकड़े का आधार और इसमें शामिल लोगों की श्रेणी स्पष्ट नहीं है। इसलिए इसे देश की आधी आबादी के पेट की चर्बी से प्रभावित होने का प्रमाणित आंकड़ा नहीं माना जाना चाहिए। फिर भी बदलती जीवनशैली, खानपान की आदतों और शारीरिक गतिविधियों में कमी के कारण इस विषय पर जागरूकता जरूरी है।

पेट के अंदर जमा चर्बी क्यों है चिंता का विषय?

शरीर में जमा सभी प्रकार की चर्बी का प्रभाव एक जैसा नहीं होता। त्वचा के नीचे जमा चर्बी और पेट के अंदरूनी अंगों के आसपास जमा चर्बी में अंतर होता है। आंतरिक चर्बी हृदय, यकृत, गुर्दे और अग्न्याशय जैसे महत्वपूर्ण अंगों के आसपास जमा हो सकती है।

इसकी अधिक मात्रा शरीर की चयापचय प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है और इंसुलिन के प्रति शरीर की संवेदनशीलता घटा सकती है। इससे रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ने और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा पैदा हो सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, केवल शरीर का वजन देखकर स्वास्थ्य का पूरा आकलन नहीं किया जा सकता। कमर की परिधि, रक्तचाप, रक्त शर्करा और अन्य चिकित्सकीय जांच भी महत्वपूर्ण हैं। कुछ लोगों का वजन सामान्य दिखाई दे सकता है, लेकिन उनके पेट के आसपास अतिरिक्त चर्बी और उससे जुड़े स्वास्थ्य जोखिम मौजूद हो सकते हैं।

बदलती जीवनशैली और खानपान भी प्रमुख कारण

पेट के आसपास अतिरिक्त चर्बी जमा होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। इनमें खानपान, शारीरिक गतिविधि, नींद, तनाव, उम्र और आनुवंशिक प्रभाव शामिल हैं।

लंबे समय तक एक ही जगह बैठकर काम करना, नियमित शारीरिक गतिविधि की कमी और दिनचर्या में चलने-फिरने का समय कम होना वजन तथा पेट की चर्बी बढ़ने से जुड़ा हो सकता है। इसके अलावा अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, मीठे पेय, तले हुए खाद्य पदार्थ और अधिक ऊर्जा वाले भोजन का बार-बार सेवन भी जोखिम बढ़ा सकता है।

मानसिक तनाव और अनियमित नींद भी शरीर के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। लंबे समय तक तनाव रहने पर शरीर में कोर्टिसोल जैसे हार्मोन का स्तर प्रभावित हो सकता है। नींद की कमी और असंतुलित दिनचर्या भी भूख, खानपान और चयापचय पर असर डाल सकती है। हालांकि, पेट की चर्बी बढ़ने का कोई एक कारण नहीं होता; आमतौर पर कई कारक मिलकर इसमें भूमिका निभाते हैं।

किन बीमारियों का बढ़ सकता है खतरा?

आंतरिक चर्बी की अधिक मात्रा कई स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम से जुड़ी हुई है। इनमें प्रमुख हैं–

टाइप-2 मधुमेहः पेट के अंदर जमा अतिरिक्त चर्बी इंसुलिन प्रतिरोध से जुड़ी हो सकती है। इससे रक्त में शर्करा का स्तर नियंत्रित रखना कठिन हो सकता है।

हृदय रोगः आंतरिक चर्बी की अधिकता उच्च रक्तचाप, रक्त में वसा के असंतुलन और अन्य चयापचय संबंधी समस्याओं से जुड़ी हो सकती है। ये सभी हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।

फैटी लिवरः शरीर में अतिरिक्त चर्बी और चयापचय संबंधी गड़बड़ियों के कारण यकृत में वसा जमा होने की आशंका बढ़ सकती है। कुछ लोगों में यह समस्या आगे चलकर यकृत में सूजन और क्षति का कारण बन सकती है।

उच्च रक्तचाप और स्ट्रोकः अतिरिक्त आंतरिक चर्बी उच्च रक्तचाप सहित कई जोखिम कारकों से जुड़ी हो सकती है। अनियंत्रित रक्तचाप मस्तिष्काघात और हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ाता है।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर पत्रकारों को हेमंत वर्मा का संदेशः निष्पक्षता, निर्भीकता और निरंतरता ही पत्रकारिता की असली पहचान

राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय संगठन आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने देशभर के पत्रकारों, कलमकारों और अखबारनवीसों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। पत्रकारों को हर परिस्थिति में निष्पक्षता, निर्भीकता और निरंतरता बनाए रखनी चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में स्वतंत्र और जिम्मेदार पत्रकारिता की अहम भूमिका है।

हेमंत वर्मा ने कहा कि पत्रकारिता एक पवित्र और जिम्मेदारीपूर्ण पेशा है। इसके माध्यम से समाज की समस्याओं को सामने लाकर उनके समाधान का रास्ता तैयार किया जा सकता है। देश की आजादी से पहले और आजादी के बाद भी पत्रकारों ने जनजागरण और लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उस दौर में पत्रकारिता ने जनता की आवाज को मंच दिया और सामाजिक बदलाव की दिशा में अपनी प्रभावी भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदल गया है। डिजिटल मीडिया, इंटरनेट और सोशल मीडिया के विस्तार ने समाचारों के प्रसारण की गति और तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। आज कुछ ही समय में खबर लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। इसके बावजूद पत्रकारिता के मूल सिद्धांत नहीं बदले हैं। सच्चाई सामने लाना, जनता के सवाल उठाना और सत्ता तथा प्रशासन को जवाबदेह बनाना आज भी पत्रकारों की प्रमुख जिम्मेदारी है।

वर्मा ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में भी अनेक ऐसे पत्रकार हैं, जो बिना किसी दबाव के भ्रष्टाचार, अन्याय और व्यवस्था की कमियों को उजागर कर रहे हैं। हालांकि, उनके अनुसार प्रेस विज्ञप्तियों पर आधारित और पक्षधरता से प्रभावित पत्रकारिता को बढ़ावा मिलने से निष्पक्ष पत्रकारिता के सामने चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। उन्होंने कहा कि जो पत्रकार सत्ता, राजनीतिक दलों या किसी विभाग के प्रभाव में आए बिना जनहित के मुद्दे उठाते हैं, उन्हें कई बार विरोध और दबाव का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने निष्पक्ष पत्रकारों के खिलाफ कथित फर्जी प्राथमिकी दर्ज किए जाने के मामलों पर गंभीर चिंता जताई। वर्मा का कहना है कि जब कोई पत्रकार किसी विभाग या व्यवस्था से जुड़ी अनियमितताओं को तथ्यों के आधार पर सामने लाता है, तो कुछ मामलों में उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे परेशान करने की शिकायतें सामने आती हैं।

उन्होंने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए गंभीर चुनौती बताया। उनके अनुसार, पत्रकारों के खिलाफ दर्ज मामलों की निष्पक्षता से जांच होनी चाहिए और किसी भी शिकायत पर कानून के निर्धारित प्रावधानों का पालन किया जाना चाहिए।

हेमंत वर्मा ने छत्तीसगढ़ में पत्रकारों के खिलाफ दर्ज मामलों की जांच प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में पत्रकारों से जुड़े कुछ मामलों में सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों और जांच संबंधी प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि पत्रकारों के खिलाफ दर्ज मामलों में निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए और किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई में पारदर्शिता बरती जाए। साथ ही, पत्रकारों की सुरक्षा और उनके अधिकारों को लेकर किए जाने वाले दावों को प्रभावी रूप से लागू किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पत्रकार सुरक्षा कानून को लेकर दावे किए जाते हैं, लेकिन पत्रकारों के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान भी उतनी ही गंभीरता से होना चाहिए। पत्रकार यदि किसी भ्रष्टाचार या अन्याय को उजागर करता है, तो उसकी शिकायतों और उसके खिलाफ दर्ज मामलों की निष्पक्ष समीक्षा जरूरी है। किसी भी पत्रकार को केवल जनहित में सवाल उठाने या तथ्य सामने रखने के कारण प्रताड़ना का सामना नहीं करना चाहिए।

वर्मा ने कहा कि सच्चाई को कुछ समय के लिए दबाया जा सकता है, लेकिन लंबे समय तक उसे छिपाया नहीं जा सकता। देश के विकास, लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक जागरूकता में पत्रकारों की भूमिका आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान और आजादी के बाद रही है। पत्रकारिता का उद्देश्य किसी व्यक्ति या संस्था का पक्ष लेना नहीं, बल्कि तथ्यों के आधार पर जनता के हितों की आवाज उठाना होना चाहिए।

आज का राशिफल

(सोमवार) 16 नवम्बर 2026

मेष — आज का दिन आपके लिए ऊर्जा और उत्साह से भरपूर रहने वाला है, लेकिन कार्यक्षेत्र में किसी भी प्रकार की जल्दबाजी या हड़बड़ी करने से बचें।

वृषभ — दिन की शुरुआत में कुछ छोटी उलझनें रह सकती हैं, लेकिन पराक्रम और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। किसी अजनबी से मुलाकात फायदेमंद है।

मिथुन — आर्थिक दृष्टि से आज आपको विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है, अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाएँ।

कर्क — आपकी संवाद शैली से कार्यक्षेत्र के रुके हुए कार्य पूरे हो जाएंगे। स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा सतर्क रहें और लापरवाही न बरतें।

सिंह — कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी और मान-सम्मान बढ़ेगा। अपने भीतर अहंकार को न आने दें और बड़ों की सलाह सुनें।

कन्या — विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई के लिहाज से आज का दिन अत्यंत अनुकूल रहेगा। अपने बजट को ध्यान में रखते हुए फालतू खर्चों पर नियंत्रण रखें।

तुला — साझेदारी के व्यापार में आपको उम्मीद से अधिक लाभ मिल सकता है। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक — अपने आसपास के गुप्त शत्रुओं और विरोधियों से बहुत सावधान रहें। सड़क पर वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करें।

धनु — भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सोचे हुए सभी काम पूरे होंगे। आपका झुकाव धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों की तरफ अधिक रहेगा।

मकर — आपकी कड़ी मेहनत का आज बहुत ही सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा। करियर में आगे बढ़ने के बेहतरीन और नए अवसर प्राप्त होंगे।

कुंभ — मित्रों के सहयोग से आपके कई पेचीदा काम आसानी से हल हो जाएंगे। रचनात्मक विचार अमल करने के लिए आज का दिन उत्तम है।

मीन — आपका मन शांत रहेगा और कला के क्षेत्र में सफलता मिल सकती है। किसी भी बड़े वित्तीय निवेश से पहले किसी विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत बाल विवाह रोकथाम को लेकर जागरूकता शिविर



बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा और कानून के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सुरक्षित बचपन अभियान के तहत शासकीय हाई स्कूल उदयपुर में विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्र-छात्राओं को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को रोकने, घरेलू हिंसा के विरुद्ध आवाज उठाने, नशे से दूर रहने और साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने की जानकारी दी गई। इसके साथ ही विद्यार्थियों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री विजय कुमार होता के मार्गदर्शन तथा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती प्रीति नागवंशी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। तालुका विधिक सेवा समिति छुईखदान की अध्यक्ष एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती श्वेता पटेल के मार्गदर्शन में पैरालीगल वॉलंटियर (पीएलवी) श्री सनील कुमार ने शासकीय हाई स्कूल उदयपुर पहुंचकर विद्यार्थियों को कानूनी जानकारी प्रदान की। शिविर के दौरान बाल विवाह की रोकथाम को प्रमुख विषय बनाया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली सामाजिक कुरीति है। कम उम्र में विवाह होने से बच्चों के शिक्षा प्राप्त करने और अपने जीवन के बारे में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने के अवसर प्रभावित हो सकते हैं। बाल विवाह को रोकने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जागरूकता और सहभागिता आवश्यक है। विद्यार्थियों से कहा गया कि वे अपने आसपास बाल विवाह से संबंधित किसी भी जानकारी को गंभीरता से लें और इसकी रोकथाम के लिए जिम्मेदार लोगों तथा संबंधित अधिकारियों तक सूचना पहुंचाने में सहयोग करें।

कार्यक्रम में घरेलू हिंसा के विषय पर भी विस्तार से चर्चा की गई। विद्यार्थियों को समझाया गया कि घर और समाज में किसी भी प्रकार की हिंसा, प्रताड़ना या शोषण को सामान्य बात समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। पीड़ित व्यक्ति को कानून के तहत सहायता और संरक्षण प्राप्त करने का अधिकार है। ऐसी परिस्थितियों में उचित कानूनी मार्गदर्शन लेना जरूरी है। शिविर के माध्यम से बच्चों को यह संदेश दिया गया कि समाज में सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए जागरूकता, संवेदनशीलता और एक-दूसरे के अधिकारों का सम्मान करना आवश्यक है। नशामुक्ति को लेकर जानकारी देते हुए पीएलवी श्री सनील कुमार ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि नशे की आदत व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, पारिवारिक जीवन और सामाजिक प्रतिष्ठा को प्रभावित करती है। कम उम्र में गलत संगति और नशे की ओर बढ़ता झुकाव बच्चों के भविष्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, सकारात्मक गतिविधियों में भाग लेने और अपने साथियों को भी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने की सलाह दी गई।

वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए शिविर में ऑनलाइन सुरक्षा पर विशेष चर्चा की गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि मोबाइल फोन और इंटरनेट का उपयोग करते समय सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। साइबर ठग अलग-अलग तरीकों से लोगों को अपने जाल में फंसाने का प्रयास करते हैं। ऐसे में अनजान नंबरों से आने वाले संदेशों, संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल और लालच देने वाले प्रस्तावों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। विद्यार्थियों को यह भी समझाया गया कि ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान सतर्कता बरतना और किसी संदिग्ध घटना की जानकारी तुरंत संबंधित व्यक्ति या अधिकारी को देना जरूरी है। साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में सहायता प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी भी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि साइबर ठगी का शिकार होने पर बिना देरी किए इस हेल्पलाइन पर संपर्क कर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। समय पर शिकायत करना महत्वपूर्ण होता है, इसलिए ऐसी किसी घटना को छिपाने या शिकायत करने में अनावश्यक देरी करने से बचना चाहिए। शिविर में निःशुल्क विधिक सहायता के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। पीएलवी ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर और पात्र व्यक्तियों को न्याय प्राप्त करने के लिए कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। किसी व्यक्ति के पास आर्थिक संसाधनों की कमी होने का अर्थ यह नहीं है कि वह अपने कानूनी अधिकारों से वंचित रह जाए।

पिता की अस्थियां विसर्जित करने जा रहे मां-बेटे को डंपर ने कुचला, दोनों की दर्दनाक मौत

आठ दिन पहले ही परिवार ने खोया था मुखिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो



बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में सोमवार को एक हृदयविदारक सड़क हादसे में मां-बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों बाइक से पिता की अस्थियां विसर्जित करने अयोध्या स्थित सरयू नदी जा रहे थे। आठ दिन पहले ही परिवार के मुखिया का निधन हुआ था। परिवार अभी इस दुख से उबर भी नहीं पाया था कि रास्ते में हुए हादसे ने मां और बेटे की भी जान ले ली। जानकारी के अनुसार, सर्वेश वर्मा (40) अपनी मां शर्मावती (65) को बाइक पर बैठाकर घर से निकले थे। दोनों को पिता की अस्थियां सरयू नदी में प्रवाहित करनी थीं। अभी वे घर से करीब 10 किलोमीटर ही पहुंचे थे कि कोठी थाना क्षेत्र के भानमऊ चौराहे के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक डंपर के पहिए में फंस गई और करीब 300 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे में मां-बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि महिला का शव सड़क पर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया, जबकि बेटे का एक पैर शरीर से अलग होकर करीब 10 मीटर दूर जा गिरा।हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से शवों के अवशेष एकत्र कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। महिला का शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण पुलिस को उसे सड़क से समेटकर पॉलीथिन में रखना पड़ा। बेटे का कटा हुआ पैर भी घटनास्थल से करीब 10 मीटर दूर मिला।यह हादसा जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर हुआ। एक ही परिवार में आठ दिन के भीतर तीन मौतों से मातम छा गया। जिस मां-बेटे को पिता की अंतिम धार्मिक रस्म पूरी करने अयोध्या पहुंचना था, उनकी यात्रा रास्ते में ही हमेशा के लिए समाप्त हो गई।जिस मां-बेटे को पिता की अंतिम धार्मिक रस्म पूरी करने अयोध्या पहुंचना था, उनकी यात्रा रास्ते में ही हमेशा के लिए समाप्त हो गई।पुलिस ने घटनास्थल से शवों के अवशेष एकत्र कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। महिला का शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण पुलिस को उसे सड़क से समेटकर पॉलीथिन में रखना पड़ा।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आजम खां 26 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में, चार दिन की ईडी रिमांड पूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

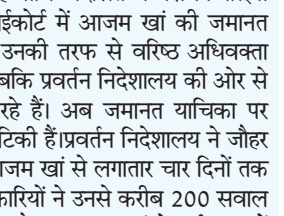
गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 26 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। गाजियाबाद की विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार दिन की रिमांड पूरी होने के बाद यह आदेश दिया। रिमांड की अवधि समाप्त होने से करीब पांच घंटे पहले ईडी ने आजम खां का चिकित्सकीय परीक्षण कराया और इसके बाद उन्हें सीधे अदालत में पेश किया।इस मामले में दूसरी ओर इलाहाबाद हाईकोर्ट में आजम खां की जमानत याचिका पर सुनवाई चल रही है। उनकी तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल पैरवी कर रहे हैं, जबकि प्रवर्तन निदेशालय की ओर से अधिवक्ता जोहेब हुसैन पक्ष रख रहे हैं। अब जमानत याचिका पर हाईकोर्ट के फैसले को लेकर नजरें टिकी हैं।प्रवर्तन निदेशालय ने जौहर ट्रस्ट से जुड़े धनशोधन मामले में आजम खां से लगातार चार दिनों तक पूछताछ की। इस दौरान जांच अधिकारियों ने उनसे करीब 200 सवाल किए। ईडी के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आजम खां ने कई सवालों के सीधे जवाब नहीं दिए। वह जांच एजेंसी की ओर से लगाए गए आरोपों को लगातार खारिज करते रहे।एजेंसी का कहना है कि आजम खां ने ट्रस्ट की ओर से लिए गए कई फैसलों की जानकारी होने से भी इनकार किया। पूछताछ के दौरान ट्रस्ट से जुड़े आर्थिक लेनदेन और अन्य गतिविधियों को लेकर सवाल किए गए।चार दिन की पूछताछ के बाद ईडी ने उन्हें अदालत में पेश किया, जहां से 26 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया गया। फिलहाल मामले में जांच एजेंसी की कार्रवाई और हाईकोर्ट में चल रही जमानत याचिका की सुनवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है।



यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदलः 4 आईएएस और 55 पीसीएस अधिकारियों के तबादले

पांच विकास प्राधिकरणों के सचिव बदले

महानगर मेट्रो ब्यूरो



लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने रविवार आधी रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए चार आईएएस और 55 पीसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। इस प्रशासनिक बदलाव में कई जिलों के मुख्य विकास अधिकारियों, उपजिलाधिकारियों और विकास प्राधिकरणों के अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदली गई हैं। सरकार ने लखनऊ, गाजियाबाद, वाराणसी, अयोध्या और मेरठ विकास प्राधिकरणों के सचिवों को भी बदल दिया है। इसके अलावा नोएडा, ग्रेटर नोएडा, प्रयागराज मेला प्राधिकरण और बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण में भी महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं।तबादला सूची के अनुसार, शैलेंद्र कुमार सिंह को फिरोजाबाद का मुख्य विकास अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं प्रतिभा सिंह को फिरोजाबाद-शिकोहाबाद विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बनाया गया है। शत्रोहन वैश्य को श्रम विभाग में विशेष सचिव और वंदना त्रिपाठी को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, नई दिल्ली में अपर आयुक्त की जिम्मेदारी सौंपी गई है।खास बात यह है कि इन चारों आईएएस अधिकारियों को 13 नवंबर को भी नई तैनाती दी गई थी। हालांकि रविवार को सरकार ने उनके पूर्व तबादला आदेशों को निरस्त करते हुए नई जिम्मेदारियां सौंप दीं। इस तरह कुछ ही दिनों के भीतर इन अधिकारियों की तैनाती में दोबारा बदलाव किया गया है।55 पीसीएस अधिकारियों की तबादला सूची में 14 उपजिलाधिकारी भी शामिल हैं। इनमें से नौ अधिकारियों को दूसरे जिलों में उपजिलाधिकारी के पद पर तैनाती दी गई है, जबकि पांच अधिकारियों को उपजिलाधिकारी के पद से हटाकर अन्य प्रशासनिक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।सरकार ने राजधानी लखनऊ सहित गाजियाबाद, वाराणसी, अयोध्या और मेरठ विकास प्राधिकरणों के सचिवों को एक साथ बदल दिया है। इसके अलावा नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरणों में भी अधिकारियों की जिम्मेदारियों में फेरबदल किया गया है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण और बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण में भी नई तैनातियां की गई हैं।अयोध्या तीर्थ विकास परिषद में भी नई तैनाती की गई है। सरकार के इस व्यापक प्रशासनिक फेरबदल को प्रदेश में प्रशासनिक व्यवस्था और विकास कार्यों के संचालन से जोड़कर देखा जा रहा है।

यूपी चुनाव से पहले कांग्रेस ने बनाई प्रियंका गांधी की अगुआई में पांच सदस्यीय समिति, सपा से सीट बंटवारे पर करेगी बातचीत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर अगले साल होने वाले चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई महत्वपूर्ण बैठक में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन और सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चा की गई। बैठक में राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा कि सपा कांग्रेस की महत्वपूर्ण सहयोगी है और दोनों दलों के बीच सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। उन्होंने सभी सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने पर भी जोर दिया।

प्रियंका गांधी करेंगी बातचीत करने वाली समिति की अगुआई

समाजवादी पार्टी के साथ सीटों के बंटवारे पर बातचीत के लिए कांग्रेस ने पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति की अगुआई प्रियंका गांधी करेंगी। समिति में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा, उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम और प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद को शामिल किया गया है।यह समिति समाजवादी पार्टी के नेताओं के साथ बातचीत कर सीटों के बंटवारे का खाका तैयार करेगी। इसके जरिए दोनों दलों के बीच चुनावी तालमेल और गठबंधन की रणनीति को अंतिम रूप देने की कोशिश की जाएगी।



403 सीटों पर गठबंधन की रणनीति पर नजर

उत्तर प्रदेश विधानसभा की सभी 403 सीटों पर होने वाले चुनाव को कांग्रेस अपने लिए महत्वपूर्ण मान रही है। पार्टी नेतृत्व का जोर सपा के साथ गठबंधन को मजबूत करने और सीटों के बंटवारे को लेकर समय रहते सहमति बनाने पर है। अब सबकी नजर प्रियंका गांधी की अगुआई वाली समिति और सपा नेतृत्व के बीच होने वाली बातचीत पर रहेगी।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व का समापन, 36 घंटे का निर्जला व्रत पूरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लोक आस्था के महापर्व छठ के चौथे और अंतिम दिन सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय पर्व का समापन हो गया। व्रती महिलाओं ने पारंपरिक छठ गीत गाते हुए भगवान सूर्य की उपासना की और परिवार की सुख-समृद्धि तथा संतान की लंबी उम्र की कामना की। सूर्योदय के साथ ही 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत पूरा हुआ।प्रदेशभर में सुबह करीब चार बजे से ही चार हजार से अधिक घाटों पर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष पूजा की सामग्री लेकर घाटों पर पहुंचे। घाटों पर छठी मइया के पारंपरिक गीत गूंजते रहे। महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाया और घुटनों तक पानी में खड़े होकर सूर्योदय की प्रतीक्षा की। जैसे ही सूर्य की पहली किरण दिखाई दी, छठी मइया के जयकारों के बीच व्रतियों ने सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया। कई स्थानों पर आतिशबाजी के साथ पर्व की खुशियां मनाई गईं।



कुशीनगर में मुस्लिम महिला ने बेटे की सलामती के लिए रखा व्रत

छठ महापर्व के दौरान कुशीनगर से आस्था और आपसी सद्भाव की मिसाल सामने आई। यहां अफसाना खातून ने अपने बीमार बेटे के स्वस्थ होने के बाद छठ व्रत रखा। वह अपने पति अली मोहम्मद और बेटे के साथ घाट पर पहुंचीं और विधि-विधान से उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। उनकी इस आस्था ने धार्मिक सद्भाव और मानवीय भावनाओं का संदेश दिया। गोरखपुर में सांसद रवि किशन भी छठ पूजा में शामिल हुए। वह सिर पर पूजा सामग्री से भरा दउरा लेकर घाट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने छठी मइया का पारंपरिक गीत 'छठी मइया दीहा आशीर्वाद, बहंगी लचकत जाए...' भी गाया। उनके इस अंदाज ने घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया।

काशी में छठ देखने पहुंचीं फ्रांस की पर्यटक

वाराणसी के घाटों पर छठ महापर्व की छटा देखने के लिए विदेशों से भी पर्यटक पहुंचे। फ्रांस की पर्यटक तानिया ने काशी में छठ पूजा को करीब से देखा। उन्होंने बताया कि इस त्योहार के बारे में उन्होंने पहले इंटरनेट पर पढ़ा था, लेकिन अब इसे प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर मिला है। उन्होंने इस पर्व की परंपराओं और श्रद्धालुओं की आस्था को करीब से अनुभव किया।

प्रतापगढ़ में 17 से 20 नवंबर तक होगी श्रीराम कथा, पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी परिवारों को भी दिया न्योता; राजा भैया ने श्रद्धालुओं के लिए 10 बसों की व्यवस्था की, अखिलेश यादव ने आयोजन पर कसा तंज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के कुंडा क्षेत्र स्थित बेंती में 17 से 20 नवंबर तक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीराम कथा का आयोजन होगा। आयोजन को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए करीब एक हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। पूरे कथा क्षेत्र को सुरक्षा और व्यवस्था की दृष्टि से 9 सेक्टर और 7 जोन में बांटा गया है, ताकि भीड़ नियंत्रण, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को सुचारु रखा जा सके।इस आयोजन में पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थी परिवारों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। कथा सुनने के बाद इन परिवारों को बसों के माध्यम से प्रयागराज, काशी और अयोध्या के धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। कथा के मुख्य यजमान और विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने इसके लिए 10 बसों की व्यवस्था की है।राजा भैया के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य पाकिस्तान में रहने वाले अल्पसंख्यक हिंदुओं की परिस्थितियों, उनके संघर्ष और कठिनाइयों को समाज के सामने लाना है। वह चाहते हैं कि लोग इन परिवारों के अनुभवों और संघर्षपूर्ण जीवन को करीब से समझें तथा उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनें।श्रीराम कथा के आयोजन को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राजा भैया पर निशाना साधा है। उन्होंने इस आयोजन को जनसमर्थन जुटाने का प्रयास बताते हुए कहा कि कथा अपना उद्देश्य स्पष्ट नहीं कर पा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि उनका दल संविधान में विश्वास रखता है। संविधान रहेगा तो आरक्षण और न्याय भी सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने आगरा में दलित समाज पर अत्याचार होने का मुद्दा भी उठाया। आयोजन में धार्मिक जगत के साथ राजनीतिक क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियों के शामिल होने की संभावना है। आयोजकों की ओर से योगगुरु बाबा रामदेव, सतुआ बाबा, हैदराबाद के टी. राजा सहित कई संतों, मंत्रियों और विधायकों को आमंत्रित किया गया है। दूसरे राज्यों के कई नेताओं के भी कुंडा पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है।चार दिवसीय कथा के अंतिम दिन पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का दिव्य दरबार लगाया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशाल पंडाल, भोजन और ठहरने की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। भोजन तैयार करने के लिए 20 बड़े चूल्हे लगाए जाएंगे, जिन पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद और भोजन बनाया जाएगा।आयोजन में फिल्म जगत से जुड़े लोगों की मौजूदगी भी रहेगी। फिल्म 'हनुमान अंश' के मुख्य अभिनेता शोभिनव सत्य ने एक वीडियो जारी कर बताया है कि वह अपने साथी कलाकारों के साथ 18 नवंबर को कथा स्थल पर पहुंचेंगे। इससे आयोजन में धार्मिक और सांस्कृतिक जगत की हस्तियों की भागीदारी भी देखने को मिलेगी।



ट्राले में पीछे से घुसी यात्री बस, 6 घायलःसिवनी में ड्राइवर-क्लीनर गंभीर बेंगलूरू से नेपाल जा रही थी बस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिवनी। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर सोमवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। छपारा थाना क्षेत्र के रणधीर नगर के पास बेंगलूरू से नेपाल जा रही एक यात्री बस आगे चल रहे ट्राले में पीछे से जा घुसी। हादसा सुबह करीब 3 से 4 बजे के बीच हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में छह से अधिक यात्री घायल हो गए, जबकि बस चालक और परिचालक को गंभीर चोटें आई हैं।

नींद में थे यात्री, अचानक टक्कर से मची चीख-पुकार

जानकारी के अनुसार यात्री बस बेंगलूरू से नेपाल की ओर जा रही थी। रणधीर नगर के पास पहुंचने पर बस अनियंत्रित हो गई और आगे चल रहे ट्राले के पिछले हिस्से से टकरा गई। हादसे के समय बस में सवार अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे। अचानक हुई जोरदार टक्कर से यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। कई यात्री



घबराकर अपनी सीटों से उठे और बस के भीतर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग की आपातकालीन सहायता सेवा 1033 की मदद से घायलों को जिला अस्पताल सिवनी पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। बचाव दल ने बस में फंसे और अन्य यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने में भी सहायता की।हादसे के बाद घटनास्थल पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। बस में सवार यात्रियों की सुरक्षा और घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना प्राथमिकता रही।

कानपुर के पांच मंजिला अपार्टमेंट में भीषण आग, बच्चा जिंदा जला; तीसरी मंजिल से कूदी महिला की भी मौत*

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में सोमवार तड़के पांच मंजिला राधिका अपार्टमेंट में भीषण आग लगने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 8 से 10 लोग झुलसकर घायल हो गए। मृतकों में 15 वर्षीय प्रांजुल बाथम और 48 वर्षीय राखी साहू शामिल हैं। आग इतनी तेजी से फैली कि इमारत में रहने वाले लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। जान बचाने के लिए कई लोगों ने बालकनी से छलांग लगा दी। वहीं, कुछ लोगों ने साड़ियों और चादरों के सहारे दूसरी इमारत तक पहुंचकर अपनी जान बचाई। हादसे में पार्किंग में खड़ी कई स्कूटी और मोटरसाइकिलें भी जलकर खाक हो गईं।यह हादसा शहर के बीचोंबीच फीलखाना थाना क्षेत्र के पटकापुर चौकी इलाके में हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सोमवार सुबह करीब 4:30 बजे अपार्टमेंट के निचले फ्लैट में अचानक आग लगी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। नीचे जाने वाली सीढ़ियों में धुआं भर जाने से लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया। इमारत में कुल 12 फ्लैट हैं, जिनमें करीब 50 से 60 लोग रहते हैं।अपार्टमेंट के सामने पांच से छह फीट चौड़ी गली में दो मंजिला मकान बना हुआ है। आग और धुएं के कारण ऊपरी मंजिलों पर फंसे लोगों के सामने बाहर निकलने का रास्ता बंद हो गया। ऐसे में उन्होंने साड़ियों और चादरों को बांधकर नीचे लटकाया और उनके सहारे दूसरी मंजिल तक पहुंचे। इसके बाद मकान की छत पर पटरा लगाकर सुरक्षित स्थान तक पहुंचने का प्रयास किया। निचली मंजिलों पर फंसे कुछ लोग सीढ़ियों के रास्ते ऊपर पहुंचे और वहां से मकान की छत पर उतरकर बाहर निकले। निचली मंजिलों पर फंसे कुछ लोग सीढ़ियों के रास्ते ऊपर पहुंचे और वहां से मकान की छत पर उतरकर बाहर निकले।



मुंबई में रिश्तेदार के इलाज के लिए ले जा रहा था 14 लाख, प्रयागराज में रुपयों से भरा बैग गायब

महानगर मेट्रो ब्यूरो



प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में मुंबई में भर्ती रिश्तेदार के इलाज के लिए 14 लाख रुपये लेकर निकले एक युवक के साथ बड़ी घटना हो गई। ट्रेन के पांच घंटे देरी से चलने के कारण युवक एल्गिन रोड स्थित अपने दोस्त के घर चला गया। वहां उसने रुपयों से भरा बैग रखा और दोस्त के साथ खाने-पीने के लिए बाहर निकल गया। करीब पांच घंटे बाद जब वह वापस लौटा तो बैग गायब मिला। घर से दोस्त का बहनोई भी नदारद था। घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो रकम के एक के बाद एक कई लोगों तक पहुंचने की जानकारी सामने आई। अब 14 लाख रुपये लेकर सनी नाम का युवक फरार बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, सरायइनायत क्षेत्र निवासी विपिन सिंह बाउंसर का काम करता है। उसकी बुआ का बेटा मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती है। उसके इलाज के लिए विपिन 14 लाख रुपये लेकर मुंबई जाने के लिए निकला था। सोमवार सुबह करीब सात बजे वह प्रयागराज जंक्शन पहुंचा, लेकिन उसकी ट्रेन करीब पांच घंटे देरी से चल रही थी। लंबा इंतजार होने के कारण वह एल्गिन रोड स्थित अपने दोस्त के घर चला गया। विपिन ने रुपयों से भरा बैग दोस्त के घर पर रख दिया। इसके बाद वह अपने दोस्त के साथ खाने-पीने के लिए बाहर चला गया। करीब पांच घंटे बाद जब वह वापस लौटा तो बैग वहां नहीं था। घर पर दोस्त का बहनोई भी मौजूद नहीं मिला। इसके बाद विपिन ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की तो पता चला कि बैग से गायब हुई रकम दोस्त के बहनोई के पास पहुंची थी। इसके बाद उसने रुपये अपने दामाद को दिए और दामाद ने आगे यह रकम अपने दोस्त सनी को सौंप दी। अब सनी 14 लाख रुपये लेकर फरार बताया जा रहा है।

बेटियों को सेवा के लिए भेजने को कहता था; केस वापस लेने के लिए 15 लाख का प्रस्ताव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वृंदावन। मुंबई की रहने वाली एक महिला ने वृंदावन के चर्चित कथावाचक स्वामी इंद्रदेव महाराज पर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। महिला का दावा है कि मामला दर्ज होने के बाद उस पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। उसने आरोप लगाया कि मुंह बंद रखने के लिए उसे 15 लाख रुपये देने की पेशकश भी की गई थी। हालांकि, महिला ने इस प्रस्ताव को ठुकराने की बात कही है। उसका कहना है कि वह किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेगी और आरोपी को सजा दिलाने के लिए कानूनी लड़ाई जारी रखेगी।महिला के अनुसार, स्वामी इंद्रदेव के खिलाफ दर्ज मामला अब मुंबई से वृंदावन स्थानांतरित हो चुका है। वृंदावन पुलिस जल्द ही उसके बयान दर्ज कर सकती है। पीड़िता का दावा है कि वह इस मामले में अकेली नहीं है। तीन से चार अन्य युवतियां भी उसके संपर्क में हैं, जिनके पास कथित तौर पर ऑडियो-वीडियो और संदेश मौजूद हैं। हालांकि, बदनामी के डर से वे अब तक सामने आने से बच रही हैं। महिला ने आशंका जताई कि पुलिस कार्रवाई आगे बढ़ने पर अन्य पीड़िताएं भी सामने आ सकती हैं।पीड़िता ने बताया कि वह पिछले नौ महीने से मानसिक परेशानी झेल रही थी, लेकिन अब उसने हिम्मत जुटाकर शिकायत दर्ज कराई है। महिला और स्वामी इंद्रदेव के बीच हुई कथित अश्लील बातचीत का एक श्रव्य रिकॉर्ड भी सामने आने की बात कही गई है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।महिला के मुताबिक, वर्ष 2023 में सामाजिक माध्यमों पर धार्मिक प्रवचन देखने के दौरान वह स्वामी इंद्रदेव के संपर्क में आई थी। उसका आरोप है कि शुरुआत में स्वामी ने उसे भरोसा दिलाया कि वह उसे अपनाना चाहता है और उससे विवाह करेगा। महिला ने बताया कि उसने स्वामी से पूछा था कि वह ब्रह्मचारी और संत हैं, ऐसे में विवाह कैसे करेंगे। इस पर कथित तौर पर उन्होंने उससे प्रेम करने और विवाह की इच्छा जताई थी।



भ्रष्टाचार रोकने के पोर्टल से ही 250 करोड़ की गड़बड़ी का खुलासा, 300 रुपए की एलईडी 11 हजार में खरीदी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्यप्रदेश के नगरीय निकायों में सरकारी खरीद को लेकर बड़ी अनियमितताओं का मामला सामने आया है। केंद्र सरकार के सरकारी ई-बाजार (जीईएम) पोर्टल के जरिए पिछले तीन वर्षों में 374 नगरीय निकायों ने 1,134 करोड़ रुपए की खरीद की। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से किए गए मूल्य विश्लेषण में सामने आया कि सामान्य बाजार दरों पर यही खरीद होती तो सरकारी खजाने के 200 से 250 करोड़ रुपए बच सकते थे।जांच में अतिरिक्त सामान जोड़कर बिल बढ़ाने, महंगी श्रेणी में कम गुणवत्ता वाले उत्पाद दर्ज करने, जरूरत से ज्यादा खरीद और बड़े आदेशों को छोटे हिस्सों में बांटने जैसी गड़बड़ियां सामने आई हैं। बरौदिया कला नगर परिषद में बिजली खंभों की खरीद पर 97 लाख रुपए खर्च किए गए।मामले में 22 नगर पालिकाओं और 39 नगर परिषदों सहित 61 निकायों के 392 अधिकारी-कर्मचारी जांच के दायरे में हैं। दोषी पाए जाने पर निलंबन, वसूली, बर्खास्तगी और आपराधिक कार्रवाई हो सकती है। वहीं, भोपाल के 1.73 करोड़ रुपए के फव्वारा प्रोजेक्ट की भी लोकायुक्त जांच कर रहा है।



मुंबई फिजिक्स फोरम का कारनामा, पाकिस्तान का परमाणु बम बनाने वाले वैज्ञानिक का ऑनलाइन लेक्चर करवाया, विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुंबई : हाल के वर्षों में पहली बार मुंबई में एक पाकिस्तानी वैज्ञानिक के सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम नोबेल पुरस्कार विजेता अब्दुस सलाम की जन्म शताब्दी के अवसर पर रखा गया था। कार्यक्रम न सिर्फ पाकिस्तानी वैज्ञानिक के सम्मान में आयोजित किया गया, बल्कि इस कार्यक्रम में जाने-माने परमाणु भौतिक विज्ञानी परवेज अमीराली हुदभॉय ने इस्लामाबाद से ऑनलाइन व्याख्यान दिया। परवेज अमीराली हुदभॉय वही हैं जिन्होंने पाकिस्तान का परमाणु बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।'द ट्रुथ अबाउट अब्दुस सलामः साइंस, फेथ एंड द एटम बॉम्ब' विषय पर यह प्रस्तुति 'इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स' की मुंबई उप-क्षेत्रीय परिषद द्वारा आयोजित की गई थी। इसमें मुख्य रूप से मुंबई के विभिन्न कॉलेजों और 'टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च' के भौतिकी शिक्षक शामिल थे।

दिल्ली से सांस्कृतिक संवाद से पहले आयोजन

मुंबई का यह आयोजन नवंबर के आखिर में दिल्ली में होने वाले 'शंघाई सहयोग संगठन सिविलाइजेशनल डायलॉग' (सांस्कृतिक संवाद) से पहले हुआ है, जिसमें पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री के भी शामिल होने की उम्मीद है।'पाकिस्तान में वैज्ञानिक को सम्मान नहीं' हुदभॉय ने अब्दुस सलाम को भारत और पाकिस्तान के बीच सद्भावना का दूत बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि इस महान वैज्ञानिक को भारत में सम्मान मिल रहा है, लेकिन पाकिस्तान में ऐसा नहीं है, क्योंकि सलाम अहमदीया समुदाय से ताल्लुक रखते थे। उन्होंने कहा कि यह दुखद है, क्योंकि इस समय पाकिस्तान के युवाओं के लिए कोई वास्तविक आदर्श (रोल मॉडल) नहीं है।

एमसीडी में 2,000 सफाई कर्मचारियों की भर्ती की तैयारी, करीब 35 साल बाद सीधी नियुक्ति का रास्ता साफ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में सफाई कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए 2,000 नए कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। निगम इन कर्मचारियों को नियमित दैनिक वेतनभोगी के तौर पर नियुक्त करने की तैयारी कर रहा है। करीब 35 साल बाद होने जा रही इस भर्ती से उन वार्डों में सफाई व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है, जहां लंबे समय से कर्मचारियों की कमी बनी हुई है। नए कर्मचारियों को आवश्यकता के अनुसार एमसीडी के सभी 12 जोनों में तैनात किया जाएगा। एमसीडी के डेम्स विभाग के अनुसार, वर्ष 1989 में सफाई कर्मचारियों को स्थानापन्न कर्मचारी के रूप में रखने की व्यवस्था शुरू हुई थी। इसके बाद 1997 में भी इसी आधार पर भर्ती की गई थी, लेकिन उसके बाद से सीधी भर्ती नहीं हुई। इस दौरान दिल्ली की आबादी में काफी बढ़ोतरी हुई है, जबकि सफाई कर्मचारियों की संख्या उस अनुपात में नहीं बढ़ पाई है। विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 1991 की जनगणना के समय दिल्ली की आबादी करीब 94.21 लाख थी और उस समय सफाई कर्मचारियों की संख्या लगभग 40 हजार थी। वर्तमान में दिल्ली की आबादी 2.5 से 3 करोड़ के बीच होने का अनुमान है, जबकि सफाई कर्मचारियों की संख्या करीब 65 हजार है। अधिकारियों का मानना है कि बढ़ती आबादी और शहर के विस्तार को देखते हुए सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाना जरूरी हो गया है। मेयर प्रवेश वाही ने बताया कि 2,000 सफाई कर्मचारियों की भर्ती की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। इससे उन वार्डों में कर्मचारियों की कमी दूर करने में मदद मिलेगी, जहां सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि नए कर्मचारियों की तैनाती जरूरत के आधार पर अलग-अलग जोनों में की जाएगी। डेम्स कमेटी के चेयरमैन संदीप कपूर के अनुसार, भर्ती होने वाले कर्मचारियों को दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन दिया जाएगा।



35 वर्षीय शादीशुदा एयर होस्टेस की धारदार हथियार से हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में वैनगंगा नदी के तट पर 35 वर्षीय एयर होस्टेस वर्षा तुरकर की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। वर्षा पुणे में रहती थी और दीपावली के अवसर पर अपनी ढाई साल की बेटी के साथ मायके आई हुई थी। 14 नवंबर की शाम वह अपने परिचित रितेश अग्रवाल के साथ घूमने के लिए बोंडरानी स्थित वैनगंगा नदी के किनारे पहुंची थी। कुछ देर बाद उसके साथ लूटपाट और हमले की सूचना परिजनों को दी गई। गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाई गई वर्षा को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मामले की जांच महाराष्ट्र पुलिस कर रही है। जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र की सीमा से लगे मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र के समीप महाराष्ट्र के दौनीवाड़ा थाना अंतर्गत ग्राम बोंडरानी में यह वारदात हुई। वर्षा के शरीर, विशेषकर पीठ पर धारदार हथियार से चार वार किए जाने की जानकारी सामने आई है। शुरुआती तौर पर लूटपाट के बाद हत्या की आशंका जताई गई है, हालांकि वारदात के पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं है। मृतका की पहचान वर्षा तुरकर, पति समर सैयद (35), निवासी पुणे के रूप में हुई है। वह पेशे से एयर होस्टेस थी। वर्ष 2024 में समर सैयद के साथ प्रेम विवाह करने के बाद वह पुणे में रहने लगी थी। उसकी ढाई साल की एक बेटी है। दीपावली के अवसर पर वह बेटी के साथ अपने मायके आई हुई थी। इसी दौरान 14 नवंबर की शाम वह गोंदिया निवासी अपने परिचित रितेश अग्रवाल के साथ घूमने निकली थी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, शाम करीब 6 बजे रितेश अग्रवाल ने वर्षा के बहनोई अश्विनी उर्फ पप्पू पटले निवासी नवेगांव को फोन किया। उसने बताया कि उनके साथ लूटपाट हुई है और कुछ लोगों ने वर्षा पर चाकू से हमला कर दिया है। हमलावर वारदात के बाद मौके से फरार हो गए हैं और वर्षा गंभीर रूप से घायल है। सूचना मिलते ही अश्विनी अपने परिजनों के साथ घटनास्थल की ओर रवाना हुए। मौके पर पहुंचने पर वर्षा खून से लथपथ हालत में मिली। परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए खैरलांजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां शाम करीब 7 बजे चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बेटी की हत्या की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। घटना की सूचना खैरलांजी थाना पुलिस को दी गई। चूंकि वारदात महाराष्ट्र के दौनीवाड़ा थाना क्षेत्र में हुई थी, इसलिए संबंधित पुलिस को इसकी जानकारी साझा की गई। परिजनों के अनुसार, वर्षा की पहचान गोंदिया निवासी रितेश अग्रवाल से पढ़ाई के दौरान हुई थी। बताया जाता है कि वर्ष 2024 में वर्षा ने समर सैयद से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद परिवार ने नवेगांव छोड़कर किन्ही में अपना निवास बना लिया था।



दिल्ली में बनेगी अमेरिका की तर्ज पर हाई-सिक्योरिटी जेल, 150 करोड़ की लागत से तैयार होगा नरेला का आधुनिक परिसर

एआई कैमरे, लेजर बीम और सेंसर से होगी चप्पे-चप्पे की निगरानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली । नरेला में करीब 40 एकड़ क्षेत्र में 150 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक हाई-सिक्योरिटी जेल का निर्माण शुरू हो गया है। इस जेल का डिजाइन अमेरिका के कोलोराडो स्थित एडीएक्स फ्लोरेंस जेल की तर्ज पर तैयार किया जा रहा है, जिसे दुनिया की सबसे सुरक्षित जेलों में गिना जाता है। नई जेल में अत्याधुनिक निगरानी तकनीक और सुरक्षा व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी, ताकि कैदियों की गतिविधियों पर हर समय नजर रखी जा सके और फरार होने की कोशिशों को रोका जा सके। जेल परिसर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जो संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर तत्काल अलर्ट देंगे।



इसके अलावा फर्श में दबाव संवेदक और गति पहचानने वाले उपकरण लगाए जाएंगे। पूरे परिसर की निगरानी के लिए लेजर बीम और अन्य आधुनिक सुरक्षा प्रणालियां भी विकसित की जाएंगी। जेल के चारों ओर 12 फीट ऊंची कंटीले तारों वाली बाड़ बनाई जाएगी। सुरंग बनाकर भागने की कोशिशों को रोकने के लिए परिसर में विशेष एंटी-टनल उपकरण भी लगाए जाएंगे। नई जेल का ढांचा इस तरह तैयार किया जा रहा है कि एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से सभी विंग और बैरकों पर निगरानी रखी जा सके। प्रत्येक कैदी के लिए अलग सेल बनाई जाएगी। सेल के भीतर ही शौचालय और स्नानघर की व्यवस्था होगी, जिससे कैदियों की अनावश्यक आवाजाही और आपसी संपर्क सीमित किया जा सके। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सेल के अंदर बिस्तर, मेज, स्टूल, सिंक और शौचालय जैसी सुविधाएं ठोस कंक्रीट से तैयार की जाएंगी, ताकि किसी वस्तु का गलत इस्तेमाल न हो सके। निर्माण कार्य के दौरान जमीन की स्थिति भी बड़ी चुनौती बन रही है। अधिकारियों के अनुसार, नरेला में जेल के लिए चिह्नित जमीन दलदली है और यहां भूजल स्तर भी काफी ऊपर है।

ऐसे में मजबूत नींव तैयार करने के लिए करीब 6 हजार पाइल्स बनाई जा रही हैं। इसके साथ ही दलदली मिट्टी हटाकर लगभग 1 लाख 25 हजार घन मीटर मिट्टी भरने का काम किया जा रहा है। जेल का निर्माण दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के मुताबिक, दिल्ली की तिहाड़, मंडोली और रोहिणी जेलों की कुल क्षमता करीब 10,026 कैदियों की है, जबकि इनमें 19,500 से अधिक कैदी बंद हैं। क्षमता से लगभग दोगुने कैदियों के होने के कारण जेलों पर लगातार दबाव बना हुआ है।

इसी स्थिति को देखते हुए नरेला में नई जेल का निर्माण कराया जा रहा है, ताकि मौजूदा जेलों में कैदियों की संख्या का दबाव कम किया जा सके। नई जेल में आधुनिक तकनीक, मजबूत सुरक्षा व्यवस्था और अलग-अलग सेल की व्यवस्था के जरिए जेल प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने की योजना है। हालांकि, इस परियोजना की असली सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि निर्माण पूरा होने के बाद सुरक्षा प्रणालियां कितनी प्रभावी ढंग से काम करती हैं और दिल्ली की मौजूदा जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों की समस्या को कम करने में यह परिसर कितनी मददगार साबित होता है।

यमुना की सफाई पर करोड़ों खर्च, फिर भी प्रदूषण में इजाफा! सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को लगाई कड़ी फटकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

यमुना। नदी में लगातार बढ़ते प्रदूषण और सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद हालात में सुधार नहीं आने पर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी नाराजगी जताई है। न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने नदी की बदहाल स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारी रकम खर्च किए जाने के बाद भी प्रदूषण कम होने के बजाय बढ़ रहा है। यमुना में गिरने वाले 520 नालों और नदी की खराब हालत से स्पष्ट है कि इसके किनारे बसे शहरों और कस्बों में संबंधित प्रशासनिक एजेंसियां अपनी जिम्मेदारी का ठीक से निर्वहन नहीं कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यमुना की सफाई के लिए योजनाएं और बजट बनाने भर से समस्या का समाधान नहीं होगा। इसके लिए यह तय करना जरूरी है कि नदी में प्रदूषण कहां से और किसकी लापरवाही के कारण बढ़ रहा है। इसी दिशा में अदालत ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को निर्देश दिया है कि वह प्रत्येक राज्य, केंद्र शासित प्रदेश



और जिले में यमुना के प्रवेश और निकास बिंदुओं पर पानी की गुणवत्ता की नियमित निगरानी करे। पीठ ने स्पष्ट किया कि यदि किसी राज्य या जिले से गुजरने के दौरान नदी के पानी की गुणवत्ता खराब होती है, तो संबंधित प्राधिकरण को इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। ऐसे मामलों में जिम्मेदार अधिकारियों या प्राधिकरणों पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य प्रदूषण की जिम्मेदारी तय करना और एक-दूसरे पर आरोप लगाने के बजाय संबंधित प्रशासनिक इकाइयों को जवाबदेह बनाना है। अदालत ने यमुना एक्शन प्लान में दर्ज जानकारियों पर भी गंभीर सवाल उठाए। पीठ के अनुसार, योजना में दिल्ली के जोन 'ओ' के 35 जल निकायों और आर्द्रभूमियों को अतिक्रमण मुक्त बताया गया है, जबकि दिल्ली सरकार के अपने दस्तावेजों में इन सभी 35 स्थानों पर अतिक्रमण दर्ज है। सरकारी योजना और विभागीय दस्तावेजों के बीच इस बड़े अंतर पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए योजना में दी गई जानकारी की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए। सुप्रीम कोर्ट ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) की निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भी सख्त निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने सभी संबंधित संयंत्रों में एक महीने के भीतर छेड़छाड़-रोधी स्मार्ट ऊर्जा मीटर लगाने का आदेश दिया है। इन मीटरों से मिलने वाला वास्तविक समय का आंकड़ा भी अपलोड करना होगा, ताकि यह पता लगाया जा सके कि संयंत्र नियमित रूप से काम कर रहे हैं या नहीं। इसके अलावा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को हर तीन महीने में इन संयंत्रों का औचक निरीक्षण करने का गया है।

बिजली के तारों से निकली चिंगारी ने मचाई तबाही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। जालना जिले की परतूर तहसील के ब्रह्मवडगांव में बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी ने किसानों की महीनों की मेहनत को बर्बाद कर दिया। गन्ने के खेतों में अचानक आग लगने से देखते ही देखते आसपास के कई खेत इसकी चपेट में आ गए। इस हादसे में 10 से 12 किसानों की करीब 12 से 25 एकड़ जमीन पर खड़ी गन्ने की फसल जलकर राख हो गई। आग से किसानों को लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। जानकारी के अनुसार, ब्रह्मवडगांव के किसानों दीपक उगले, कैलास उगले, रामप्रसाद उगले, सुरेश उगले, नामदेव चव्हाण, माउली काले, लक्ष्मण मस्के, गुलाब मोरे, प्रकाश मस्के और अनिल टेकाले ने अपने खेतों में गन्ने की फसल लगाई थी। दोपहर के समय अचानक बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे निकली चिंगारी खेत में जा गिरी और गन्ने की फसल में आग लग गई। गन्ने की सूखी पत्तियों और फसल की वजह से आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। लपटें तेजी से आसपास के खेतों तक फैल गईं। किसानों को जब तक आग लगने की जानकारी मिली, तब तक कई एकड़ में खड़ी फसल जलने लगी थी। अचानक हुए इस हादसे से किसानों में अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। इसके बाद परतूर नगर परिषद के अग्निशमन दल को सूचना दी गई। दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, तब तक कई किसानों की गन्ने की फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी। इस हादसे ने प्रभावित किसानों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। महीनों की मेहनत, खेती पर किया गया खर्च और फसल से होने वाली आमदनी एक ही घटना में बर्बाद हो गई। पहले से ही सूखे और आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहे किसानों की मुश्किलें अब और बढ़ गई हैं।



बेटी की मौत की वजह से बुजुर्ग मां बदहवास, शादी के लिए लगातार दबाव बना रहा था सूरज, गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: मोती नगर में मेट्रो स्टेशन के पास स्थित एक कपड़े के शोरूम के चेंजिंग रूम में युवती की गला रेतकर हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी सूरज को गिरफ्तार कर लिया है। एडशनल डीसीपी वेस्ट सतीश चंद्र ने बताया कि शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से आरोपी की पहचान हुई। एसीपी पंजाबी बाग की निगरानी में पुलिस की 10 टीमों को आरोपी की तलाश में लगाया गया था। रविवार दोपहर सूरज को गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला कि शबनम की दो बड़ी बहनों की शादी आरोपी सूरज के दो बड़े भाइयों से 2023 में हुई थी। पुलिस ने सूरज को भले ही गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन परिवार वाले इस मामले में आरोपी के दो बड़े भाइयों, उनके पिता और मां पर भी गंभीर आरोप लगा रहे हैं। आरोप है कि यदि वे लोग सूरज को सपोर्ट नहीं करते, तो आज उनकी बेटी जिंदा होती। मृतका की मां ने बताया कि शुक्रवार को ही सूरज ने बेटी को धमकाया था कि अगर शादी नहीं करोगी तो जान से मार देंगे। हमें नहीं पता था कि वह बेटी की जान ले लेगा।



घूंसा मार मुंह और आंख सुजा दिया था

मृतका के भाइयों ने बताया कि शबनम आरोपी से शादी के लिए तैयार नही थी। उसका कहना था कि वे लोग बहनों की देखभाल ढंग से नही करते है। उनके साथ मारपीट करते है तो उसी घर में जाकर क्यों जिंदगी खराब करेगी। इसी बात को लेकर 2025 में सूरज ने घूसा मारकर उसकी आंख और मुंह सुजा दिया था। बहनों का घर बर्बाद ना हो इस वजह से समझौता कर लिया गया था।

शुरू में शोरूम में नहीं मिली थी शबनम

जिस शोरूम में हत्या हुई, उसके ठीक सामने दुकान चलाने वाली प्रत्यक्षदर्शी आसू ने बताया कि शनिवार शाम 6:45 बजे के आसपास उन्होंने शबनम को फोन यूज करते देखा था, लेकिन 7:30 बजे के आसपास शॉप के ओनर का फोन आया कि शबनम अंदर कही दिख नहीं रही है। दुकान खुली छोड़कर कही चली गई है, कस्टमर लौट रहे है। जब आसू वहां शोरूम में पहुची तो शबनम दिखाई नहीं पड़ी। उसके बाद मालिक ने किसी को भेजा। उन्होंने शटर बंद कर दिया और चले गए।

ऐसे हुआ शक ष्टष्टञ्जङ्घ में नहीं दिखी बाहर जाते हुए

वे लोग 8:30 बजे के आसपास फिर आए और सीसीटीवी फुटेज में चेक किया, तो शबनम दुकान से बाहर जाती दिखाई नहीं दी।

महाराष्ट्र के 'मिनी कश्मीर' में IAS तुकाराम मुंडे के अगुवाई में स्रष्ठ का बड़ा एक्शन, पर्यटन सीजन में 3 प्रमुख होटलों के लाइसेंस सस्पेंड



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई: आईएएस तुकाराम मुंढे की अगुवाई में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने महाबलेश्वर के कई प्रमुख होटलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। एफडीए की टीम की ओर से की गई अचानक छापेमारी में साफ-सफाई के मानकों में गंभीर कमियां पाई गईं। इसके चलते महाबलेश्वर में तीन होटलों के फूड बिजनेस के लाइसेंस सस्पेंड कर दिए गए हैं, जबकि पांच अन्य होटलों को नोटिस जारी कर कमियों को सुधारने का निर्देश दिया गया है। दिवाली की छुट्टियों के बीच हुई इस कार्रवाई से पहले से बुकिंग करा चुके सैकड़ों पर्यटकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं संबंधित होटल मालिकों को भी बड़ा झटका लगा है।

फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के कमिश्नर का पद संभालने के बाद से ही तुकाराम मुंडे ने पूरे राज्य में नियमों का सख्ती से पालन कराने का अभियान शुरू कर दिया है। दिवाली की व्यस्त छुट्टियों के दौरान संयुक्त आयुक्त संजय शिंदे के नेतृत्व में एफडीए की टीम ने महाबलेश्वर में अचानक छापेमारी की। महाबलेश्वर को महाराष्ट्र का 'मिनी कश्मीर' कहा जाता है। एफडीए की कार्रवाई से इससे स्थानीय होटल व्यवसायी सकते में आ गए। एफडीए टीम ने कई होटलों की रसोई और वहां की अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया।

तीन प्रमुख होटलों में मिलीं गंभीर कमियां

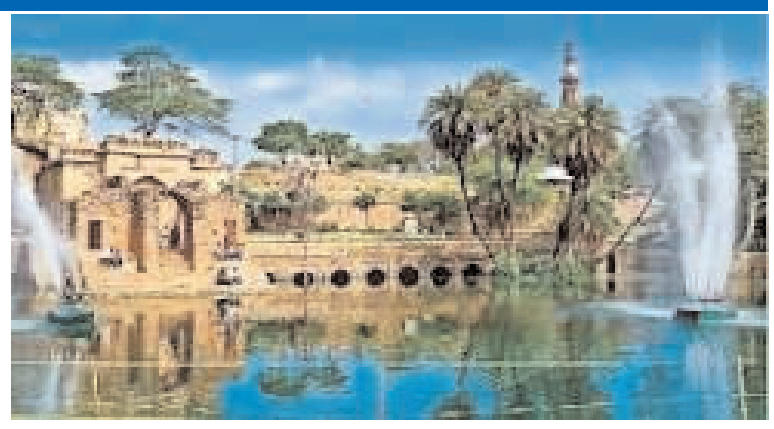
छापेमारी के दौरान एफडीए टीम ने तीन जाने-माने होटलों में साफ-सफाई से जुड़े गंभीर उल्लंघन पाए, जबकि पांच अन्य होटलों में भी स्वच्छता नियमों का पालन नहीं होता पाया गया। होटल एवरशाइन (महाबलेश्वर), होटल रामसुख (क्षेत्र महाबलेश्वर) और होटल ब्राइटलैंड (नकिंडा) में सबसे गंभीर कमियां पाई गईं। इनके फूड बिजनेस के लाइसेंस एक निश्चित अवधि के लिए निलंबित कर दिए गए हैं। नतीजतन इन होटलों को अपनी सभी फूड सर्विस को बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

पर्यटक आमतौर पर दिवाली की छुट्टियों के लिए दो से तीन महीने पहले ही होटल बुक कर लेते हैं। महाबलेश्वर के सभी होटल पहले से ही पूरी तरह बुक थे। ऐसे में इस अचानक हुई कार्रवाई ने होटल मालिकों और पर्यटकों दोनों को बुरी तरह प्रभावित किया है। कुछ पर्यटकों को अपनी यात्रा की योजना रद्द करनी पड़ी है, जबकि कई अन्य लोग आखिरी समय में रहने के लिए कोई दूसरी जगह खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

दिल्ली में 19 से 21 नवंबर तक मनेगा वर्ल्ड हेरिटेज वीक, तीन दिन में ऐतिहासिक धरोहरों की सैर कराएगा डीडीए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। राजधानी के ऐतिहासिक स्मारकों, कला और सांस्कृतिक विरासत से लोगों को जोड़ने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) 19 से 21 नवंबर तक वर्ल्ड हेरिटेज वीक का आयोजन करेगा। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम के तहत डियर पार्क, हौज खास, महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क और कोरोनेशन पार्क में हेरिटेज वॉक, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और रचनात्मक कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इनमें स्कूली बच्चों, आम नागरिकों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को दिल्ली के गौरवशाली इतिहास, ऐतिहासिक स्मारकों और सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित कराना है। कार्यक्रम में हेरिटेज वॉक के माध्यम से प्रतिभागियों को शहर की ऐतिहासिक धरोहरों के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही ब्लॉक प्रिंटिंग और कैलीग्राफी जैसी रचनात्मक कार्यशालाएं भी होंगी। यह आयोजन प्रधानमंत्री के 'विकास भी, विरासत भी' विजन और दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना के निर्देशों के



तहत किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत 19 नवंबर को डियर पार्क और हौज खास क्षेत्र में स्कूली बच्चों की हेरिटेज वॉक से होगी। इंटैक दिल्ली चैप्टर के सहयोग से आयोजित इस वॉक में बच्चे बाग-ए-आलम का गुंबद, काली गुमटी, तेहफे वाला गुंबद और मुंडा गुंबद जैसे ऐतिहासिक स्मारकों को देखेंगे। इस दौरान उन्हें हौज खास झील और किले के इतिहास से भी परिचित कराया जाएगा। साथ ही जलाशयों के संरक्षण और उनके पुनर्जीवन की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी जाएगी। 20 नवंबर को महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क में आम लोगों के लिए हेरिटेज वॉक आयोजित की जाएगी। इसमें प्रतिभागियों को जमाली-कमाली, बलबन का मकबरा, मेटकाफ फॉली, मेटकाफ बोटहाउस और कुली खान के मकबरे सहित कई ऐतिहासिक स्थलों की सैर कराई जाएगी। इसी दिन शाम को अंतरराष्ट्रीय वायलिन वादक जोहर अली खान अपनी संगीत प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के अंतिम दिन 21 नवंबर को कोरोनेशन पार्क में हेरिटेज और क्रिएटिविटी डे मनाया जाएगा।

डिजिटल पेमेंट को मिलेगी रफ्तार, दुकानदारों को इंसेंटिव देगी एनपीसीआई

मुंबई ।

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए एक नई स्कीम शुरू की है। छोटे दुकानदारों को अब यूपीआई क्यूआर कोड और साउंड बॉक्स लगाने पर वित्तीय प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे डिजिटल लेनदेन को जमीनी स्तर पर बढ़ावा मिलेगा। एनपीसीआई द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत, नए दुकानदारों को पहली बार यूपीआई क्यूआर कोड स्थापित करने पर 300 रुपये का इंसेंटिव मिलेगा। वहीं भुगतान अलर्ट के लिए साउंड बॉक्स लगाने पर 750 रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा। दो हजार रुपये तक के पात्र यूपीआई लेनदेन भी इस योजना में शामिल होंगे। इस पहल का सीधा लाभ किराना दुकानदारों, फेरीवालों और छोटे रिटेल व्यापारियों को मिलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य छोटे शहरों और दूर-दराज के इलाकों में डिजिटल भुगतान के इस्तेमाल को बढ़ाना है। यह योजना डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगी।

उज्ज्वला लाभार्थियों को 625 में मिल रहा रसोई गैस सिलेंडर

नई दिल्ली ।

घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में सोमवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सरकार की ओर से बड़ी सब्सिडी जारी है, जिसके चलते दिल्ली में उन्हें घरेलू सिलेंडर मात्र 642 रुपए में मिल रहा है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, एक एलपीजी सिलेंडर के उत्पादन पर कंपनी का खर्च 1,267.24 रुपए है। उज्ज्वला योजना के तहत केंद्र सरकार इस लागत और लाभार्थी द्वारा चुकाई जाने वाली राशि के बीच 625.24 रुपए का बड़ा अंतर वहन करती है। इस योजना का लाभ जारी रखने के लिए लाभार्थियों को ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है, जिसे गैस कंपनी के मोबाइल ऐप या नजदीकी गैस एजेंसी पर जाकर किया जा सकता है। देश के प्रमुख शहरों में घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें स्थिर हैं। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर 942.50 रुपए और 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल सिलेंडर 2,820 रुपए में उपलब्ध है। अन्य शहरों में भी कीमतें लगभग इसी स्तर पर बनी हुई हैं।

मिस्र ने भारतीय कंपनियों को विशेष निवेश क्षेत्र स्थापित करने का न्योता दिया

काहिरा ।

मिस्र ने भारत के साथ आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की इच्छा व्यक्त करते हुए भारतीय कंपनियों से अपने देश में विशेष निवेश क्षेत्र या मुक्त व्यापार क्षेत्र स्थापित करने का आग्रह किया है। मिस्र ने इसके लिए जमीन और हरसंभव मदद की पेशकश की है, जिसका वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने स्वागत किया। मिस्र के निवेश एवं विदेशी व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने भारतीय कारोबारियों से स्वेज नहर और गोल्डन ट्रायंगल जैसे आर्थिक क्षेत्रों में निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से भारत के लिए एक ऐसा क्षेत्र बनाने का सुझाव दिया, जहाँ दोनों देशों की कंपनियाँ मिलकर उत्पादन और व्यापार कर सकें तथा एक साझा व्यावसायिक संस्कृति विकसित कर सकें। सालेह ने जमीन की उपलब्धता और सरकारी सहायता का आश्वासन दिया। यह पहल ऐसे समय में आई है जब भारत और मिस्र विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं।

श्रीलंका की कंपनी को अंडमान में बिजली संयंत्र बनाने का 7.5 करोड़ डॉलर का ठेका

ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

कोलंबो ।

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह की बिजली आपूर्ति को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, श्रीलंका की कंपनी लखदनवी को 57 मेगावाट का बिजली संयंत्र स्थापित करने के लिए 7.5 करोड़ डॉलर (लगभग 625 करोड़ रुपये) का ठेका मिला है। यह परियोजना भारत और श्रीलंका के बीच बढ़ते आर्थिक सहयोग का भी प्रतीक है। कंपनी ने सोमवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। लखदनवी ने 21 सितंबर को इस परियोजना के लिए भारत की राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह संयंत्र पोर्ट ब्लेयर के होप टाउन में स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना से द्वीपों के बिजली बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) के माध्यम से दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और भविष्य में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 512, निफ्टी 146 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 512.34 अंक बढ़कर 82,104.79 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 146.80 अंक उछलकर 25,291.10 पर पहुंच गया।

हालांकि व्यापक बाजारों का प्रदर्शन प्रमुख बेंचमार्कों से कमजोर रहा, जिनमें निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में क्रमशः 0.51 फीसदी और 1.10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार देखे तो निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी बैंक में सबसे ज़्यादा तेजी देखने को मिली, जिनमें 1.87फीसदी और 0.89 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा का प्रदर्शन खराब रहा है।

मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में प्रॉफिट बुकिंग के कारण व्यापक बाजारों का प्रदर्शन कमजोर रहा, जो ऊंचे स्तरों पर निवेशकों के सतर्क रुख को दिखाता है। इस बीच, लगातार खरीदारी के चलते दिग्गज शेयरों और बैंकिंग शेयरों में तेजी आई।

आज क्षेत्रीय सूचकांकों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 1.2 फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ



सबसे आगे रहा। इसके अलावा निफ्टी बैंक, प्राइवेट बैंक, मीडिया, इंफ्रा और पीएसयू बैंक इंडेक्स में भी 0.3फीसदी से 0.6फीसदी तक की तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर, रियल्टी इंडेक्स में 1.9फीसदी, फार्मा में 1.7फीसदी, मेटल में 1.5फीसदी, ऑटो में 1.5फीसदी और एनर्जी इंडेक्स में 0.6फीसदीकी गिरावट देखने को मिली।

वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की जोरदार बढ़त के साथ शुरुआत हुई। कमजोर वैश्विक संकेतों को दरकिनार करते हुए घरेलू बाजार हरे निशान में खुला। आज सुबह सेंसेक्स 560 अंकों से अधिक उछल गया, जबकि एनएसई निफ्टी भी 140.30 अंक चढ़कर 25,284.60 पर कारोबार करता दिखा। बाजार को पीएसयू बैंकों और हेल्थकेयर शेयरों में आई तेजी से मजबूत सहारा मिला।

रुपया गिरावट के साथ बंद



मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.94 पर बंद हुआ। रुपया सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में छह पैसे की बढ़त के साथ ही 94.13 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख से भी रुपये को बल मिला। अमेरिका और ईरान के बीच अनिश्चितता के बीच डॉलर में मजबूती और अमेरिकी कोष बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि ने रुपये की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.22 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.13 के उच्च स्तर और 94.25 के निचले स्तर तक गया। रुपया शुक्रवार को सात पैसे टूटकर 94.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 103.44 पर रहा।

आईडीबीआई बैंक निजीकरण पर घमासान, डील रोकने आरबीआई से लगाई गुहार

यूनियन ने कनाडाई कंपनी फेयरफैक्स की क्षमता और हितों के टकराव पर उठाए सवाल

नई दिल्ली ।

आईडीबीआई बैंक के प्रस्तावित निजीकरण को लेकर विवाद और गहरा गया है। बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों के संगठन ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से बैंक की बिक्री प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। वे कनाडाई कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स को बैंक बेचने के प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए पूरे सौदे की स्वतंत्र जांच कराने की अपील कर रहे हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ आईडीबीआई ऑफिसर्स एंड एम्प्लॉइज ने आरबीआई गवर्नर से 52,878 करोड़ रुपये के प्रस्तावित सौदे को रोकने की अपील की है।

यूनियन ने आरबीआई से सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को इस विनिवेश प्रक्रिया को रद्द करने की सलाह देने का भी आग्रह किया है। अक्टूबर 2026 में, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने फेयरफैक्स की सहायक कंपनी को आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक खरीदार के रूप में मंजूरी दी थी, जिसके तहत केंद्र और एलआईसी अपनी कुल 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे। हालांकि, यूनियन ने फेयरफैक्स की बैंकिंग क्षेत्र में विशेषज्ञता और इतने बड़े बैंक को संभालने की क्षमता पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

टेक्नोलॉजी का जादू-एआई के दम पर दौड़ेगी दुनिया की अर्थव्यवस्था रिपोर्ट

2027 में भारत की वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

गोल्डमैन सैक्स ने अपनी नवीनतम ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक 2027 रिपोर्ट में वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण पेश किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2027 में वैश्विक अर्थव्यवस्था 2.8 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो 2026 के अनुमानित 2.7 फीसदी की वृद्धि से थोड़ा अधिक है।

ऊर्जा कीमतों में कमी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में लगातार निवेश इस वृद्धि के मुख्य आधार होंगे, जो सख्त वित्तीय स्थितियों और सरकारी खर्च में कमी के प्रभाव को संतुलित करेंगे। गोल्डमैन सैक्स के एक मुख्य अर्थशास्त्री के अनुसार, 2027 में सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ठोस लेकिन सामान्य रहेगी। रिपोर्ट बताती है कि 2026 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर दबाव डालने वाली ऊर्जा कीमतें, 2027 में इनका मामूली असर पड़ेगा। गोल्डमैन सैक्स के कमोडिटी विश्लेषकों का अनुमान है कि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 2027 के अंत तक 78 डॉलर प्रति बैरल तक गिर जाएंगी। वैश्विक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की कीमतों में भी इसी तरह की कमी आएगी, जिससे आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा। एआई निवेश और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का प्रदर्शन- कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश 2027 में बढ़कर 1.8 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जो 2026 में 1.1 ट्रिलियन डॉलर था।

अकेले एआई निवेश 2027 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि में 0.4 प्रतिशत अंक का योगदान दे सकता है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में, भारत की वृद्धि 2027 में 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है, जो हालांकि 2026 के 7.9 फीसदी से कम है, लेकिन 6.8 फीसदी के आम सहमति अनुमान से अधिक है। चीन की अर्थव्यवस्था 4.5 फीसदी और अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

गोल्डमैन सैक्स को उम्मीद है कि ऊर्जा कीमतों में गिरावट से वैश्विक महंगाई कम होगी। अमेरिका में, व्यक्तिगत उपभोग व्यय सूचकांक द्वारा मापी गई मुख्य महंगाई 2027 के अंत तक 2.4 फीसदी तक गिरने का अनुमान है, जो 2026 के अंत में 3.2 फीसदी थी।

हालांकि, रिपोर्ट ने वैश्विक वृद्धि परिदृश्य के लिए नकारात्मक जोखिमों की चेतावनी भी दी है। इनमें ईरान युद्ध का फिर से बढ़ना, बड़े सरकारी घाटे से बढ़ती उधार लागत, और क्षमता बाधाओं या कमजोर मांग के कारण एआई निवेश का उम्मीद से कम होना शामिल है, जो वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर असर डाल सकते हैं।

मंगलम और आदित्य बिड़ला की दो कंपनियां चीन की होंगी, 265 मिलियन डॉलर में हुई डील

नई दिल्ली।

भारत के अरबपति कुमार मंगलम बिड़ला की आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी नोवेलिस चीन में अपनी दो कंपनियों को बेचने का फैसला किया है। ये डील 14 नवंबर को हुई। डील की कुल कीमत करीब 265 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,497.50 करोड़ रुपए है। हालांकि अगर सौदे से जुड़ी कुछ शर्तें पूरी होने पर 10 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त भुगतान भी मिल सकता है।

हिंडाल्को का कहना है कि इस कदम का मकसद अपने वैश्विक कारोबार को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करना और भविष्य की रणनीति के मुताबिक कारोबार पर ध्यान केंद्रित करना है। इस डील के तहत हिंडाल्को की सब्सिडियरी नोवेलिस अपनी दो पूर्ण स्वामित्व वाली चीनी सब्सिडियरी कंपनियों को बेचेगी। ये दोनों कंपनियां चीन में नोवेलिस के कारोबार का हिस्सा हैं। नोवेलिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी है। इस तरह इन कंपनियों का अप्रत्यक्ष संबंध आदित्य बिड़ला ग्रुप से है।

हिंडाल्को ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि इन दोनों कंपनियों को खरीदने वाली कंपनी उसकी सहयोगी कंपनियां हैं। यह सौदा 14 नवंबर 2026 को फाइनल एग्रीमेंट के जरिए किया गया। हालांकि, इसे पूरा होने में अभी समय लगेगा। कंपनी के मुताबिक जरूरी नियामकीय मंजूरियां मिलने के बाद अगले 12 महीनों के अंदर यह डील पूरी होने की उम्मीद है। हिंडाल्को ने बताया कि खरीदार का संबंध हिंडाल्को के प्रमोटर ग्रुप या उसकी ग्रुप कंपनियों से नहीं है। इसलिए इस सौदे को संबंधित पक्षों के बीच होने वाला लेनदेन नहीं माना जाएगा।

चीन की इन दोनों कंपनियों का हिंडाल्को के कुल कारोबार में योगदान भी रहा है। वित्त वर्ष 2026 में इन कंपनियों ने करीब 376 मिलियन डॉलर यानी करीब 3,319 करोड़ रुपए की नेट सेल्स दर्ज की थी।

यह हिंडाल्को की कुल नेट सेल्स का करीब एक फीसदी था। वहीं, इन कंपनियों का योगदान हिंडाल्को की नेटवर्थ में भी रहा। वित्त वर्ष 2026 के आखिरी में इनकी नेटवर्थ करीब 259 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,420 करोड़ रुपए थी। यह हिंडाल्को की कुल नेटवर्थ का करीब 2 फीसदी हिस्सा था।

निवेशकों की पहली पसंद बने लार्ज एंड मिडकैप फंड्स

अक्टूबर में दोगुना हुआ इनफ्लो, इन 3 स्कीम्स ने दिया 11 फीसदी से अधिक का रिटर्न

मुंबई ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच लार्ज एंड मिडकैप फंड्स की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। अक्टूबर 2026 में इक्विटी म्यूचुअल फंड की सभी कैटेगरी में इन्होंने सबसे ज्यादा निवेश आकर्षित किया, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, इस कैटेगरी में अक्टूबर में 8,484.23 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड नेट इनफ्लो दर्ज किया गया, जो सितंबर के 4,271.22 करोड़ रुपये से लगभग दोगुना है।

यह दर्शाता है कि निवेशक इस कैटेगरी में अपना भरोसा बढ़ा रहे हैं। सिर्फ इनफ्लो ही नहीं, रिटर्न के मामले में भी इन फंड्स ने निवेशकों को निराश नहीं किया। एक साल के रिटर्न के लिहाज से टॉप 3 स्कीम्स ने 11 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। इनमें इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड, एचएसबीसी लार्ज एंड मिडकैप फंड और क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड शामिल हैं। इन तीनों का कुल एयूएम 23,800 करोड़ रुपये से अधिक है।

थोक मुद्रास्फीति में बड़ा उछाल, अक्टूबर में 12.29 फीसदी पहुंची

ईंधन-बिजली, खाद्य पदार्थों और खनिजों की ऊंची कीमतों ने दिया जोर

नई दिल्ली ।

अक्टूबर में थोक मुद्रास्फीति एक बार फिर बढ़कर 12.29 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो सितंबर के 11.39 प्रतिशत से काफी अधिक है। ईंधन एवं बिजली, खाद्य पदार्थों, खनिजों और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भारी उछाल इस वृद्धि के प्रमुख कारण रहे हैं, जिससे आम जनता और उद्योगों दोनों पर दबाव बढ़ रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, ईंधन एवं बिजली की महंगाई अक्टूबर में 32.84 प्रतिशत रही, जो सितंबर में 25.85 प्रतिशत थी। इसी तरह, खाद्य पदार्थों की महंगाई दर भी बढ़कर 8.26 प्रतिशत हो गई, जबकि पिछले महीने यह 8.14 प्रतिशत थी। खनिजों में कीमतों में वृद्धि की दर 12.64 प्रतिशत रही, जो सितंबर में 9.51 प्रतिशत थी।



कुल मिलाकर, प्राथमिक वस्तुओं की श्रेणी में थोक महंगाई अक्टूबर में बढ़कर 9.24 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो पिछले महीने 8.67 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने बताया कि खनिज तेल, कच्चा पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, बिजली, बुनियादी धातुओं का विनिर्माण, रसायन एवं रासायनिक उत्पादों और खाद्य उत्पादों का विनिर्माण सहित विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी ने थोक महंगाई को बढ़ावा दिया है।

महानदी कोलफील्ड्स का आईपीओ 19 नवंबर को खुलेगा

मूल्य दायरा 129-136 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली ।

कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) अपने 8,981 करोड़ रुपये के महत्वाकांक्षी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के साथ बाजार में उतरने की तैयारी में है। ओडिशा स्थित इस कंपनी ने अपने शेयरों के लिए 129-136 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। यह निर्गम 19 नवंबर को अभिदान के लिए खुलेगा और 23 नवंबर को बंद हो जाएगा, जिससे निवेशकों के लिए एक नया अवसर पैदा होगा। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड का यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसके तहत प्रवर्तक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड अपनी 66.18 करोड़ इक्विटी शेयर बेचकर पूंजी जुटाएगी। चूंकि यह एक ओएफएस है, इसलिए आईपीओ से मिलने वाली पूरी राशि एमसीएल के बजाय शेयर बेचने वाली कंपनी कोल इंडिया को प्राप्त होगी।

एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 18 नवंबर को शुरू होगी। सफल निर्गम के बाद, कंपनी के शेयर 27 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने की संभावना है। यह सूचीबद्धता कोल इंडिया के लिए विनिवेश प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो देश के घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान करती है।

भारत-मिस्र का महत्वाकांक्षी लक्ष्य, 12 अरब डॉलर व्यापार का रोडमैप

संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय, गैर-शुल्क बाधाएं हटाने और बाजार पहुंच बेहतर करने पर जोर

काहिरा ।

भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 6.5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 12 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है।

इसके लिए दोनों देशों ने गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुगम बनाने और बाजार तक पहुंच बेहतर करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह विचार-विमर्श रविवार को हुई भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) की बैठक में हुआ, जिसकी सह-अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने की। द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों ने एक तरजीही व्यापार समझौते या मुक्त व्यापार समझौते की संभावनाओं पर विचार करने हेतु एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, उत्पादों के पंजीकरण और व्यापार संबंधी नियामकीय प्रक्रियाओं सहित कारोबारी गतिविधियों को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने मौजूदा व्यापार संबंधों की समीक्षा करते हुए इसे 12 अरब डॉलर तक ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, साथ ही व्यापार में विविधता लाने, मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा देने और व्यापार संबंधी चुनौतियों का समाधान करने पर जोर दिया।

प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दवा एवं चिकित्सा उपकरण, इंजीनियरिंग, बिजली उपकरण, उर्वरक, कपड़ा, नवीकरणीय ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।

दोनों देशों ने संयुक्त विनिर्माण और निवेश को प्रोत्साहित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया।

मिस्र के औद्योगिक क्षेत्रों में भारतीय निवेश और भारत के तेजी से बढ़ते विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में मिस्र के निवेश के अवसरों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। 'इन्वेस्ट इंडिया' और मिस्र के निवेश एवं मुक्त क्षेत्र प्राधिकरण के बीच एक रूपरेखा समझौते को मजबूत करने में भी रुचि दिखाई गई, जिसमें एक प्रस्तावित डिजिटल मंच भी शामिल है।

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज से बिगड़ा काम, जानिए कैसे मिलेगा सेवा बाधित होने का क्रेडिट

आउटलुक, टीम्स, वनड्राइव और को-पायलट जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के प्रभावित होने से कर्मचारियों का काम रुका

मुंबई ।

हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक तकनीकी खराबी ने दुनियाभर के दफ्तरों और कारोबारों को घंटों तक ठप कर दिया। आउटलुक, टीम्स, वनड्राइव और को-पायलट जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के प्रभावित होने से कर्मचारियों का काम रुक गया और कंपनियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। अब सवाल यह है कि अपनी पसंदीदा माइक्रोसॉफ्ट 365 और ऑफिस 365 सेवाओं के लिए नियमित भुगतान करने वाले बिजनेस ग्राहकों को इस व्यवधान के लिए क्या कोई मुआवजा मिलेगा? माइक्रोसॉफ्ट अपने बिजनेस ग्राहकों के साथ सर्विस लेवल एग्रीमेंट (एसएलए) करती है, जिसके तहत वह मासिक आधार पर 99.9 फीसदी अपटाइम का लक्ष्य रखती है। यदि किसी सेवा का अपटाइम इस निर्धारित सीमा से कम होता है, तो पात्र बिजनेस ग्राहक बिल क्रेडिट के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी ग्राहकों को पूरा पैसा वापस मिलेगा, क्योंकि क्रेडिट की राशि कई कारकों पर निर्भर करती है। कंपनी प्रभावित यूजर्स की संख्या और उनके काम में हुई कुल रुकावट (यूजर मिनट्स) का हिसाब लगाती है। क्रेडिट की राशि भी उस विशिष्ट सेवा पर निर्भर करेगी जिसमें खराबी आई थी। उदाहरण के लिए, यदि केवल आउटलुक बाधित हुआ था और माइक्रोसॉफ्ट 365 की अन्य सेवाएं सामान्य रूप से काम कर रही थीं, तो ग्राहक को केवल आउटलुक के हिस्से का ही मामूली क्रेडिट मिल पाएगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह सुविधा मुख्य रूप से उन बिजनेस ग्राहकों के लिए है जिन्होंने माइक्रोसॉफ्ट सेवाओं के लाइसेंस खरीदे हैं; व्यक्तिगत कर्मचारी सीधे मुआवजे का दावा नहीं कर सकते। क्रेडिट पाने के लिए प्रभावित कंपनियों को स्वयं दावा करना होगा, क्योंकि माइक्रोसॉफ्ट स्वचालित रूप से क्रेडिट जारी नहीं करती।

सर्दियां आते ही स्किन हुई बेजान? इन 6 आसान घरेलू नुस्खों से पाएं गुलाबी निखार



सर्दियां आते ही स्किन नमी खोने लगती है और शरीर में रूखापन, खुजली और फटी त्वचा की समस्या बढ़ने लगती है। सर्द हवाएं और कम नमी वाला वातावरण स्किन की नेचुरल ऑयल लेयर को नुकसान पहुंचाते हैं जिससे स्किन डल और ड्राई हो जाती है। इस मौसम में स्किन को हाइड्रेट रखना काफी जरुरी होता है। अगर आप बाजार के केमिकल युक्त बॉडी लोशन लगाएं तो इससे आपकी स्किन चमक खो देगी। इसके बजाय आप प्राकृतिक चीजें जैसे कि नारियल तेल, एलोवेरा जेल, दूध, शहद और घी त्वचा के अंदर से पोषण प्रदान करके स्किन को सॉफ्ट बनाता है। आइए आपको कुछ आसान और असरदार घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं, जो आपकी स्किन को सॉफ्ट करेगा और बॉडी के रुखेपन और जलन को हटाएगा।

विंटर ड्राईनेस से बचने के लिए 6 घरेलू चीजें

नारियल तेल

कोकोनट ऑयल स्किन को बेहतरीन नेचुरल मॉइश्चराइजर है। नारियल तेल में एंटीऑक्सीडेंट और फैटी एसिड होते हैं जो त्वचा की नमी को बनाए रखता है। स्नान के बाद हल्का सा नारियल तेल पूरे शरीर पर लगाएं।

सरसों का तेल

हर भारतीय घर में सरसों का तेल पारंपरिक तरीका है जो सर्दियों में स्किन को गर्मी और नमी देता है। प्रतिदिन नहाने से पहले हल्का गुनगुना तेल शरीर पर लगाएं इसके बाद स्नान करें।

एलोवेरा जेल

स्किन को हाइड्रेट करता है एलोवेरा जेल, इसमें हाइड्रेटिंग प्रॉपर्टीज होती है। इसे रोज नहाने के बाद स्किन पर नमी बरकरार रखने के लिए और खुजली की समस्या को दूर करता है।

दूध और शहद

वैसे दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जो स्किन को सॉफ्ट बनाता है और शहद नेचुरल ह्यूमेक्टेंट है। दोनों को मिलाकर हल्का मसाज करें और इसे 15 मिनट बाद धो लें।

घी

घी एक नेचुरल मॉइस्चराइजर है, इसे खासकर कोहनी, घुटनों और एड़ियों पर लगाने से रूखापन और स्किन फटने की समस्या दूर हो जाती है।

ओट्स और दही

ड्राई स्किन की समस्या को दूर करने के लिए यह नुस्खा बेहद कमाल का है। यह प्रकार का नेचुरल स्क्रब की तरह काम करता है। ओट्स पाउडर और दही मिलाकर लगाएं, 15 मिनट बाद इसे धो लें, आपकी त्वचा सॉफ्ट होती है।

इन चीजों का ध्यान रखें

» दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं जिससे आपका शरीर अंदर से हाइड्रेट रहेगा।

» बहुत गर्म पानी से नहाने से बचें, यह आपकी स्किन के नेचुरल ऑयल परत को नुकसान पहुंचाता है।

» डेली मॉइश्चराइजर लगाएं और कॉटन के कपड़े पहनें।





रोजाना हर घर में होता है कि नाश्ता, लंच और डिनर में क्या बनाएं। रोज जो खाने में बनता है बच्चे भी खाने में कमी निकालने लगते हैं। लौकी-तोरई खाकर सब पक भी जाते हैं। इस वजह से आजकल मम्मियां भी सब्जियों को अलग-अलग तरीके से ट्राई करके डिशेज बना सकती है। बाजार में कई तरह की सब्जियां मिलती है, अगर आप बार-बार वहीं सब्जियां खाकर पक गए हैं, तो घर पर ट्राई करें कॉर्न कोफ्ता की सब्जी। कॉर्न कोफ्ता करी बनाना बेहद आसान है। आइए आपको कॉर्न कोफ्ता की रेसिपी के बारे में बताते हैं।

लौकी-तोरई से ऊब गए? बनाएं ये झटपट कॉर्न कोफ्ता, स्वाद ऐसा कि उंगलियां चाटते रह जाएंगे!

कॉर्न कोफ्ता करी कैसे बनाएं

» सबसे पहले आप कॉर्न कोफ्ता बनाने के लिए पकोड़ो बनाने की आवश्यकता पड़ेगी।

» इसके लिए आप कॉर्न को कद्दूकस कर लें।

» अब आप पल्प को बाउल में निकाल कर आधा हिस्सा प्लेट में रख लें।

» इसमें अब बेसन डालकर थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए गाढ़ा घोल बना लीजिए।

» अब 1/4 छोटी चम्मच नमक, 1 छोटी चम्मच ग्रेटेड अदरक, 2 बारीक कटी हुई हरी मिर्च और 4-5 बड़े चम्मच हरा धनिया डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

» 2-3 मिनट तक घोल को साइड में रख लें और अब कड़ाही में तेल गर्म कर लें।

» अब आप छोटे-छोटे या अपने मनपसंद आकार में पकोड़े बनाकर तैयार कर लें।

ग्रेवी को कैसे बनाएं

» ग्रेवी बनाने के लिए मिक्सर जार में 5 टमाटर, 2 हरी मिर्च और 1 इंच अदरक डालें और इसे बारीक पीस लें।

» इसके बाद पेन में 2-3 बड़े चम्मच तेल डालकर गरम कर 1/2 छोटी चम्मच जीरा और 1 पिंच हींग डालें और इसे भून लीजिए।

» अब टमाटर का पेस्ट डालें और इसे धीरे-धीरे चलाते रहे हैं। अब इसमें 1/2 छोटी चम्मच हल्दी पाउडर, 1 छोटी चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च और 1.5 छोटी चम्मच धनिया पाउडर डालकर मिला लें और इसे थोड़ी देर तक चलाते रहे हैं।

» मसाले के आधा पक जाने पर इसमें बचाया हुआ ग्रेट भुट्टा और 1 बड़े चम्मच कसूरी मेथी डालकर अच्छे से मिला दीजिए।

» जब उबाल आए तो इसे थोड़ी देर चलाते हुए 5 मिनट तक और पकाएं। ग्रेवी गाढ़ी होने पर बनाएं हुए पकोड़े डाल दें।

» इसके बाद करी को 5 मिनट तक और पकाएं, इसमें 1 छोटी चम्मच घी डाल कर अच्छा से मिलाकर फ्लेम बंद करें।

» यह लीजिए तैयार है आपकी कॉर्न कोफ्ता करी। इसको आप रोटी या चावल के साथ खा सकते हैं।

कॉर्न कोफ्ता बनाते समय इन बातों का रखें ध्यान

» कॉर्न कोफ्ता करी बनाने के लिए आप बेबी कॉर्न को चूज करें।

» मसाला को लो फ्लेम पर ही बनाएं।

» कोफ्ता के पकोड़े बनाते समय गैस को लो फ्लेम पर पकाए और चलाते हुए जरुर पकाएं।

मेहमानों को खिलाएं 5 फ्लेवर का पोटली समोसा, हर कोई पूछेगा रेसिपी

समोसा खाना लगभग हम सभी को पसंद होता है। यह एक परफेक्ट स्नैक है, लेकिन अगर आप भी आलू वाला समोसा खाकर बोर हो गई हैं। तो अब आप थोड़ा नया और मजेदार पोटली समोसा ट्राई करें। जितना प्यारा इसका नाम है, उतना ही इसका लुक और टेस्ट भी लाजवाब होता है। गोल-गोल छोटी पोटली जैसी शेप में बना यह समोसा अंदर से टेस्टी और क्रिस्पी होता है। खास बात यह है कि आप इसको 5 अलग-अलग फ्लेवर में तैयार कर सकती हैं। जिससे कि हर बार इसका स्वाद अलग और नया लगे। आप त्योहारों में इसको स्नैक्स की तरह भी बना सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप कौन-कौन से फ्लेवर में पोटली समोसा बनाकर तैयार कर सकती हैं। वहीं यह मेहमानों को भी बेहद पसंद आएगा।

आलू मसाला पोटली समोसा

आलू मसाला वाला पोटली समोसा सबसे पसंदीदा और क्लासिक फ्लेवर है। इसको बनाने के लिए उबले आलू, हरी मिर्च, मटर, अदरक और थोड़ा सा गरम मसाला मिलाकर फिलिंग तैयार कर लें। अब पतली मैदा की पोटली बनाकर फीलिंग करें और इसके किनारे को पोटली शेप दें। अब तेल में इसको सुनहरा होने तक तलें। इस समोसे का स्वाद करीब-करीब हर किसी को पसंद आएगा।

पनीर पोटली समोसा

अगर आप भी रिच फ्लेवर चाहती हैं, तो आपको एक बार पनीर पोटली समोसा ट्राई करना चाहिए। इसके लिए पनीर को मैश या ग्रेट करके इसमें हरी मिर्च, धनिया, प्याज और नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें। आप चाहें तो इसमें चीज भी मिला सकती हैं। अब इसको पोटली की तरह बंद कर दें। यकीनन पनीर पोटली समोसा बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आएगा।

वेज मिक्स पोटली समोसा

अगर आपके बच्चे भी सब्जियां खाने में आनाकानी करते हैं, तो आप उनको वेज म?क ?स पोटली समोसा बनाकर खिला सकती हैं। इसको बनाने के लिए बीन्स, मटर, गाजर, पत्तागोभी और कॉर्न जैसी सब्जियों को बारीक काटकर हल्का भून लें। फिर इसमें काली मिर्च, नमक और थोड़ा सा सोया सॉस डालें। यह फ्लेवर इंडो चाइनीज जैसा लगेगा। वहीं बच्चे भी इसको स्वाद लेकर खाएंगे।



ड्राई फ्रूट्स वाला पोटली समोसा

अगर आप भी त्योहारों के मौसम में मेहमानों और बच्चों को कुछ रॉयल बनाकर खिलाना चाहती हैं, तो आप ड्राई फ्रूट्स वाला पोटली समोसा ट्राई कर सकती हैं। इसके लिए बादाम, किशमिश, काजू, खोया और इलायची पाउडर मिलाकर स्टफिंग तैयार करें। फिर इसकी पोटली बांधकर घी में फ्राई करें। फिर ऊपर से शहद या फिर चीनी की हल्की चाशनी डाल दें। यह मीठा पोटली समोसा खाने में बेहद टेस्टी होता है।

चीज-गार्लिक पोटली समोसा

अगर आप चीज लवर हैं, तो चीज-गार्लिक पोटली समोसा आपके लिए बना है। इसके लिए बटर में थोड़ा सा लहसुन भून लें और लहसुन को मैश करके इसमें ओरेगानो, चीज और थोड़ा सा नमक मिलाएं। ये स्टफिंग पोटली समोसे को जबरदस्त टेस्ट देगा। इसको डीप फ्राई करें और सर्व करें। वहीं बच्चों को चीज गार्लिक पोटली समोसे का स्वाद काफी पसंद आएगा।

अलमारी में बंद ऊनी कपड़ों से आती है बदबू? इन 5 तरीकों से घर बैठे बनाएं खुशबूदार

धीरे-धीरे सर्दियां दस्तक दे रही है। अब मौसम में भी काफी बदलाव आ रहा है। हल्की से ठंड पड़ने लगी है। ऐसे में लोग बंद रखे हुए ऊनी कपड़ों को निकाल रहे हैं। सर्दियों को ऊनी कपड़े सिर्फ साल के दो या 3 महीने पहने जाते हैं। बाकी पूरे साल तो ये कपड़े आलमारी, बक्से, बेडबॉक्स में ही बंद पड़े रहते हैं। जिस वजह से इनमें बदबू भर जाती है। अक्सर होता है कि ऊनी कपड़े जब बक्से और वॉर्डरोब से निकाले जाते हैं तो अंजीब से बदबू आने लगती है। कभी ऊनी कपड़े साफ ना होने की वजह से पसीना और बैक्टीरिया के साथ सीलन की बदबू भर जाती है। ऐसे में बदबूदार ऊनी कपड़ों, जैकेट, शॉल को पहनना मुश्किल हो जाता है। आइए आपको इन 7 घरेलू तरीकों से ऊनी स्वेटर, जैकेट से आने वाली बदबू को दूर करें।



धूप सबसे बेहतर है

अगर आप ऊनी कपड़ो को बदबू को दूर करना चाहते हैं, तो धूप सबसे सरल और सस्ता उपाय है। वुलन क्लॉथ को धूप में डालने से कपड़ों से दुर्गंध चली जाएगी। कपड़ों पर धूप लगने से नमी, बैक्टीरिया को खत्म कर देंगे। जिससे बदबू भी निकल जाएगी। लेकिन ध्यान रखें कि जब भी तेज धूप हो तो कपड़ों को उल्टा करके रखें। वरना कपड़ो का रंग उड़ सकता है।

बेकिंग सोडा का यूज करें

यदि आप वुलन कपड़े आलमारी में रखने से इनमें सीलन और फफूंद लग गई है, तो कपड़ों से आ रही इस तरह की बदबू को दूर भगाने के लिए बेकिंग सोडा को पानी में घोलकर कपड़ो को डालकर निकाल दें। यदि आपके पास कपड़ों को धोने का टाइम नहीं है, तो बेकिंग सोडा को कपड़ो पर छिड़कर कुछ देर छोड़ दें और बाद में सूखे कपड़े से साफ कर दें।

वुलन्स पर करें नेचुरल फ्रेशनर का स्प्रे

अगर ऊनी कपड़ों से स्मेल आ रही है, तो इसे दूर करने के लिए नेचुरल फ्रेशनर का स्प्रे बना लें। एक स्प्रे बोतल में पानी भर लें, उसमें एक नींबू का रस और दो से तीन चम्मच गुलाबजल के डाल दें। मिक्स करके इसे ऊनी कपड़ों पर छिड़काव कर दें। इस तरह के स्प्रे से वुलन जैकेट, स्वेटर सबसे नेचुरल भीनी सी स्मेल आएगी और आपके कपड़े भी फ्रेश महकेंगे।

कपूर का करें यूज

वुलन कपड़ों में किसी तरह की महक ना आए इसलिए जब भी इन्हें स्टोर करें तो कपूर लौंग की छोटी पोटली बांधकर वुलन्स के साथ रख दें। इसकी महक कपड़ों में फ्रेशनेस बनाकर रखेगी।

एसेंशियल ऑयल का स्प्रे

अगर आप भी वुलन स्वेटर, जैकेट, शॉल जैसे कपड़ों से बदबू हटाने के लिए एसेंशियल ऑयल को आलमारी में रखें। इसके लिए आप किसी छोटे कपड़े के टुकड़ें में लैवेंडर जैसे एसेंशियल ऑयल की बूंदों को डालकर ऊनी कपड़ों के बीच रख दें। इससे भी वुलन्स के कपड़ों में आ रही बदबू को दूर भागने में मदद मिलेगी।

एलिना स्वितोलिना को हराकर मीरा एंड्रीवा ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब

इंडियन वेल्स, एजेंसी। मीरा एंड्रीवा ने अपने पहले ही डब्ल्यूटीए फाइनल्स में एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-3 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। 19 वर्षीय रूसी खिलाड़ी ने 2026 का समापन 55 टूर-लेवल जीत और चार खिताबों के साथ किया। इससे पहले उन्होंने एडिलेड, लिन्ज और फ्रेंच ओपन में भी जीत हासिल की थी। 19 साल की उम्र में स्वितोलिना के खिलाफ 1 घंटे 48 मिनट में मिली इस जीत के साथ एंड्रीवा 2004 में मारिया शारापोवा के बाद सबसे कम उम्र की डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियन बन गई हैं। अपने पहले ही टूर्नामेंट में बिना कोई सेट हारे जीत हासिल करना उन्हें एक खास क्लब में शामिल करता है। 1972 में टूर्नामेंट के पहले संस्करण में क्रिस एवर्ट ने ऐसा किया था और 2001 में सेरेना विलियम्स ने लगातार तीन मैचों में सीधे सेटों में जीत दर्ज की थी, जिसके बाद उन्हें वॉकओवर के जरिए खिताब मिला था। डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियन बनने पर एंड्रीवा ने कहा, 'खिलाड़ियों के इस खास समूह का हिस्सा बनना बहुत शानदार लग रहा है। मैं अपनी टीम की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रेरित किया। मेरे लिए लड़ने और मुझे वह सब कुछ करने के लिए मजबूर करने के लिए धन्यवाद, जो मेरे लिए जरूरी था। मीरा ने बिना कोई सेट हारे अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब जीता। इस जीत के साथ उन्होंने डब्ल्यूटीए रैंकिंग में दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी का स्थान हासिल कर लिया है, जिससे 2027 सीजन की शुरुआत



में उनके नंबर 1 बनने की संभावना भी बढ़ गई है। मीरा एंड्रीवा ने स्वितोलिना को ग्रुप स्टेज में भी हराया था और फिर चैंपियनशिप मैच में भी जीत हासिल की। टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने ग्रुप स्टेज में पारिबास ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका के खिलाफ एक शानदार जीत दर्ज की थी। पहले सेट में 1-4 से पिछड़ने के बाद उन्होंने लगातार 11 गेम जीतकर मैच अपने नाम किया था।

पहले सेट की शुरुआत में एंड्रीवा और स्वितोलिना दोनों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी, लेकिन फिर रूसी खिलाड़ी ने एक और ब्रेक हासिल किया और अपनी सर्विस बचाते हुए 5-3 की बढ़त बना ली। आंद्रीवा 5-4 के स्कोर पर सेट अपने नाम करने में नाकाम रहीं, लेकिन उन्होंने तीसरी बार स्वितोलिना की सर्विस तोड़ी और फिर अपने दूसरे मौके को भुनाते हुए सेट जीत लिया।

फ्रेंच ओपन चैंपियन ने दूसरे सेट में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने आखिरी दो गेम्स में सिर्फ दो अंक गंवाए और जीत पक्की की, जिसके साथ ही उन्हें 3.37 मिलियन अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि मिली। साल का अंत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग नंबर 2 के साथ करने वालीं आंद्रीवा ने खिताब जीतने के बाद अपनी टीम का धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा कि उनकी टीम हर दिन उन्हें बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है, उनकी सीमाओं को आगे बढ़ाने में मदद करती है और ऐसे दिनों में भी मेहनत करवाती है जब उनका काम करने का मन नहीं होता। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अंत में मैं खुद को भी धन्यवाद देना चाहती हूं।

सिनियाकोवा-टाउनसेंड की जोड़ी ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स का खिताब

इंडियन वेल्स, एजेंसी। कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ दोनों खिलाड़ियों ने टीम के रूप में अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स खिताब जीता।



यह टाउनसेंड का पहला और सिनियाकोवा का दूसरा डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब था। सिनियाकोवा ने इससे पहले 2021 में बारबोरा क्रेजकोवा के साथ यह चैंपियनशिप जीती थी। एक टीम के रूप में सिनियाकोवा और टाउनसेंड का यह लगातार तीसरा डब्ल्यूटीए फाइनल्स था। वह 2024 में उपविजेता रहीं और पिछले साल सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। इस सीजन में रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन), यूएस ओपन, मैड्रिड, मियामी और इंडियन वेल्स में एक साथ खिताब जीतने के बाद सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने अपने कलेक्शन में एक और (छठी) ट्रॉफी जोड़ ली है। एक टीम के रूप में यह उनका कुल 9वां खिताब है। इसके साथ ही सिनियाकोवा के नाम अब 40वां और टाउनसेंड के नाम 18वां टूर-लेवल डबल्स खिताब हो गया है।

एरानी और पाओलिनी भी सीजन के इस आखिरी टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार हिस्सा ले रही थीं, लेकिन यह पहली बार था जब वह ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ने में सफल रहीं। चैंपियनशिप मैच में मिली इस हार के साथ ही इटैलियन जोड़ी की लगातार आठ जीत का सिलसिला टूट गया। वह टोक्यो में खिताब जीतने के बाद इंडियन वेल्स पहुंची थीं। इस हफ्ते सिनियाकोवा के साल के अंत में वर्ल्ड नंबर 1 डबल्स खिलाड़ी बनने की पुष्टि हुई। वहीं, टाउनसेंड ने हाल ही में हुई अपेंडिक्स की सर्जरी से शानदार वापसी करते हुए टॉप लेवल पर मुकाबला किया। इस जोड़ी ने हफ्ते की शुरुआत ग्रुप स्टेज में इटैलियन खिलाड़ियों के खिलाफ हार के साथ की थी। सीजन के आखिरी टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली आखिरी टीम, एरानी और पाओलिनी ने अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियनशिप मैच तक पहुंचने के रास्ते में अपने सभी चार मैच जीते थे। मगर दूसरी वरीयता प्राप्त सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने उसी कोर्ट पर उनके अजेय रहने के सिलसिले को खत्म कर दिया, जहां उन्होंने मार्च में इंडियन वेल्स का खिताब जीता था।

पीएम मोदी से मिले रिंकू सिंह

परिवार के साथ मिलकर दिया शादी का निमंत्रण

4 दिसंबर को लखनऊ में सांसद प्रिया सरोज संग लेंगे 7 फेरे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने अपनी शादी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। रिंकू सिंह ने परिवार के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की और उन्हें शादी का निमंत्रण दिया। रिंकू सिंह ने इस मुलाकात की तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर उन्हें विवाह का न्योता देने और उनका आशीर्वाद लेने को अपने परिवार के लिए खास पल बताया।

रिंकू सिंह 4 दिसंबर को लखनऊ में समाजवादी पार्टी की लोकसभा सांसद प्रिया सरोज के साथ सात फेरे लेंगे। रिंकू सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ''अपने परिवार के साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मिलकर और उन्हें अपनी शादी में आमंत्रित कर और उनका आशीर्वाद पाकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह हमारे



लिए सचमुच एक बहुत ही खास पल है।

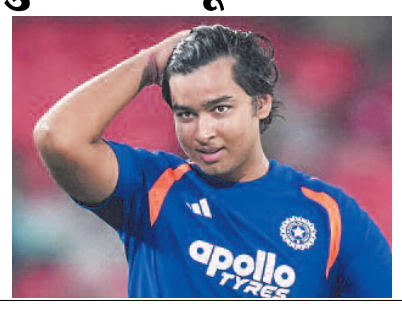
शुक्रवार 13 नवंबर 2026 को रिंकू सिंह की बहन नेहा सिंह, मां बीना देवी और भाई सोनू सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शादी का निमंत्रण दिया था। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज के शादी समारोह में पीएम मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा खेल और राजनीति जगत से कई जानी-मानी हस्तियों के आने की खबर है। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज का विवाह समारोह लखनऊ स्थित पांच सितारा रमाडा होटल में होगा।

रिंकू सिंह की प्रिया सरोज से शादी पहले नवंबर 2025 में होनी थी, लेकिन उनके क्रिकेट शेड्यूल को देखते हुए तारीख आगे बढ़ा दी गई थी। फरवरी 2026 में रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का निधन हो गया। इस कारण फिर शादी की तारीख टालनी पड़ी थी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की सगाई आठ जून 2025 को हुई थी। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में 12 अक्टूबर 1997 को जन्में रिंकू सिंह ने भारत के लिए अब तक दो वनडे और 48 टी20 मैच खेले हैं। रिंकू सिंह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थे जिसने इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीता था।

कप्तानी में इतिहास रचने के बाद

बिहार टीम से OUT हुए वैभव सूर्यवंशी...

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार (14 नवंबर) को इतिहास रच दिया था. वह मेन्स टी20 क्रिकेट में किसी टीम की कप्तानी करने वाले दुनिया के सबसे युवा कप्तान बने थे. उन्होंने इंदौर के होलकर स्टेडियम में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के एलीट ग्रुप-बी मुकाबले में सौराष्ट्र के खिलाफ बिहार की कमान संभाली थी. हालांकि, कप्तान के तौर पर उनका पहला मैच यादगार नहीं रहा. वैभव



बल्ले से बड़ी पारी नहीं खेल सके और बिहार को भी पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा.

बिहार की टीम सोमवार (16 नवंबर) को अपना दूसरा मुकाबला रेलवे के खिलाफ खेलने उतरी, लेकिन इस मैच में वैभव सूर्यवंशी का हिस्सा नहीं बने. उनकी जगह सूरज कश्यप ने बिहार की कप्तानी की, जबकि वैभव की गैरमौजूदगी में आलोक कुमार ने आयुष लोहारुका के साथ पारी की शुरुआत की. यह मुकाबला इंदौर के द डेली कॉलेज ग्राउंड में खेला गया था, जिसमें बिहार ने चार विकेट से दर्ज की.

यूईएफए नेशंस लीगः

फ्रांस और बेल्जियम ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रांस ने बोर्डो के स्टेड अटलांटिक में तुर्की के खिलाफ 2-1 जीत दर्ज करके यूईएफए नेशंस लीग 2027 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। फ्रांस ने 2020-2021 और 2024-2025 के बाद पांच संस्करणों में तीसरी बार नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल चरण के लिए क्वालीफाई किया है। केवल स्पेन (4 बार) ही ऐसा फ्रांस से ज्यादा बार कर पाया है। फ्रांस को गतिरोध तोड़ने के लिए दूसरे हाफ तक इंतजार करना पड़ा, जब ब्रैडली बारकोला के दबाव के कारण तुर्की के डिफेंडर एमिरहान टोपचू ने गलती से अपनी ही टीम के खिलाफ गोल (ओन गोल) कर दिया। इसके बाद एली जूनियर क्रोपी ने रेयान चेर्की के साथ मिलकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इससे फ्रांस की जीत पक्की हो गई। हालांकि, मैच के अंत में अब्दुलकेरीम बारदाकसी के हेडर से गोल आया, लेकिन यह तुर्की की हार को नहीं टाल सका। फ्रांस टीम ने 2026 में अपनी 13वीं जीत दर्ज की (1 ड्रॉ, 4 हार)। यह एक कैलेंडर वर्ष में उनकी अब तक की सबसे ज्यादा जीत की बराबरी है। इससे पहले, 2003 और 2016 में भी उन्होंने 13 जीत हासिल की थीं। इस साल उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में कुल 39 गोल किए हैं, जो 2003 में बनाए गए उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड (40 गोल) के करीब है। बेल्जियम से आगे रहते हुए अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहने के बाद जिदान की टीम को शुक्रवार को होने वाले ड्रॉ के जरिए पता चलेगा कि क्वार्टर फाइनल में उनका सामना किस टीम से होगा।

दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध आईसीसी अध्यक्ष चुने गए जय शाह

विश्वास और समर्थन के लिए जताया आभार

दुबई, एजेंसी। जय शाह को दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) का फिर से अध्यक्ष चुना गया है। बाली में हुई बैठकों के दौरान आईसीसी बोर्ड ने इस फैसले पर मुहर लगाई। शाह को अगस्त 2024 में सर्वसम्मति से आईसीसी अध्यक्ष चुना गया था, जिससे वह 35 साल की उम्र में इस पद पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति बने थे। उन्होंने 1 दिसंबर 2024 से आईसीसी अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यकाल शुरू किया था। तत्कालीन आईसीसी अध्यक्ष ग्रेग बार्कले के तीसरे कार्यकाल के लिए दावेदारी न पेश करने के बाद शाह एकमात्र उम्मीदवार रह गए थे। वह जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन. श्रीनिवासन और शशांक मनोहर के बाद आईसीसी प्रमुख बनने वाले पांचवें भारतीय बने थे। यह पुनर्नियुक्ति नेतृत्व में स्थिरता बनाए रखने में मदद करेगी। यह ऐसे समय में हुई है जब क्रिकेट लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए तैयारी कर रहा है। इसके



अलावा, इसका मकसद दुनिया भर में क्रिकेट का विस्तार करना, ज्यादा लोगों को खेल से जोड़ना और खेल के व्यावसायिक विकास को आगे बढ़ाना है। आईसीसी ने बताया कि शाह की पुनर्नियुक्ति बोर्ड के निदेशकों के एक प्रस्ताव के बाद हुई है। यह खेल के विकास के एक महत्वपूर्ण चरण में उनके नेतृत्व पर बोर्ड के भरोसे को दर्शाता है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में क्रिकेट को शामिल करना प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल को मजबूत करना, महिला क्रिकेट का विस्तार करना, एसोसिएट सदस्यों के लिए अधिक अवसर पैदा करना और खेल की दीर्घकालिक व्यावसायिक स्थिरता सुनिश्चित करना भी प्राथमिकताओं में शामिल है। अपनी पुनर्नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष ने बोर्ड के निरंतर समर्थन के लिए आभार जताया। उन्होंने सदस्य देशों के साथ मिलकर वैश्विक स्तर पर क्रिकेट को आगे बढ़ाने की अपनी जिम्मेदारी पर जोर दिया। शाह ने कहा, 'आईसीसी बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं सभी निदेशकों का उनके निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए तहे दिल से आभारी हूं। आईसीसी अध्यक्ष के रूप में काम करना एक सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट के हितों को आगे बढ़ाने के लिए अपने सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। ' उन्होंने ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी को नए दर्शकों तक पहुंचने और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने के एक बड़े अवसर के रूप में बताया। उन्होंने कहा, 'हम अपने खेल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और रोमांचक दौर में प्रवेश कर रहे हैं। लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी, हमारे खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाने और खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करने का एक बेहतरीन अवसर है। ' उन्होंने आगे कहा, 'हमारी जिम्मेदारी केवल सफल आयोजन कराने तक ही सीमित नहीं है। हमें प्रशंसकों, खिलाड़ियों, व्यावसायिक साझेदारों और अन्य प्रमुख हितधारकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस खेल के लिए एक मजबूत और टिकाऊ भविष्य का निर्माण करना होगा। मेरा हमेशा से मानना हा है कि क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकत लोगों को एक साथ लाने की इसकी क्षमता है। बोर्ड और हमारे सदस्यों के सहयोग से हमारा पूरा ध्यान अपनी महत्वाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने पर होगा, ताकि हम जो भी प्रगति करें, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी विरासत छोड़ सके। ' इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन ने शाह के निरंतर नेतृत्व का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बदलते व्यावसायिक और खेल परिदृश्य के अनुरूप ढलते हुए द्विपक्षीय क्रिकेट की प्रासंगिकता को बनाए रखना भी जरूरी है। उन्होंने कहा, 'इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए यह एक महत्वपूर्ण समय है, जब जय शाह का नेतृत्व जारी है। खेल तेजी से विकसित हो रहा है, इसलिए यह आवश्यक है कि हम अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर को मजबूत करें, द्विपक्षीय क्रिकेट की प्रासंगिकता और प्रतिस्पर्धात्मकता की रक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि हमारे प्रमुख आयोजन इस खेल के भविष्य के केंद्र में बने रहें।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में होगी भारत की असली 'अग्निपरीक्षा', निराशाजनक रहा है रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया का प्रदर्शन टी20 के बाद वनडे सीरीज में भी शानदार रहा। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज को 3-1 से अपने नाम किया। हालांकि, भारतीय टीम की असली परीक्षा अब क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट यानी टेस्ट में होगी। न्यूजीलैंड की सरजमीं पर टीम इंडिया का टेस्ट रिकॉर्ड बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा है। न्यूजीलैंड में भारत ने अब तक कुल 25 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से टीम को सिर्फ 5 मैचों में जीत मिली है। वहीं, 10 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। 10 मैचों का अंत ड्रॉ के रूप में हुआ है। भारतीय टीम को साल 2020 में न्यूजीलैंड के अपने आखिरी दौरे पर भी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, 2024 में न्यूजीलैंड के हाथों भारत को अपने ही घर में 0-3 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी थी। तेज गेंदबाजों के अनुकूल न्यूजीलैंड की कंडीशंस में भारतीय बल्लेबाजों के लिए टेस्ट सीरीज में रन बनाना बड़ी



चुनौती होगी। टीम की बल्लेबाजी का दारोमदार शानदार फॉर्म में चल रहे कप्तान शुभमन गिल के कंधों पर होगा, जिसका साथ देने की जिम्मेदारी यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन और ध्रुव जुरेल जैसे बल्लेबाजों की होगी। भारत के मौजूदा टेस्ट स्क्वॉड में काफी कम खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में खेलने का अनुभव है। हालांकि, भारत-ए की ओर से खेलते हुए जुरेल और पडिक्कल ने अच्छा प्रदर्शन किया था। तेज गेंदबाजी की अगुवाई जसप्रीत बुमराह करते हुए नजर आएंगे। बुमराह का साथ आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा देते हुए नजर आएंगे। गुरनूर बरार को भी टेस्ट सीरीज के आगाज से ठीक पहले टीम में शामिल किया गया है। नीतीश कुमार रेड्डी के ऊपर बल्ले और गेंद दोनों से अहम रोल अदा करने की जिम्मेदारी होगी। टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला वेलिंग्टन में 19 नवंबर से खेला जाना है। इसके बाद दूसरे टेस्ट मैच का आगाज 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च में होगा।

'सचिन-सहवाग ने कभी ऐसा नहीं किया...'

टीम इंडिया के जश्न पर शोएब अख्तर को लगी मिर्ची, दे डाली बड़ी नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। एसीसी मेन्स अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराने के बाद भारतीय खिलाड़ियों के आक्रामक जश्न ने नई बहस छेड़ दी है. पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को मैदान पर अपनी आक्रामकता दिखाने का पूरा अधिकार है, लेकिन खेल के दौरान मूल्यों और आपसी सम्मान का भी ख्याल रखना चाहिए. शोएब अख्तर ने अपनी बात रखते हुए टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ियों सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और सौरव गांगुली का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि भारत के इन दिग्गज खिलाड़ियों के साथ मैदान पर कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही, लेकिन कभी एक-दूसरे के प्रति सम्मान कम नहीं हुआ.

सचिन और सहवाग का दिया उदाहरण – उन्होंने कहा, 'हमें सिर्फ क्रिकेट नहीं खेलना है, बल्कि मूल्यों के साथ भी आगे बढ़ना है. आज भी मैं सचिन तेंदुलकर के बारे में अच्छी बातें कहता हूं. मुझे अब भी लगता है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं. वीरेंद्र



सहवाग और सौरव गांगुली के साथ भी हमारी अच्छी दोस्ती है. हमने कभी एक-दूसरे के खिलाफ इस तरह प्रतिक्रिया नहीं दी.' फाइनल में हार के बावजूद शोएब अख्तर ने पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तान को भारत से बेहतर टीम बताया. हालांकि, उन्होंने माना कि खिताबी मुकाबले के अहम पलों में पाकिस्तानी खिलाड़ी दबाव नहीं झेल सके. इसके उलट भारतीय टीम ने मुश्किल स्थिति में संयम बनाए रखा.



शोएब अख्तर ने भारतीय खिलाड़ियों की आक्रामकता की तारीफ करते हुए कहा, 'मेरा भारतीय अंडर-19 खिलाड़ियों से कहना है कि आक्रामकता दिखाते रहिए. मुझे यह पसंद आया. लेकिन पाकिस्तान पूरे टूर्नामेंट में कहीं बेहतर टीम थी. किसी तरह वे दबाव नहीं संभाल पाए. अहम मौकों पर दबाव से निपटना भारत को अच्छी तरह आता है.' उन्होंने भारतीय टीम को जीत की बधाई देते हुए कहा कि उसके पास दमदार खिलाड़ी, आत्मविश्वास और मैच को अंजाम तक पहुंचाने की क्षमता थी.

अल अमेरात में खेले गए खिताबी मुकाबले में भारत के सामने 338 रनों का लक्ष्य था. टीम ने 252 रनों तक आठ विकेट गंवा दिए थे और मुकाबला पाकिस्तान की पकड़ में नजर आ रहा था. ऐसे समय में मोहित उल्वा और मनल चौहान ने 35 गेंदों पर 57 रनों की साझेदारी कर भारत की वापसी कराई.

मनल चौहान ने 32 गेंदों पर 47 रन बनाए, जबकि मोहित 26 गेंदों पर 49 रन बनाकर नाबाद रहे. आखिरी गेंद पर तीन रनों की जरूरत थी और मोहित ने चौका लगाकर भारत को एक विकेट से जीत दिला दी. इस खिताबी जीत के साथ भारत ने नौवीं बार अंडर-19 एशिया कप अपने नाम किया.



कॉस्मेटिक बदलावों के बारे में झूठ बोलना व्यर्थ होगा: श्रुति हासन

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब के सेवन जैसे संवेदनशील विषयों पर अपनी बेबाक राय साझा की। कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर श्रुति का मानना है कि हर व्यक्ति को अपने शरीर को लेकर फैसले लेने का पूरा अधिकार है, लेकिन इन फैसलों को छिपाना या उनके बारे में असत्य बोलना उन्हें अनुचित लगता है।

अभिनेत्री ने कहा कि वे एक सार्वजनिक हस्ती के रूप में लोगों के सामने बड़ी हुई हैं, ऐसे में कॉस्मेटिक बदलावों के बारे में झूठ बोलना व्यर्थ होगा। उन्होंने कुछ लोगों के रवैये पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थीज जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे। श्रुति हासन ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी के व्यक्तिगत चुनाव से आपत्ति नहीं है, बल्कि उस चुनाव को स्वीकार न करने या उस पर पर्दा डालने की प्रवृत्ति से है। उन्होंने यह भी कहा कि वे इन चीजों को बढ़ावा नहीं देना चाहतीं, बल्कि केवल सच्चाई सामने रखने की बात करती हैं।

अपनी जिंदगी के एक और निजी पहलू पर बात करते हुए श्रुति ने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि वे लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं, इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब का सेवन नहीं किया। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया है, लेकिन अब वे इसे लेकर बहुत सावधान रहती हैं। उन्होंने हमेशा यह खुलकर स्वीकार किया है कि शराब उनके लिए अच्छी नहीं रही है। फिलहाल वे इसे संभालने और नियंत्रित करने के प्रयास में हैं, ताकि यह उनके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव न डाले। श्रुति हासन भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की पुत्री हैं। उन्होंने हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु फिल्म उद्योगों में भी अपनी पहचान बनाई है।



16 साल की उम्र में ही दीपिका पादुकोण ने तय कर लिया था अभिनेत्री बनना

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत और अपने शुरुआती सपनों के बारे में बताया है। आज दीपिका पादुकोण को बॉलीवुड की सबसे भरोसेमंद और सफल अभिनेत्रियों में से एक माना जाता है। उन्होंने खुलासा किया कि महज 16 साल की उम्र में ही उन्हें यह स्पष्ट हो गया था कि वे एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं। उन्होंने हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाई है, फिल्म ट्रिपल एक्स - द रिटर्न ऑफ जेंडर केज से हॉलीवुड में कदम रखने के बाद, वे लोकप्रिय द एलेन डीजेनेरेस शो में भी बतौर मेहमान शामिल हुई थीं। एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने अपने पिता प्रकाश पादुकोण के बैडमिंटन करियर के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने भारत में ऐसे समय में बैडमिंटन खेला, जब प्रोफेशनल तौर पर खेल को करियर के रूप में देखना आम बात नहीं थी। उस समय अधिकतर लोग डॉक्टर या वकील बनने का सपना देखते थे, लेकिन उनके पिता ने एक खिलाड़ी के तौर पर अपनी पहचान बनाई। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने की इच्छा जताई थी, तो दीपिका ने जवाब दिया कि वे ऐसा करके अपने पिता को खुश कर सकती थीं, लेकिन उनके पिता ने हमेशा यही सीख दी कि अपने दिल की सुनो। अभिनय के प्रति अपने गहरे प्रेम को व्यक्त करते हुए दीपिका ने दोहराया कि 16 साल की कम उम्र में ही उन्हें यह निश्चित रूप से पता चल गया था कि वे एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि कैमरे के सामने रहना उन्हें असीम खुशी और संतोष देता है। दीपिका ने एलेन को एक प्रेरक घटना भी बताई। उन्होंने कहा कि एक बार उन्होंने अपना पोर्टफोलियो शूट करवाने के लिए अपनी मां से 10,000 रुपए उधार लिए थे। पैसे मांगते समय, युवा दीपिका ने अपनी मां को पूरा भरोसा दिलाया था कि वे न केवल उनके पैसे लौटा देंगी, बल्कि एक दिन उन्हें गौरवान्वित भी करेंगी। यह घटना उनके दृढ़ निश्चय और अपनी कला के प्रति समर्पण को दर्शाती है। साल 2007 में शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम से अपने शानदार करियर की शुरुआत करने के बाद, दीपिका ने भारतीय सिनेमा को कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उनकी प्रमुख फिल्मों में ये जवानी है दीवानी (2013), चेन्नई एक्सप्रेस (2013), गोलियों की रासलीला राम-लीला (2013), पीकू (2015), बाजीराव मस्तानी (2015), पद्मावत (2018), छपाक (2020), पठान (2023), जवान (2023) और आने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म कल्कि 2898 एडी (2024) शामिल हैं।

साई पल्लवी पुलिस अफसर बनने के लिए बदला लुक

● छोटे बाल करवाने पर माता-पिता ने दी प्रतिक्रिया

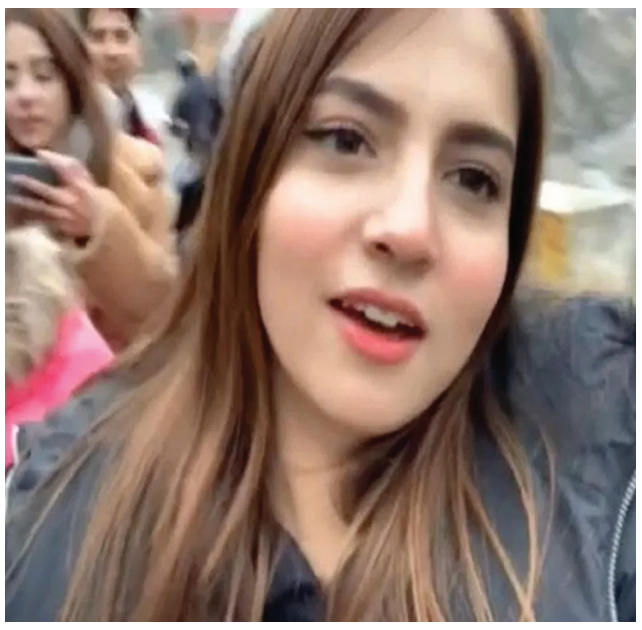
5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली रामायण में सीता के किरदार के बाद, अभिनेत्री साई पल्लवी अपनी आगामी फिल्म ओम-चैप्टर 1 उधिरम-द ब्लड वुड में एक बिल्कुल ही अलग अवतार में दर्शकों के सामने होंगी। इस फिल्म में वह एक तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जिसे लाल चंदन की अवैध तस्करी की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। इस चुनौती भरे किरदार के लिए साई ने एक बड़ा कदम उठाया है उन्होंने अपने बाल छोटे करवा लिए हैं। उनके इस नए लुक को देखकर उनके माता-पिता भी हैरान रह गए, जिस पर अब अभिनेत्री ने खुलकर बात की है।

एक इंटरव्यू में साई पल्लवी ने अपने बाल कटवाने के पीछे की वजह बताई। उन्होंने कहा, मैंने अपने बाल कटवाए क्योंकि कहानी सुनने और अपने किरदार को समझने के बाद मुझे लगा कि यह आवश्यक है। मुझे स्क्रिप्ट इतनी पसंद आई कि मैं इस बदलाव के लिए तैयार हो गई। उन्होंने बताया कि बाल कटवाने के बाद जब उन्होंने वीडियो कॉल पर अपनी मां को नया लुक दिखाया, तो वह हैरान रह गईं और ढेर सारे सवाल पूछने लगीं। मां ने तो कॉल भी काट दिया। बाद में उनके पिता ने फोन करके पूछा कि क्या उन्होंने विग पहनी है। साई ने उन्हें समझाया कि यह पूरी तरह से उनके किरदार की मांग थी, और उन्हें उनके नए हेयरस्टाइल के साथ सहज होने में कुछ समय लगा।



निर्देशक राजकुमार पेरियासामी ने इस निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए यह लुक एकदम सही था। उन्होंने साई के समर्पण की सराहना की, फिल्म में हम अक्सर मुख्य किरदार की जरूरत के हिसाब से कुछ बदलाव करते हैं, और साई पल्लवी ने भी इस रोल के लिए अपने बाल कटवाकर एक बड़ा त्याग किया। कहानी के प्रति उनके लगाव ने ही इस बदलाव को मुमकिन बनाया। साई ने भी राजकुमार पर अपने भरोसे और स्क्रिप्ट की मांग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्होंने अपने बालों को स्कार्फ से ढक कर रखा था ताकि फिल्म की रिलीज से पहले उनका यह लुक लीक न हो जाए। यह साई और राजकुमार की दूसरी फिल्म है, इससे पहले उनकी पहली फिल्म अमरन एक बड़ी हिट रही थी, जिसके लिए राजकुमार को बेस्ट डायरेक्टर का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था।

दानानीर मोबीन की तो निकल पड़ी



इंटरनेट पर पार्टी हो रही है वाले वायरल वीडियो से रातोंरात सुर्खियां बटोर कर फिल्मी दुनियां में धमाल करने वाली दानानीर मोबीन ने अब बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि भी हासिल कर ली है। दरअसल पाकिस्तान की सोशल मीडिया स्टार-अभिनेत्री ने मॉस्को में आयोजित दूसरे ओपन यूरेशियन फिल्म अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का डायमंड बटरफ्लाई अवॉर्ड जीतकर सभी को हैरान कर दिया है। इस बड़ी कामयाबी के लिए न सिर्फ उनके घर-परिवार व करीबी बल्कि पाकिस्तानी और हिंदुस्तानी प्रशंसक भी खासे खुश नजर आए हैं। दानानीर को यह सम्मान उनकी फिल्म मेरा लियारी में शानदार अभिनय के लिए मिला है। इस फिल्म में उन्होंने कराची के एक पिछड़े और बदनाम इलाके की उस मजबूत इरादों वाली लड़की का किरदार निभाया है, जो फुटबॉल खिलाड़ी बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए सामाजिक बाधाओं और दबावों से डटकर मुकाबला करती है।



दिल्ली क्राइम सीजन 3 शो मेरे दिल के बेहद करीब: रसिका दुग्गल

वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 ने अपनी रिलीज का एक साल पूरा कर लिया है। इस खास मौके पर अपनी भावना व्यक्त करते हुए अभिनेत्री रसिका दुग्गल कहा कि यह शो उनके दिल के बेहद करीब है। दिल्ली क्राइम के माध्यम से उन्हें यह जानने का अवसर मिला कि हमारी असल जिंदगी से जुड़ी कहानियां किस प्रकार वैश्विक स्तर पर दर्शकों के साथ जुड़ सकती हैं।

शो को मिले अपार प्यार और सम्मान, जिसमें प्रतिष्ठित इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड भी शामिल है, ने उन्हें बहुत हौसला दिया है। उन्होंने तीनों सीजन का हिस्सा बनने और अपने किरदार, पुलिस अधिकारी नीति सिंह को हर सीजन में विकसित होते देखने पर संतोष व्यक्त किया। रसिका ने नीति सिंह के सफर में आए कठिन और पेचीदा मामलों के साथ-साथ उनके निजी जीवन के संघर्षों और भावनात्मक ट्रॉमा को भी खूबसूरती से दर्शाया। उन्होंने पूरी टीम के साथ काम करने के अनुभव को भी बहुत खास बताया और भविष्य में भी उनके साथ काम करने की इच्छा जताई, यह दर्शाता है कि यह सीरीज उनके लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव है।

वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 में रसिका दुग्गल ने एक सशक्त पुलिस अधिकारी नीति सिंह की भूमिका निभाई थी। यह सीजन मुख्य रूप से मानव तस्करी और विशेष रूप से महिलाओं व बच्चों की तस्करी से जुड़े एक बड़े और खतरनाक रैकेट पर केंद्रित था। कहानी की शुरुआत असम में एक ट्रक और उससे जुड़े मामलों की गहन छानबीन से होती है, जो बाद में दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों से जुड़े एक व्यापक आपराधिक नेटवर्क का पर्दाफाश करती है। इसमें खतरनाक विलेन बड़ी दीदी का किरदार निभाने वाली हुमा कुरैशी के अभिनय को भी काफी सराहा गया था। यह सीरीज अपनी भावनात्मक गहराई, पुलिसिया जांच की बारीकियों और सस्पेंस थ्रिलर के रूप में दर्शकों को बांधे रखने में सफल रही है। इसका निर्देशन तनुज चोपड़ा ने किया है।

रणबीर, साई पल्लवी और यश का चला जादू

रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश अभिनीत रामायण पार्ट-1 बॉक्स ऑफिस पर लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है। 5 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने दूसरे रविवार को करीब 75 करोड़ रुपए की कमाई की, जो बॉलीवुड फिल्मों के लिए दूसरे रविवार की सबसे बड़ी कमाई में शामिल हो गई है। फिल्म की कुल घरेलू नेट कमाई 760 करोड़ रुपए के पार पहुंचने की खबर है। फिल्म को शुरुआती दौर में दर्शकों की मिश्रित प्रतिक्रियाएं मिली थीं। समीक्षकों के एक वर्ग ने इसके भव्य दृश्यांकन, तकनीकी गुणवत्ता और बड़े पैमाने पर तैयार किए गए संसार की सराहना की, जबकि कहानी और चरित्रों की गहराई को लेकर सवाल उठे। पर देखते ही देखते फिल्मी कलाकारों के किरदार और कला का जादू चल ही गया। बड़ी स्टारकास्ट, भारतीय पौराणिक कथा और अत्याधुनिक तकनीक का मेल फिल्म की व्यावसायिक ताकत बना हुआ है।



स्टूडेंट ऑफ द ईयर: आफ्टर डार्क में शनाया को मिला क्षमता को परखने का मौका

अपनी डेब्यू वेब सीरीज स्टूडेंट ऑफ द ईयर : आफ्टर डार्क में अभिनेत्री शनाया कपूर ने करियर की शुरुआत में ही डबल रोल निभाने की गहन चुनौतियों पर खुलकर बात की है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से फिल्म निर्माता करण जौहर का विशेष रूप से धन्यवाद किया, जिन्होंने उन्हें इतनी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी में दोहरी भूमिका निभाने का मौका दिया।

शनाया ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट ने उन्हें अपनी अभिनय क्षमताओं को गहराई से परखने का अवसर प्रदान किया, हालांकि शूटिंग के दौरान उन्हें कई मुश्किल और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। शनाया का मानना है कि इस अवसर ने उन्हें एक अभिनेत्री के तौर पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच दिया। उन्होंने निर्देशक रीमा सेन का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें रचनात्मक सुझाव साझा करने और अपने किरदार को गढ़ने की पूरी स्वतंत्रता दी। शनाया ने उन मुश्किल एक्शन दृश्यों और पानी के भीतर फिल्माए गए सीन्स के बारे में भी बताया, जिन्हें करना उनकी सोच से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण था।

उन्होंने इन मुश्किल पलों में मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग देने के लिए एक्शन टीम और अंडरवॉटर टीम का हार्दिक धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि शूटिंग के दौरान कुछ दिन शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद कठिन थे, लेकिन उनके आसपास मौजूद लोगों के अटूट भरोसे और समर्थन ने ही उन्हें इन चुनौतियों से पार पाने में मदद की। सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें साझा करते हुए शनाया कपूर ने लिखा कि यह शो उनके लिए सब कुछ है, और यह पूरी शानदार, बेहतरीन और कमाल की टीम के बिना मुमकिन नहीं हो पाता। उन्होंने करण जौहर को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें इतनी खास फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का मौका मिला और करियर की शुरुआत में ही डबल रोल से अपनी रेंज दिखाने का अवसर मिला। शनाया ने विश्वास जताया कि वे उन्हें गौरवान्वित कर पाएंगी। उन्होंने एक्शन डायरेक्टर बंटी सर से लेकर सुकेश सर के नेतृत्व वाली टीम तक सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा, आप सभी ने मुझे उन सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जहां तक पहुंचने के बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था। कुछ दिन बहुत मुश्किल थे, और अगर आप लोगों को मुझ पर भरोसा न होता, तो मैं इनमें से कुछ भी नहीं कर पाती। सबसे चुनौतीपूर्ण अंडरवॉटर शॉट्स के दौरान आपने मेरा हाथ थामे रखा। धन्यवाद। उन्होंने पूरी क्रू टीम का भी धन्यवाद किया और बताया कि इस सीरीज की शूटिंग करना काफी चुनौतीपूर्ण था, और हर दिन, हर मिनट और हर सेकंड बहुत अहम था। उन्होंने स्वीकार किया कि सभी के बिना यह मुमकिन नहीं हो पाता। शनाया ने दर्शकों से शो देखने की अपील करते हुए लिखा, कृपया जियोहॉटस्टार पर हमारा शो 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क' जरूर देखें। इसे आप लोगों के लिए बहुत मेहनत, खून-पसीना और आंसुओं (सचमुच!) के साथ बनाया गया है। आप सभी को बहुत प्यार।



समाज की एकजुटता और शिक्षा को बढ़ावा देने पर रहेगा जोर, कई जनप्रतिनिधि होंगे शामिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो



हुबली। समाज के पदाधिकारी सोमलिंगप्पा हूगार और नागराज संगलकर ने पत्रकारों को बताया कि कार्यक्रम में रुद्राक्षी मठ के बसवलिंग महास्वामी का सान्निध्य रहेगा। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी समारोह का उद्घाटन करेंगे। विधायक प्रसाद अब्बय्या, महेश टेंगिनकाई, अरविंद बेल्लद, एम.आर. पाटिल, पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद जगदीश शेट्टर और पूर्व विधायक एस.आई. चिक्कनगौडर सहित अन्य अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता चंद्रशेखर हूगार करेंगे। आयोजकों के अनुसार, समारोह का उद्देश्य समाज में एकजुटता और सामाजिक चेतना को मजबूत करने के साथ शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है। युवाओं को शिक्षा, रोजगार और सामाजिक गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। समाज के विकास के लिए राज्य से लेकर जिला, तालुका और ग्राम स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया जाएगा। समाज की ओर से विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति, वरिष्ठ नागरिकों की सुविधाओं, कलाकारों की पेंशन, पारंपरिक व्यवसायों, आवास, कृषि, डेयरी और रोजगार से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी समाज के लोगों तक पहुंचाने की अपील की गई है। पात्र लोगों से आवश्यक प्रमाणपत्र बनवाकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने तथा बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया गया है।

यूपी चुनाव से पहले कांग्रेस ने सपा के सामने रखी 181 सीटों की मांग, प्रियंका गांधी संभालेंगी गठबंधन की बातचीत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



लखनऊ। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर अगले साल होने वाले चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। बैठक में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन और सीटों के बंटवारे को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने कहा कि समाजवादी पार्टी कांग्रेस की महत्वपूर्ण सहयोगी है और सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। उन्होंने सभी सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने और गठबंधन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। सपा के साथ सीटों के बंटवारे पर बातचीत के लिए कांग्रेस ने एक समिति गठित की है। इसकी अगुवाई प्रियंका गांधी करेंगी। समिति में केसी वेणुगोपाल, उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा, प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम और उत्तर प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद को शामिल किया गया है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी को करीब 181 विधानसभा सीटों की सूची सौंपी है। पार्टी का दावा है कि जमीनी स्तर से मिली रिपोर्ट के आधार पर इन क्षेत्रों में उसकी स्थिति मजबूत है और पिछले कुछ महीनों में उसके पक्ष में राजनीतिक माहौल बदला है। इसी आधार पर कांग्रेस इन सीटों पर अपनी दावेदारी पेश कर रही है। हालांकि, कांग्रेस की इस मांग को लेकर समाजवादी पार्टी के भीतर असमंजस की स्थिति बताई जा रही है। इसकी प्रमुख वजह वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव के नतीजे हैं।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का खतरा, आंध्र प्रदेश सहित तीन राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव अब चक्रवाती तूफान का रूप लेने की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार शाम तक इसके चक्रवात में बदलने की आशंका है। चक्रवात बनने के बाद इसे 'अकवान' नाम दिया जाएगा। इसके आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ने की संभावना जताई गई है। इस मौसमी गतिविधि को देखते हुए तटीय क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। संभावित चक्रवात के प्रभाव से आंध्र प्रदेश के साथ तमिलनाडु और ओडिशा के कई हिस्सों में मौसम बिगड़ सकता है। मौसम विभाग ने 16 से 21 नवंबर तक इन तीनों राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इस दौरान तटीय इलाकों में तेज हवाएं चलने और समुद्र में ऊंची लहरें उठने की आशंका है। चक्रवात के आगे बढ़ने के साथ समुद्र की स्थिति और खराब हो सकती है। इसे देखते हुए मछुआरों को 20 नवंबर तक समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। मछुआरों से कहा गया है कि वे मौसम सामान्य होने तक समुद्र में उतरने से बचें। तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी मौसम विभाग की चेतावनियों पर ध्यान देने और सावधानी बरतने की जरूरत है। इधर, राजस्थान में पिछले दो दिनों के दौरान हुई बारिश के बाद मौसम में ठंडक बढ़ गई है। सोमवार को प्रदेश के कई हिस्सों में सर्दी का असर पहले की तुलना में अधिक महसूस किया गया। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आने से सुबह और शाम के समय ठिठुरन बढ़ने लगी है। मौसम में आए इस बदलाव के बाद लोगों ने गर्म कपड़ों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट होने पर सर्दी का असर बढ़ सकता है। उत्तर प्रदेश में भी मौसम का मिजाज बदलता दिखाई दे रहा है। सोमवार को प्रदेश के 21 जिलों में कोहरे का असर देखने को मिला। सुबह के समय कोहरे के कारण दृश्यता कम रही, जिससे सड़कों पर आवागमन प्रभावित होने की आशंका बनी रही।

पांच साल में 80 प्रतिशत से अधिक ज्वैलर्स की दुकानों तक नहीं पहुंचा बीआईएस

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। देश में सोने की खरीदारी करने वाले करोड़ों ग्राहकों के लिए चिंता बढ़ाने वाली खबर सामने आई है। सोने की शुद्धता की पहचान के लिए हॉलमार्क व्यवस्था लागू की गई है, लेकिन इस व्यवस्था की निगरानी करने वाली सरकारी संस्था भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। देश की सर्वोच्च सरकारी लेखा परीक्षा संस्था नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की जांच में सामने आया है कि बीआईएस बाजार में बिक रहे हॉलमार्क सोने की शुद्धता पर प्रभावी ढंग से निगरानी नहीं रख पा रहा है। इसका सीधा असर आम उपभोक्ताओं के भरोसे पर पड़ सकता है और सोने की खरीदारी के दौरान ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी की आशंका बढ़ सकती है। कैग की जांच में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान बीआईएस ने 80 प्रतिशत से अधिक पंजीकृत आभूषण विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण ही नहीं किया। जबकि निर्धारित नियमों के अनुसार बीआईएस को प्रत्येक पंजीकृत ज्वैलर्स की दुकान पर कम से कम साल में एक बार जाकर यह जांच करनी होती है कि वहां बेचे जा रहे सोने की शुद्धता निर्धारित मानकों के अनुरूप है या नहीं। इस निरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्राहकों को हॉलमार्क के नाम पर निर्धारित शुद्धता से कम गुणवत्ता वाला सोना न बेचा जाए।

डिजिटल दौर में भी कायम है किताबों का आकर्षण, सोनिया गांधी की नई पुस्तक

राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह पर पढ़ने की बदलती आदतों और साहित्यिक दुनिया की तस्वीर आई

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। मोबाइल की स्क्रीन पर उंगलियां दौड़ाने वाली आज की पीढ़ी के बीच किताबों की दुनिया अब भी पूरी तरह आबाद है। खबरें पढ़ने से लेकर कहानियां सुनने और ज्ञान हासिल करने तक के विकल्प भले ही डिजिटल माध्यमों पर उपलब्ध हो गए हों, लेकिन छपे हुए पन्नों का आकर्षण आज भी बरकरार है। तकनीक ने पढ़ने के तरीके जरूर बदले हैं, लेकिन किताबों के प्रति लोगों की रुचि समाप्त नहीं हुई है। इसकी ताजा मिसाल कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की हाल ही में प्रकाशित पुस्तक 'बिलॉन्ग : अ जर्नी ऑफ लव' है, जिसने प्रकाशन के साथ ही साहित्यिक और राजनीतिक हलकों में चर्चा बटोरी है। 10 नवंबर को प्रकाशित इस पुस्तक में सोनिया गांधी ने अपने जीवन के कई महत्वपूर्ण पड़ावों को शब्दों में पिरोया है। इसमें इटली में बिताए बचपन, राजीव गांधी से पहली मुलाकात, पारिवारिक जीवन, निजी अनुभवों और भारतीय राजनीति में लंबे सफर से जुड़े प्रसंग शामिल हैं। पुस्तक के माध्यम से पाठकों को उनके जीवन के उन पहलुओं को जानने का अवसर मिलता है, जिनकी चर्चा आमतौर पर सार्वजनिक मंचों पर कम होती है। किसी चर्चित राजनीतिक व्यक्तित्व के निजी अनुभवों और जीवन संघर्ष को जानने की उत्सुकता भी ऐसी पुस्तकों को पाठकों के बीच खास पहचान दिलाती है। 14 से 20 नवंबर तक मनाए जा रहे राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अवसर पर किताबों की दुनिया और पढ़ने की बदलती आदतों पर नजर डालें तो एक दिलचस्प तस्वीर सामने आती है। इंटरनेट, मोबाइल और सामाजिक माध्यमों के बढ़ते प्रभाव के बीच अब पढ़ने के लिए लोगों के पास पहले से कहीं अधिक विकल्प मौजूद हैं। ई-पुस्तकें, ऑनलाइन पुस्तकालय और श्रव्य पुस्तकें पाठकों को कहीं भी और कभी भी अपनी पसंद की सामग्री तक पहुंचने की सुविधा दे रही हैं। इसके बावजूद मुद्रित पुस्तकों की मांग और उनका महत्व बना हुआ है।

कैफे में साथ नजर आए समय रैना और मेधा शंकर, डेटिंग की चर्चाओं ने फिर पकड़ा जोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुंबई। स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना और फिल्म '12वीं फेल' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मेधा शंकर इन दिनों अपने कथित रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। दोनों के बीच नजदीकियों की खबरें लंबे समय से सामने आ रही हैं। हालांकि, समय और मेधा में से किसी ने भी अब तक अपने रिश्ते को लेकर सार्वजनिक रूप से कोई पुष्टि नहीं की है, लेकिन दोनों का एक साथ नजर आना और सामाजिक माध्यमों पर एक-दूसरे के साथ बातचीत करना इन चर्चाओं को लगातार हवा दे रहा है। दोनों के बीच नजदीकियों की अटकलें उस समय और तेज हो गई थीं, जब मेधा शंकर समय रैना के चर्चित कार्यक्रम 'इंडियाज गॉट लेटेंट सीजन-2' में पैनलिस्ट के रूप में शामिल हुई थीं। कार्यक्रम के दौरान समय ने सबके सामने मेधा को अपनी 'सबसे अच्छी दोस्त' बताया था। उनकी इस टिप्पणी के बाद प्रशंसकों के बीच दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थीं। इसी बीच रविवार, 15 नवंबर की शाम समय रैना और मेधा शंकर को मुंबई के एक कैफे में साथ देखा गया। इस मुलाकात का एक वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें समय नीले रंग की टी-शर्ट पहने दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वह अपने एक दोस्त को गले लगाते नजर आते हैं, जबकि मेधा काले रंग के कपड़ों में उनके पास खड़ी दिखाई दे रही हैं। इस दौरान समय की दोस्त और सामग्री निर्माता साक्षी शेट्टी भी कैफे में मौजूद थीं। वीडियो सामने आने के बाद दोनों के प्रशंसकों के बीच एक बार फिर उनके रिश्ते को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, कैफे में एक साथ दिखाई देना उनके रिश्ते की पुष्टि नहीं करता। फिलहाल दोनों की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।समय रैना अपनी हास्य प्रस्तुतियों और चर्चित कार्यक्रमों के कारण लगातार सुर्खियों में रहते हैं, वहीं मेधा शंकर ने फिल्म '12वीं फेल' में अपने अभिनय से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। अब देखना होगा कि दोनों अपने रिश्ते को लेकर चुप्पी बनाए रखते हैं।

गुजराती नववर्ष पर पवन माकन और सरबजीत माकन ने सपरिवार किए सांवरिया सेठ और खाटूश्यामजी के दर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद/राजस्थान। गुजराती नववर्ष विक्रम संवत 2083 के पावन शुभारंभ पर देशभर में उत्साह, उमंग और धार्मिक आस्था का विशेष वातावरण देखने को मिला। गुजरात सहित राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों ने नए वर्ष का स्वागत पूजा-अर्चना, मंदिरों में दर्शन और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देकर किया। इसी क्रम में ग्रुप संपादक पवन माकन एवं संपादक सरबजीत माकन ने अपने परिवारजनों के साथ राजस्थान के दो प्रमुख धार्मिक तीर्थस्थलों श्री खाटूश्यामजी और श्री सांवरिया सेठ मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। उन्होंने परिवार की सुख-शांति, स्वास्थ्य, खुशहाली और समृद्धि की कामना करते हुए नए वर्ष का शुभारंभ ईश्वर के चरणों में शीश नवाकर किया। धार्मिक यात्रा की शुरुआत विश्व प्रसिद्ध खाटूश्यामजी धाम से हुई। माकन परिवार मंदिर पहुंचा और बाबा श्याम के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति का विशेष माहौल देखने को मिला। बाबा श्याम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना हुआ था। परिवार के सदस्यों ने बाबा के मनमोहक श्रृंगार और दिव्य झांकी के दर्शन किए तथा उनके चरणों में शीश नवाकर परिवार की सुख-समृद्धि एवं जीवन में निरंतर उन्नति की प्रार्थना की। बाबा खाटूश्याम के दरबार में दर्शन के दौरान पवन माकन और सरबजीत माकन ने श्रद्धा और विश्वास के साथ नए वर्ष में सकारात्मकता, सद्भाव और सेवा भाव बनाए रखने का संकल्प लिया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बाबा श्याम को हारे का सहारा कहा जाता है। देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु यहां अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं। माकन परिवार ने भी बाबा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति और खुशहाली बने रहने की प्रार्थना की। इसके बाद परिवार राजस्थान के प्रसिद्ध श्री सांवरिया सेठ मंदिर, मंडफिया पहुंचा। यहां भगवान सांवरिया सेठ के दर्शन कर परिवार ने विधिवत पूजा-अर्चना की। मंदिर में दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं के बीच भक्ति और उत्साह का वातावरण रहा। माकन परिवार ने भगवान के समक्ष शीश नवाकर नए वर्ष में देश और समाज की उन्नति, परिवारों में सुख-शांति तथा सभी के जीवन में खुशहाली की कामना की। भगवान सांवरिया सेठ के दर्शन के बाद परिवार के सदस्यों ने आध्यात्मिक शांति और आनंद का अनुभव किया।

आदिवासी कार्यकर्ता निशा भगत की मौत की जांच सीबीआई के हवाले, दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो



रांची। झारखंड की आदिवासी सामाजिक कार्यकर्ता निशा भगत की मौत का मामला अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के हाथों में पहुंच गया है। झारखंड सरकार की अधिसूचना के बाद केंद्र सरकार ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का निर्णय लिया है। जांच की जिम्मेदारी संभालते ही सीबीआई ने निशा के पिता हांडू भगत की शिकायत के आधार पर दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इनमें केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की और ज्योत्सना केरकेट्टा के नाम शामिल हैं। दोनों के खिलाफ पहले निशा के पिता ने पिठोरिया थाने में लिखित शिकायत दी थी। अब मामले की जांच के दौरान मौत से जुड़े सभी पहलुओं और शिकायत में लगाए गए आरोपों की पड़ताल की जाएगी। 38 वर्षीय निशा भगत मूल रूप से गुमला जिले की रहने वाली थीं। वह आदिवासी समाज के अधिकारों, जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा और सरना संस्कृति के संरक्षण के लिए सक्रिय रूप से आवाज उठाती थीं। इसके अलावा वह भूमि माफिया के खिलाफ भी लगातार मुखर रहती थीं। वर्ष 2024 में उन्होंने गुमला विधानसभा सीट से झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के टिकट पर चुनाव लड़ा था, हालांकि उन्हें जीत नहीं मिली। बाद में उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी। निशा केंद्रीय सरना समिति की महिला अध्यक्ष भी रह चुकी थीं। निशा भगत की मौत से पहले 6 नवंबर 2026 को एक वीडियो सामने आया था। बताया गया कि रांची के पिठोरिया थाना क्षेत्र स्थित अपने घर से उन्होंने करीब 10 से 11 मिनट तक फेसबुक पर सीधा प्रसारण किया था। इस दौरान वह काफी परेशान दिखाई दे रही थीं। वीडियो में उन्होंने झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार, भूमि दलालों और पुलिस पर उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

बगलामुखी राष्ट्र रक्षा महायज्ञ का भव्य शुभारंभ

115 कन्याओं का निःशुल्क सामूहिक विवाह

महानगर मेट्रो ब्यूरो



रूपवास (भरतपुर)। धर्म, संस्कृति, सामाजिक समरसता और राष्ट्र कल्याण के संकल्प के साथ रूपवास में बगलामुखी राष्ट्र रक्षा महायज्ञ एवं 115 कन्याओं के निःशुल्क सामूहिक विवाह समारोह का भव्य शुभारंभ हुआ। परम पूज्य सदुरुदेव पंडित राजकुमार शर्मा के सान्निध्य में आयोजित इस धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के साथ हुई। यात्रा में 121 महिलाओं ने मंगल कलश धारण कर भाग लिया। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने पूरे आयोजन को धर्म, भक्ति और राष्ट्र चेतना के वातावरण से सराबोर कर दिया। कलश यात्रा के समापन के बाद सदुरुदेव पंडित राजकुमार शर्मा ने विधि-विधान से मंगल कलश की यज्ञशाला में स्थापना कर पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात मां भारती की सामूहिक आरती की गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक बाबूलाल, क्षेत्रीय प्रचारक शिवलहरी, बुधीराम, विजय कुमार, राजेंद्र प्रसाद गुरुजी, कोसु पहलवान भगत सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और धर्मप्रेमी श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर पंडित राजकुमार शर्मा ने कहा कि समाज में समरसता, समानता और सेवा का भाव जागृत करना वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बेटी का विवाह केवल एक परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार एक, दो, पांच या 11 जरूरतमंद बेटियों के विवाह में सहयोग करने का संकल्प लेना चाहिए। बेटियां किसी एक परिवार की नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज की धरोहर हैं। सामूहिक विवाह जैसे आयोजन सामाजिक एकता, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। पंडित शर्मा ने धार्मिक एवं सामाजिक जीवन में दिखावे, आडंबर और अनावश्यक खर्च से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य मानव जीवन में संस्कार, सदाचार, करुणा, सेवा और परोपकार की भावना विकसित करना है। धार्मिक आयोजनों की सार्थकता तभी है, जब उनसे समाज के जरूरतमंद लोगों को लाभ मिले और सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने की प्रेरणा मिले।

बृजभूषण शरण सिंह बोले- यूजीसी न कभी था और न कभी आएगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



उन्नाव। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने यूजीसी को लेकर बड़ा बयान देते हुए रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के रुख का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि यूजीसी न कभी था और न कभी आएगा। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में एक बार फिर यूजीसी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। बृजभूषण शरण सिंह ने अपने बयान के जरिए राजा भैया की बात का समर्थन करते हुए इस मुद्दे पर अपनी राय स्पष्ट की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की राजनीति में तीसरे गठबंधन के गठन को लेकर भी बड़ा दावा किया। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि तीसरा गठबंधन तैयार हो चुका है। हालांकि, इस गठबंधन में कौन-कौन से राजनीतिक दल शामिल होंगे और आगामी विधानसभा चुनाव में इसकी क्या भूमिका रहेगी, इस बारे में उन्होंने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। उनके इस बयान ने प्रदेश की सियासत में नए राजनीतिक समीकरणों को लेकर अटकलों को हवा दे दी है। पत्रकार वार्ता के दौरान उनसे पूर्व विधायक अनिल सिंह और सांसद साक्षी महाराज को लेकर भी सवाल पूछे गए। इस पर उन्होंने कहा कि उन्नाव उनके पूर्वजों की भूमि है। यहां से जब भी उन्हें किसी कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण मिलता है, तो वह जरूर पहुंचते हैं। उन्होंने उन्नाव से अपने पारिवारिक और भावनात्मक जुड़ाव का भी उल्लेख किया। दरअसल, पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह बारासगवर थाना क्षेत्र के रिशाल खेड़ा, धानी खेड़ा में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने यूजीसी और प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों पर अपनी राय रखी। तीसरे गठबंधन के तैयार होने के उनके दावे के बाद अब राजनीतिक दलों की संभावित भागीदारी और आगामी चुनाव में उसके प्रभाव को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

द्वारका में 79.54 करोड़ रुपए से बनेगा 4.49 किलोमीटर लंबा आधुनिक फोरलेन बायपास

महानगर मेट्रो ब्यूरो



द्वारका। भगवान द्वारकाधीश की नगरी द्वारका में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या और वाहनों की आवाजाही को देखते हुए यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। धार्मिक नगरी में यातायात के दबाव को कम करने और शहर को जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए 79.54 करोड़ रुपए की लागत से 4.49 किलोमीटर लंबा आधुनिक चार लेन बायपास बनाया जाएगा। राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत सड़क को आधुनिक सुविधाओं के साथ भव्य और आकर्षक स्वरूप दिया जाएगा। देश-विदेश से प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान द्वारकाधीश के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। त्योहारों, धार्मिक आयोजनों और पर्यटन के मौसम में वाहनों की संख्या बढ़ने से शहर की सड़कों पर यातायात का दबाव भी बढ़ जाता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए बायपास निर्माण की योजना तैयार की गई है। इसका उद्देश्य शहर के भीतर वाहनों का दबाव कम करना, आवागमन को सुगम बनाना और श्रद्धालुओं तथा स्थानीय नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराना है। परियोजना के लिए 131.76 करोड़ रुपए की प्रशासनिक एवं तकनीकी मंजूरी दी गई है। वहीं, डीटीपी खर्च 94.94 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया था। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी अहमदाबाद की एक कंपनी को सौंपी गई है। कंपनी ने निर्धारित अनुमानित लागत से 16.22 प्रतिशत कम दर पर निविदा प्रस्तुत की। इसके बाद 79.54 करोड़ रुपए की लागत से बायपास निर्माण का कार्य शुरू किया गया है। पूरी परियोजना को 18 महीने में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

राजस्थान के लुदी झाबर में चौथे चरण में भी नहीं हो पाया सरपंच चुनाव, बिना चुनाव करवाए लौटी पोलिंग पार्टी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सादुलपुर। राजगढ़ पंचायत समिति की ग्राम पंचायत लुदी झाबर में जहां तीसरे चरण में सरपंच पद का चुनाव नहीं होने पर जिले में चल रहे चौथे चरण के चुनाव में यहां निर्वाचन आयोग ने एक फिर सरपंच पद के लिए चुनाव करवाने की प्रक्रिया शुरू की। 15 नवम्बर को लुदी झाबर में सरपंच पद के लिए बतौर उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई तथा लुटाणा सदासुख के तीन अभ्यर्थियों ने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। इसके बाद हुई संवीक्षा में तीनों नामांकन पत्र अस्वीकार कर दिए गए और मतदान दल को बिना चुनाव करवाएं वापस लौटना पड़ा।ग्राम पंचायत लुदी झाबर में सरपंच पद अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए आरक्षित होने के कारण निर्वाचन प्रक्रिया में असामान्य स्थिति सामने आई। बताया जा रहा है कि पूरी ग्राम पंचायत में एसटी वर्ग का एक भी मतदाता नहीं है। ऐसी स्थिति में सरपंच पद के लिए चुनाव प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी और मतदान करवाए बिना ही पोलिंग पार्टी वापस लौट गई।इस घटनाक्रम ने पंचायत में सरपंच पद के आरक्षण और निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब इस मामले में निर्वाचन विभाग एवं जिला प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने अमित शाह से किया अनुरोध, दोषी मिलने पर सख्त कार्रवाई का भरोसा; प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में भावुक हुए

महानगर मेट्रो ब्यूरो



पुणे। महाराष्ट्र के दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जांच रिपोर्ट जल्द सार्वजनिक करने की मांग उठाई है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध किया कि हादसे की जांच पूरी कर रिपोर्ट शीघ्र जारी की जाए, ताकि दुर्घटना के पीछे की वास्तविक वजह सामने आ सके। फडणवीस ने स्पष्ट किया कि यदि जांच में किसी की लापरवाही या दोष सामने आता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।मुख्यमंत्री ने यह मांग अमित शाह की मौजूदगी में की। उन्होंने कहा कि अजित पवार की मौत से जुड़े सभी सवालों का जवाब मिलना जरूरी है और मामले की सच्चाई जनता के सामने आनी चाहिए।दरअसल, सोमवार को पुणे जिला परिषद परिसर स्थित यशवंतराव चव्हाण भवन में दिवंगत अजित पवार की अर्धप्रतिमा का अनावरण किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और एकनाथ शिंदे सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। इस दौरान अजित पवार को याद करते हुए उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार सहित कई नेता भावुक नजर आए।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.